

## अध्याय ~28

# हिन्दी साहित्य के स्मरणीय तथ्य

हिन्दी साहित्य विशाल और समृद्ध है। यह ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण होता है। यहाँ परीक्षोपयोगी हिन्दी साहित्य के महत्वपूर्ण तथ्यों पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला गया है।



### हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का वास्तविक सूत्रपात 19वीं शताब्दी से माना जाता है। मध्यकाल में भी कुछ रचनाएँ, जैसे-चौरासी वैष्णवन की वार्ता, दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता एवं भक्तमाल इत्यादि मिलती हैं, परन्तु इनमें कालक्रमानुसार वर्णन नहीं मिलता। अतः इन्हें हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रन्थ में शामिल नहीं किया जा सकता।

प्रमुख हिन्दी साहित्य के इतिहास ग्रन्थ निम्नलिखित हैं

- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा की शुरुआत फ्रेंच विद्वान 'गार्सा द तासी' ने 'इस्त्वार द-ला लितरेत्यूर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी' 1839 ई. में की।
- इसके पश्चात् दूसरा प्रयास शिवसिंह सेंगर ने 'शिवसिंह सरोज' द्वारा 1883 ई. में लिखकर किया।

- सर जॉर्ज ग्रियर्सन ने 'द मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' 1889 ई. में लिखा।
- मिश्र बन्धुओं ने 'मिश्रबन्धु विनोद' की वर्ष 1913 में रचना की।
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने वर्ष 1929 में 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' ग्रन्थ लिखा।
- डॉ. रामकुमार वर्मा ने 'हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास' वर्ष 1938 में लिखा।
- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' वर्ष 1940 में लिखी।
- डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त ने 'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' वर्ष 1965 में लिखा।

### हिन्दी साहित्य का इतिहास व उनके लेखक

पुस्तक का नाम	लेखक	पुस्तक का संक्षिप्त विवरण
1. इस्त्वार द-ला लितरेत्यूर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी (हिन्दी कवियों का इतिहास-दो भागों में)	गार्सा-द-तासी (फ्रेंच लेखक)	पहला भाग 1839 ई. में तथा दूसरा भाग 1846 ई. में छपा। 1871 ई. में दूसरा संस्करण तीन भागों में छपा। इसमें हिन्दू-मुस्लिम कवियों और कवयित्रियों का अंग्रेजी वर्णक्रम से विवरण दिया गया। 70 के लगभग हिन्दी कवियों का विवरण।
2. भाषा काव्य संग्रह	पं. महेश दत्त शुक्ल	1873 ई. में नवल किशोर प्रैस, लखनऊ से प्रकाशित। इसमें कुछ प्राचीन कवियों की कविताओं का संग्रह और उनकी संक्षिप्त जीवनियाँ थीं।
3. शिवसिंह सरोज	शिवसिंह सेंगर	1883 ई. में उन्नाव जिले के शिवसिंह सेंगर द्वारा लिखित। एक हजार के लगभग हिन्दी कवियों और उनकी रचनाओं का परिचय। इसी ग्रन्थ के आधार पर सर जॉर्ज ग्रियर्सन ने 'मॉडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान' लिखा।
4. हिन्दी-कोविद-ग्रन्थ-माला (भाग 2)	बाबू श्यामसुन्दर दास	भारतेन्दु कालीन 80 कवियों का रचना-संकेतों सहित परिचय। वर्ष 1909 तथा 1914 में प्रकाशित।
5. मिश्र बन्धु-विनोद	कृष्ण बिहारी मिश्र, शुक्र देव बिहारी मिश्र, गणेश बिहारी मिश्र	वर्ष 1913 में तीन भागों तथा वर्ष 1934 में चौथे भाग का प्रकाशन। हिन्दी कवियों का प्रथम विराट एवं व्यवस्थित इतिवृत्तात्मक ग्रन्थ। कवियों के विवरण के साथ साहित्य के विविध अंगों पर प्रकाश डाला। लगभग 5000 कवियों का विवरण। प्राचीन काव्य परम्परा के आदर्शों पर वर्गीकरण।
6. कविता कौमुदी (भाग 2)	पं. रामनरेश त्रिपाठी	वर्ष 1917 में प्रकाशित। प्रथम भाग में भारतेन्दु से पूर्व के 89 कवियों और रचनाओं का परिचय, दूसरे में 49 आधुनिक कवियों और उनकी रचनाओं का विवरण।
7. ए स्कैच ऑफ हिन्दी लिटरेचर	एडविन ग्रीव्स	वर्ष 1918 में प्रकाशित। इसमें 112 पृष्ठ हैं और 5 भागों में विभक्त हैं।

पुस्तक का नाम	लेखक	पुस्तक का संक्षिप्त विवरण
12. हिन्दी भाषा और साहित्य	डॉ. श्यामसुन्दर दास	वर्ष 1930 में प्रकाशित। कवियों का विवरण मात्र व भाषा विज्ञान।
13. भारतीय इतिहास पर हिन्दी का प्रभाव	पं. शुकदेव बिहारी मिश्र	वर्ष 1930-31 (भाषण जो बाद में पुस्तकार प्रकाशित)
14. हिन्दी भाषा और उसके साहित्य का विकास	पं. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	वर्ष 1929-30 (भाषण जो पुस्तकार छपे, 719 पृष्ठ भाषा और साहित्य पर अच्छी आलोचना)।
15. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास	डॉ. सूर्यकान्त शास्त्री	वर्ष 1930 में प्रकाशित, हिन्दी साहित्य की विश्वजनीन भावनाओं की दृष्टि से तुलना।
16. हिन्दी का इतिहास	पं. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'	वर्ष 1931 में प्रकाशित, केवल उपलब्ध सामग्री का संग्रह किया।
17. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ. श्यामसुन्दर दास	वर्ष 1931 उस व्यापक अर्थ में नहीं लिया गया।
18. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	कृष्ण शंकर शुक्ल	वर्ष 1934 में प्रकाशित। आधुनिक कवियों और साहित्यकारों का साहित्यिक परिचय दिया।
19. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा	वर्ष 1938 में प्रकाशित। चारण और धार्मिक काल का वर्णन है।
20. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास	बाबू गुलाब राय	वर्ष 1938 उपयोगी कला, शरीर रक्षा, प्राणि शास्त्र।
21. हिन्दी साहित्य का इतिहास	मिश्र बन्धु	वर्ष 1939 में प्रकाशित। आंग्ल प्रभाव से पूर्व का व्यवस्थित इतिहास।
22. हिन्दी साहित्य की भूमिका	पं. हजारी प्रसाद द्विवेदी	वर्ष 1940 समाज शास्त्र, शिक्षा, धर्म, समालोचना।
23. हिन्दी के निर्माता	डॉ. श्यामसुन्दर दास	वर्ष 1941 और अन्य भाषाओं के साहित्य का।
24. खड़ी बोली हिन्दी का इतिहास	ब्रज रत्न दास	वर्ष 1941 अध्ययन शामिल है।
25. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास	आचार्य चतुरसेन	वर्ष 1946 में प्रकाशित सर्वतोभावेन व्यापक अर्थों में प्रकाशित, परिपूर्ण हिन्दी साहित्य का सर्वप्रथम इतिहास, सब विषयों को लिया है, भाषा और लिपि के प्रसंग भी हैं।
26. हिन्दी साहित्य का इतिहास	ब्रज रत्न दास	जिसमें जीवन चरित, इतिहास, भूगोल, विज्ञान।
27. हिन्दी साहित्य का गद्यकाल	पं. गणेश प्रसाद द्विवेदी	देश-दर्शन, भाषा-शास्त्र, ललित कला।

## कालों का नामकरण

साहित्येतिहासकारों द्वारा दिए गए भिन्न-भिन्न नामों के पश्चात् जो सर्वमान्य नाम हैं, वे निम्नलिखित हैं

1. **आदिकाल** (1000-1350 ई.) हिन्दी साहित्येतिहास के विभिन्न कालों के नामकरण का प्रथम श्रेय जार्ज ग्रियर्सन को है। हिन्दी साहित्येतिहास के आरम्भिक काल के नामकरण का प्रश्न विवादास्पद है। इस काल को ग्रियर्सन ने 'चारण काल', मिश्र बन्धु ने 'आरम्भिक काल', महावीर प्रसाद द्विवेदी ने 'बीज वपन काल', शुक्ल ने 'आदिकाल; वीर गाथाकाल', राहुल सांस्कृत्यायन ने 'सिद्ध-सामन्त काल', राम कुमार वर्मा ने 'सन्धिकाल' व 'चारण काल', हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'आदिकाल' की संज्ञा दी है।
2. **भक्तिकाल** (1350-1650 ई.) इस काल को 'हिन्दी साहित्य का स्वर्ण काल' कहा जाता है। भक्ति काल के उदय के बारे में सबसे पहले जार्ज ग्रियर्सन ने मत व्यक्त किया। वे इसे 'ईसाइयत की देन' मानते हैं।

ताराचंद के अनुसार भक्ति काल का उदय 'अरबों की देन' है। भक्तिकाल को मिश्र बन्धु ने 'माध्यमिक काल', आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, डॉ. राजकुमार वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'भक्तिकाल' तथा डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त ने 'पूर्व मध्यकाल' कहा है।

3. **रीतिकाल** (1650-1850 ई.) इस काल को मिश्र बन्धु ने 'अलंकृत काल', आचार्य राम प्रसाद शुक्ल, डॉ. रामकुमार वर्मा, हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'रीतिकाल' तथा विश्वनाथ त्रिपाठी ने 'शृंगारकाल' कहा है।
4. **आधुनिक काल** (1850 ई. से अब तक) भारतेन्दु युग का नामकरण हिन्दी नवजागरण के अग्रदूत भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाम पर किया गया है। भारतेन्दु युग की प्रवृत्तियाँ थीं—नवजागरण, सामाजिक चेतना, भक्ति भावना, शृंगारिकता, रीति निरूपण, समस्या-पूर्ति। उक्त नाम ही अब सभी जगह स्वीकार किए जाते हैं। इतिहास ग्रन्थों में इन्हीं का प्रयोग होता है। इस काल को मिश्र बन्धु ने 'वर्तमान काल', आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'गद्यकाल' तथा हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'आधुनिक काल' कहा है।

## हिन्दी के प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ

### आदिकाल

हिन्दी साहित्य के इतिहास में 8वीं शताब्दी से लेकर 14वीं शताब्दी के मध्य काल तक के समय को आदिकाल कहा जाता है। इस काल में साहित्य मुख्यतः चार रूपों में मिलता है—सिद्ध साहित्य तथा नाथ साहित्य, जैन साहित्य, चारणी साहित्य, प्रकीर्णक साहित्य। इस युग के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ निम्नलिखित हैं

#### आदिकाल

रचनाकार	रचनाएँ	रचनाकाल	विषय
दलपति विजय	खुमान रासो	नवीं शती	चित्तौड़ नरेश खुमान की वीरता का वर्णन है।
रोड कवि	राउलवेल	दसवीं शती	गद्य-पद्य मिश्रित चम्पू काव्य, नायिका राउलवेल के नखशिख सौन्दर्य का शृंगारिक वर्णन है।
नल्हसिंह भाट	विजयपाल रासो (अप्राप्त)	ग्यारहवीं शती	विजयगढ़ के शासक विजयपाल के शौर्य एवं पराक्रम का वर्णन है।
चन्दबरदाई	पृथ्वीराज रासो	बारहवीं शती	पृथ्वीराज चौहान की वीरता का वर्णन है।
नरपति नाल्ह	बीसलदेव रासो	बारहवीं शती	लौकिक विरह सन्देश काव्य, अजमेर के चौहान राजा बीसलदेव तथा रानी राजमती के प्रेम और विरह का वर्णन है।
भट्ट केदार	जयचन्द प्रकाश (अप्राप्त)	बारहवीं शती	महाराज जयचन्द की वीरता का वर्णन है।
मधुकर	जयमयंक जसचन्द्रिका (अप्राप्त)	बारहवीं शती	महाराज जयचन्द के पराक्रम का वर्णन है।
दामोदर शर्मा	उक्ति-व्यक्ति-प्रकरण	बारहवीं शती	गद्य-पद्य मिश्रित व्याकरण ग्रन्थ
जगनिक	परमाल रासो (आल्हाखण्ड)	तेरहवीं शती	महोबा के राजा परमालदेव के सामन्त आल्हा और ऊदल की वीरता का वर्णन है।
अब्दुर्रहमान	संदेश रासक	तेरहवीं शती	यह तीन क्रमों में विभाजित 223 छंदों का सन्देश काव्य है।
अमीर खुसरो	खालिकबारी	तेरहवीं शती	हिन्दी-फ़ारसी शब्दकोश
	नूह सिपिहर	तेरहवीं शती	भारतीय बोलियों का वर्णन
	पहेलियाँ, मुकरियाँ, दो सखुनें	तेरहवीं शती	लोकरंजक और शिक्षाप्रद
	आवाज़-ए-खुसरवी	तेरहवीं शती	संगीत प्रधान है।
अज्ञात कवि	वसन्त विलास	तेरहवीं-चौदहवीं शती के मध्य	शृंगारपरक सरस ब्रजभाषा काव्य जिसमें स्त्रियों पर वसन्त के प्रभाव का वर्णन है।
विद्यापति	पदावली	चौदहवीं शती	राधा-कृष्ण के लौकिक प्रेम का वर्णन है।
	कीर्तिलता	चौदहवीं शती	ऐतिहासिक महत्त्व का प्रबन्ध-काव्य, इसमें कीर्ति सिंह की वीरता का वर्णन है।
	कीर्तिपताका	चौदहवीं शती	अभी तक सूचना मात्र है।
ज्योतिरीश्वर ठाकुर	वर्ण रत्नाकर	चौदहवीं शती	हिन्दू दरबार और भारतीय जीवन पद्धति का चित्रण है।
कुशलराय वाचक	ढोला मारु-रा-दूहा	पन्द्रहवीं शती	लौकिक विरह सन्देश-काव्य (मुख्यतः यह 11वीं सदी) (कवि कल्लोत की रचना है। इसमें कुशलराय वाचक ने कुछ चौपाइयाँ जोड़कर इसका विस्तार किया)।
स्वयंभू	पउमचरित		रामकथा महाकाव्य

### भक्तिकाल (सन्त काव्य)

आदिकाल के बाद के युग को भक्तिकाल कहा जाता है। इस काल की समयावधि संवत् 1343 ई. से संवत् 1643 ई. तक मानी जाती है। इसे पूर्व मध्यकाल भी कहा जाता है। जॉर्ज ग्रियर्सन ने इसे स्वर्णकाल की संज्ञा दी है।

भक्तिकाल को दो भागों में विभाजित किया गया है—सगुण भक्ति तथा निर्गुण भक्ति। सगुण भक्ति की दो उपशाखाएँ—रामाश्रयी शाखा तथा कृष्णाश्रयी शाखा हैं। निर्गुण भक्ति की दो उपशाखाएँ—ज्ञानाश्रयी शाखा तथा प्रेमाश्रयी शाखा हैं।

भक्तिकाल के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ निम्नलिखित हैं

### संत काव्य

रचनाकार	रचनाएँ	वर्ण्य विषय
नामदेव	अभंगपद	डॉ. भगीरथ मिश्र ने 'सन्त नामदेव की हिन्दी पदावली' (1964) तथा रामचन्द्र मिश्र ने 'सन्त रामदेव और हिन्दी पद साहित्य' नाम से सम्पादन किया है।
कबीर	बीजक (साखी, सबद और रमैनी)	कबीर के काव्य का संकलन सबसे पहले उनके शिष्य धरम दास ने 'बीजक' नाम से किया था। इसके उपरान्त डॉ. श्यामसुन्दर दास ने 'कबीर-ग्रन्थावली', डॉ. पारसनाथ तिवारी ने 'कबीर ग्रन्थावली' (1961), अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध ने 'कबीर वचनावली' (1946) नाम से कबीर की रचनाओं का सम्पादन किया है।
गुरु नानकदेव	जपुजी, असादीवार, रहिरास, सोहिला, नसीहतनामा	गुरु नानकदेव की रचनाओं का संकलन डॉ. जयराम मिश्र ने 'नानकवाणी', डॉ. मनमोहन सहगल ने 'श्री गुरु ग्रन्थ साहिब' (पहली, दूसरी सँची) (1978, 1980) नाम से सम्पादित किया है।
रैदास (रविदास)	रविदास की बानी, रविदास के पद	इनकी कुछ रचनाएँ श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में संकलित हैं। इसमें 18 हजार चौपाईयाँ संगृहीत हैं। यह प्रणामी सम्प्रदाय
मलूकदास	ज्ञानबोध, रामावतार लीला, ध्रुवचरित	ज्ञानबोध में ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का तथा रामावतार लीला में रामवन की कथा का विस्तृत वर्णन है।
दादूदयाल	हरडेबानी	दादूदयाल की रचनाओं का संकलन रज्जबदास तथा जगन्नाथ ने 'हरडेबानी' नाम से किया। बाद में परशुराम चतुर्वेदी ने 'दादू ग्रन्थावली' नाम से सम्पादन किया।
सुन्दरदास	सुन्दरविलास, सुन्दर ग्रन्थावली (भाग 1, 2)	सुन्दरदास की रचनाओं का संकलन है।
जगजीवन दास	ज्ञानप्रकाश, महाप्रलय, प्रथम ग्रन्थ	—
सहजोबाई	सहजप्रकाश, सोलह, तत्त्व निर्माण	—
अक्षर अनन्य	महिमा समुद्र, सिद्धान्तबोध, प्रेम-दीपिका, ज्ञानयोग, पंचासिका	—

### सूफी काव्य

रचनाकार	रचनाएँ	रचनाकाल	वर्ण्य विषय
असाइत	हंसावली	1370 ई.	गुजराती मिश्रित पश्चिमी हिन्दी में रचित प्रेमकथा
मुल्ला दाऊद	चन्दायन	1379 ई.	लोरिक और चन्दा की लोककथा के माध्यम से प्रेम के महत्त्व का चित्रण, इसे <b>लोरकहा</b> भी कहते हैं।
ईश्वरदास	सत्यवती कथा	1500 ई.	सत्यवती कथा सौन्दर्य, प्रेम, विरह निरूपण, तत्कालीन बादशाह का उल्लेख; अवधी भाषा, दोहा-चौपाई शैली आदि की दृष्टि से हिन्दी प्रेमाख्यान परम्परा का उच्चकोटि का काव्य है।
कुतुबन	मृगावती	1501 ई.	मृगावती और राजकुँवर की लौकिक प्रेमकथा के द्वारा अलौकिक प्रेम का वर्णन है।
मलिक मोहम्मद 'जायसी'	पद्मावत	1520 ई. (947 हिजरी)	राजा रतनसेन और पद्मावती की प्रेमकथा के द्वारा अलौकिक प्रेम का चित्रण, अवधी का प्रथम महाकाव्य है।
	आखिरी कलाम अखरावट	936 हिजरी —	इसमें कयामत का वर्णन तथा मोहम्मद साहब के महत्त्व का प्रतिपादन है। इसमें देवनागरी वर्णमाला के एक-एक वर्ण (अक्षर) को लेकर सैद्धान्तिक बातें कही गई हैं।
मंझन	मधुमालती	1545 ई.	मधुमालती और मनोहर की प्रेमकथा के द्वारा अलौकिक प्रेम का वर्णन है।
उसमान	चित्रावली	1613 ई.	सुजान और चित्रावली की प्रेमकथा के माध्यम से प्रेम और विरह के महत्त्व का प्रतिपादन है।
शेखनबी	ज्ञानदीप	1619 ई.	ज्ञानदीप और देवयानी की प्रेमकथा का वर्णन है।
नूर मोहम्मद	इन्द्रावती	1707 ई.	सभी पात्रों का प्रतीक रूप में चित्रण करते हुए आध्यात्मिक संकेत दिया गया है।
कासिम शाह	हंस जवाहिर	1736 ई.	हंस और रानी जवाहिर की प्रेमकथा का वर्णन है।
नूर मोहम्मद	अनुराग बाँसुरी	1764 ई.	प्रेमकथा के माध्यम से इस्लामी धर्म का प्रचार (दोहे की जगह बरवै छन्द का प्रयोग) किया गया है।
निसार	यूसुफ जुलेखा	—	शामी परम्परा से कथानक लेकर प्रेम के महत्त्व का प्रतिपादन किया गया है।
नसीर	प्रेमदर्पण	—	यूसुफ जुलेखा की ही प्रेमकथा वर्णित है।

## राम काव्य

रचनाकार	रचना	रचनाकाल	वर्ण्य विषय
रामानन्द	रामरक्षास्तोत्र	अज्ञात	हिन्दी में रामभक्ति परम्परा का आरम्भ है।
विष्णुदास	रामायण कथा	1442 ई.	हिन्दी में लिखा गया प्रथम रामकथा काव्य है।
अग्रदास	ध्यानमंजरी	अज्ञात	राम तथा अन्य भाइयों के सौन्दर्य वर्णन के साथ सरयू और अयोध्या का वर्णन है।
ईश्वरदास	भरतमिलाप	1444 ई.	राम को वनवास होने पर भरत और राम के मिलन का प्रसंग वर्णित है।
	अंगद पैज	1444 ई.	रावण के दरबार में अंगद का पैर जमाने का चित्रण है।
तुलसीदास	रामचरितमानस	1574 ई.	भगवान राम का सम्पूर्ण जीवन चरित्र वर्णित है। यह हिन्दी का सर्वाधिक लोकप्रिय ग्रन्थ है।
	रामलला नहछू	1586 ई.	रामविवाह के समय यज्ञोपवीत संस्कार के अवसर पर नहछू का वर्णन है।
	वैराग्य संदीपनी	1612 ई.	तुलसीदास ने इस कृति को 'अखिल ज्ञान का सार' कहा है। इसमें सन्त स्वभाव, सन्त महिमा का वर्णन तथा नीति, भक्ति, रामनाम महात्म्य सम्बन्धी दोहे हैं।
	दोहावली	1583 ई.	नीति, भक्ति, रामनाम महात्म्य सम्बन्धी दोहे संगृहीत हैं।
	बरवै रामायण	1612 ई.	रामकथा सम्बन्धी मार्मिक प्रसंगों का वर्णन है।
	पार्वती मंगल	1586 ई.	शिव-पार्वती के विवाह का वर्णन है।
	जानकी मंगल	1586 ई.	राम-सीता के विवाह का वर्णन है।
	रामाज्ञा प्रश्न	1612 ई.	शुभ-अशुभ शकुन विचार हेतु लिखा राम काव्य है।
	कृष्णगीतावली	1571 ई.	श्रीकृष्ण का बालचरित्र, गोपिका-प्रेम और मथुरा गमन का चित्रण है।
	गीतावली	1571 ई.	मुक्तकों में रामकथा वर्णित है। कथा सात काण्डों में विभक्त है।
	कवितावली	1612 ई.	कवित्त छन्द में रामकथा का वर्णन है। रामकथा सात काण्डों में विभक्त है।
	विनय-पत्रिका	1585 ई.	व्यक्तिगत एकांतिक अनुभूतियों की अभिव्यक्ति की दृष्टि से 'विनय-पत्रिका' भक्ति काव्य में अनूठी है। इसमें 280 पद, भाषा ब्रज और शान्त रस की प्रधानता है।
नाभादास	भक्तमाल	1585 ई.	दो सौ भक्तों का चरित्र-वर्णन है।
	अष्टयाम	1585 ई.	रामभक्ति विषयक माधुर्य उपासना के पद संगृहीत है।
केशवदास	रामचन्द्रिका	1601 ई.	वाल्मीकि रामायण के आधार पर रामकथा वर्णित है।
प्राणचन्द चौहान	रामायण महानाटक	1610 ई.	संवाद शैली में रामकथा का चित्रण है।
हृदयराम	हनुमन्नाष्टक	1623 ई.	संस्कृत के हनुमन्नाष्टक के आधार पर सवैया छन्द में रचित नाटक है।
लालदास	अवधविलास	1643 ई.	रामजन्म से वन-गमन तक की कथा वर्णित है।
सेनापति	कवित्त रत्नाकर	1649 ई.	इस ग्रन्थ की चौथी पाँचवीं तरंगों में रामकथा वर्णित है।
माधवदास	अध्यात्म रामायण	1624 ई.	संस्कृत की अध्यात्म रामायण पर आधारित रामकथा वर्णन है।
	रामरासो	1618 ई.	रामकथा की मुख्य घटनाओं, जीवन-प्रसंगों और चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन है।
रामप्रिया शरण दास	सीतायन	1703 ई.	सीताजी को प्रधानता देकर रामकथा का वर्णन है।

## कृष्ण काव्य

रचनाकार	रचना	रचनाकाल	वर्ण्य विषय
सूरदास	सूरसागर	1530-1547 ई.	श्रीमद्भागवत की पद्धति पर द्वादश स्कन्धों में कृष्ण भक्ति का सर्वश्रेष्ठ काव्य है।
	सूरसारावली	1548 ई.	सूरसागर की विषयानुक्रमणिका
	साहित्यलहरी	1550 ई.	सुप्रसिद्ध दृष्टकूट पदों का संकलन (नायिका भेद सम्बन्धी शृंगार ग्रन्थ)
परमानन्द दास	परमानन्द सागर	1550 ई.	कृष्ण के मथुरागमन से भँवर गीत तक के प्रसंग का चित्रण है।
नन्ददास	अनेकार्थ मंजरी	1553-1583 ई.	पर्यायकोश ग्रन्थ
	मानमंजरी	1553-1583 ई.	अमरकोश के आधार पर पर्यायवाची शब्दों का संकलन है।
	रसमंजरी	1553-1583 ई.	नायिका भेद सम्बन्धी शृंगार ग्रन्थ
	भँवरगीत	1553-1583 ई.	भ्रमरगीत परम्परा का उच्चकोटि का काव्यग्रन्थ है।
	रासपंचाध्यायी	1553-1583 ई.	श्रीकृष्ण की रासलीला का वर्णन कोमल संगीतात्मक पदावली में किया गया है। इसे हिन्दी का गीत गोविन्द कहा जाता है। यह खण्ड काव्य है।
	रूपमंजरी	1553-1583 ई.	रूपमंजरी और कृष्ण की प्रेमगाथा
	विरहमंजरी	1553-1583 ई.	विरह के भेदों का काव्यशास्त्रीय विवेचन
	श्याम सगाई	1553-1583 ई.	राधा-कृष्ण की सगाई का रोचक चित्रण
	सुदामा चरित	1553-1583 ई.	सुप्रसिद्ध कृष्ण और सुदामा की कथा का वर्णन
	रुक्मिणी मंगल	1553-1583 ई.	रुक्मिणी हरण और कृष्ण के साथ उनके विवाह का वर्णन

रचनाकार	रचना	रचनाकाल	वर्ण्य विषय
नन्ददास	सिद्धान्तपंचाध्यायी	1553-1583 ई.	कृष्ण और गोपियों की रासलीला का आध्यात्मिक वर्णन
	दशम् स्कन्धभाषा	1553-1583 ई.	श्रीमद्भागवत के स्कन्ध का दोहा-चौपाई में रूपान्तरण
	गोवर्धन लीला	1553-1583 ई.	श्रीकृष्ण की विविध लीलाओं एवं कृष्ण चरित का गुणगान
	नन्ददास पदावली	1553-1583 ई.	बारह प्रकरणों में राधा-कृष्ण सम्बन्धी विविध प्रकरण
कृष्णदास	जुगलमान चरित	1553-1583 ई.	राधा-कृष्ण के प्रेम का शृंगारपरक चित्रण
निम्बार्काचार्य	वेदान्त पारिजात सौरभ	1553-1583 ई.	ब्रह्मसूत्र पर वृत्ति
	दशश्लोकी	1553-1583 ई.	दस श्लोकों में भक्ति सिद्धान्त प्रतिपादक रचना
श्रीभट्ट	युगलशतक	1553-1583 ई.	राधा-कृष्ण की युगल लीलाओं का वर्णन
हितहरिवंश	हितचौरासी	1553-1583 ई.	राधा-कृष्ण का प्रेम, नित्य विहार, रासलीला आदि का शृंगारिक वर्णन
	स्फुटवाणी	1553-1583 ई.	राधा-भक्ति, जीवनोद्देश्य आदि विषयों पर स्फुट रचनाएँ
ध्रुवदास	बयालीस लीला	1603-1643 ई.	राधा-कृष्ण की विभिन्न लीलाओं का वर्णन
	सिद्धान्त विचार	1603-1643 ई.	भक्ति-सिद्धान्त विवेचन
	भक्तनामावली	1603-1643 ई.	संक्षेप में अनेक भक्तों का परिचयात्मक वर्णन
स्वामी हरिदास	सिद्धान्त के पद	1603-1643 ई.	भक्ति के सिद्धान्तों का वर्णन
	केलिमाल	1603-1643 ई.	श्री श्यामाकुंज बिहारी की विविध लीलाओं का 110 पदों में सुन्दर चित्रण
मीराबाई	नरसीजी का मायरा	1528-1543 ई.	नरसीजी की भक्ति का वर्णन
	गीतगोविन्द टीका	1528-1543 ई.	गीतगोविन्द की भाषा टीका
	राग सोरठा पद-संग्रह	1528-1543 ई.	मीरा, कबीर, नानकदेव के पद
	स्फुट पद	1528-1543 ई.	मीरा के कृष्ण-भक्तिपरक पद ('मीरा पदावली' नाम से प्रकाशित)
नरोत्तमदास	सुदामाचरित	—	भागवतम् में वर्णित सुदामा प्रसंग पर आधारित रचना
रसखान	सुजान रसखान	1583 ई.	राधा-कृष्ण की रूपमाधुरी लीला सम्बन्धी, भक्ति, प्रेम-परक प्रसंग
	दानलीला	1583-1626 ई. के मध्य	राधा-कृष्ण के पौराणिक प्रसंग पर आधारित 11 छन्दों की रचना है।
	अष्टयाम	1583-1626 ई. के मध्य	श्रीकृष्ण के प्रातः जागरण से रात्रिशयन पर्यन्त दिनचर्या का वर्णन
	प्रेम-वाटिका	1614 ई.	राधा-कृष्ण को मालिन-माली मानकर प्रेम के गूढ़ तत्त्व का सूक्ष्म निरूपण
रहीम	दोहावली	1583-1626 ई. के मध्य	नीति सम्बन्धी दोहों का संकलन
	शृंगार सोरठ	1583-1626 ई. के मध्य	कृष्ण के रूप सौन्दर्य तथा गोपी-विरह का निरूपण
	बरवै नायिका भेद	1583-1626 ई. के मध्य	
	मदनाष्टक	1583-1626 ई. के मध्य	कृष्ण का रूपलावण्य, मुरली का सम्मोहक प्रभाव, गोपियों की विरह वेदना का चित्रण
गंग कवि	गंग कवित्त	1583-1626 ई. के मध्य	शृंगार, भक्ति, नीति, राजप्रशस्तिपरक रचनाएँ

## रीतिकाल

रीतिकाल की समय सीमा 1650 से 1850 ई. मानी गई है। इस काल में हिन्दी कविता में एक नया मोड़ आया। तात्कालिक दरबारी संस्कृति और संस्कृत साहित्य से इस काल की कविता को उत्तेजना मिली। रीतिकाल के अधिकांश कवि दरबारी थे। इस काल के कवियों को तीन भागों में विभाजित किया गया—रीतिबद्ध, रीतिसिद्धि, रीतिमुक्त। इस काल के प्रमुख कवि तथा उनकी रचनाएँ निम्नलिखित हैं

### रीतिकाल

रचनाकार	रचना/रचनाकाल	वर्ण्य विषय
कृपाराम	हिततरंगिणी (1541 ई.)	नायिका भेद विवेचन
केशवदास	कविप्रिया (1601 ई.)	काव्यदोष, कवियों के गुण-दोष, अलंकार, बारहमासा आदि
	रसिक प्रिया (1591 ई.)	रस एवं नायिका भेद
	वीरदेव सिंह चरित (1607 ई.)	ओरछा नरेश राजवीर सिंह देव बुन्देल का चरित्र
	रतनबावनी (1607 ई.)	मधुकरशाह के पुत्र रत्नसेन के वीरोत्साह का वर्णन
	जहाँगीर जस-चन्द्रिका (1612 ई.)	जहाँगीर की प्रशस्ति
	विज्ञानगीता (1610 ई.)	संस्कृत 'प्रबोधचन्द्रोदय' का पद्यानुवाद
चिन्तामणि	रसविलास (1630-80 ई.)	भानुदत्त की 'रसमंजरी' और 'रसतरंगिणी' तथा विश्वनाथ के साहित्य दर्पण का प्रभाव है।
	शृंगारविलास (1630-80 ई.)	नायिका भेद विवेचन
	कविकुल कल्पतरु (1630-80 ई.)	सर्वाङ्गनिरूपक विवेचन
	रामायण (1630-80 ई.)	रामकथा वर्णन
	रामाश्वमेध (1630-80 ई.)	रामकथा का अश्वमेध प्रसंग
	छन्दविचार पिंगल (1630-80 ई.)	कृष्ण चरित्र के माध्यम से छन्द-विवेचन

रचनाकार	रचना/रचनाकाल	वर्ण्य विषय
सुखदेव मिश्र	रस रत्नाकर (1633-1703 ई.) रसार्णव (1633-1703 ई.) वृत्त विचार (1633-1703 ई.) अध्यात्म प्रकाश (1633-1703 ई.)	रसविवेचन नवरस वर्णन छन्द-विवेचन शंकराचार्य के आध्यात्मिक विचारों का विवेचन
कुलपति मिश्र	रस रहस्य (1660-1700 ई.) संग्राम सार (1660-1700 ई.)	सर्वांगनिरूपण महाभारत के द्रोण पर्व का पद्यबद्ध अनुवाद
कविवर देव	भाव विलास (1689 ई.) शब्द रसायन (1689-1767 ई.) काव्य रसायन सुख सागर तरंग (1689-1767 ई.) अष्टयाम (1689-1767 ई.)	नवरस और अलंकार विवेचन काव्य रूप, शब्द शक्ति, रस, नायक-नायिका भेद रीति, गुण आदि विवेचन नायक-नायिका भेद, शृंगार रस के कवित्व संवेद्या नायक-नायिकाओं के आठों पहर के विलासों का वर्णन
मतिराम	ललित ललाम (1661-64 ई.) रसरस (1633-43 ई.) मतिराम सतसई (1681 ई.) छन्दसार संग्रह (वृत्तकौमुदी) (1701 ई.)	अलंकार विवेचन शृंगार रस विवेचन शृंगार रस विषयक दोहा ग्रन्थ छन्द विवेचन
तोष कवि	सुधानिधि (1634 ई.)	सर्वरस निरूपण
जसवन्त सिंह	भाषा भूषण (1650-85 ई.) प्रबन्ध चन्द्रोदय (1650-85 ई.) नाटक	अलंकार, रस, नायिका भेद विवेचन संस्कृत के प्रबन्ध चन्द्रोदय नाटक का ब्रजभाषा में पद्यानुवाद
सोमनाथ	रस पीयूष निधि (1737 ई.) शृंगार विलास (1725-60 ई.) सुजान विलास (1730 ई.) पंचाध्यायी माधव विनोद (नाटक) (1752 ई.)	सर्वांग निरूपण शृंगार रस, नायक-नायिका भेद का विवेचन सिंहासन बत्तीसी का पद्यानुवाद प्रबन्धकाव्य मालती माधव के आधार पर रचित प्रेम प्रबन्ध
भिखारीदास	काव्य निर्णय (1725-60 ई.) रससारांश (1725-60 ई.) शृंगार निर्णय (1725-60 ई.) छन्दोर्णवर्णिक (1725-60 ई.) शब्दनाम कोश (1725-60 ई.) विष्णुपुराण (1725-60 ई.) शतरंज शतिका (1725-60 ई.)	काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, शब्दशक्ति, गुण-दोष आदि का विवेचन नवरस विवेचन नायक-नायिका भेद छन्द निरूपण ग्रन्थ शब्दकोश विष्णुपुराण का भाषानुवाद शतरंज खेल सम्बन्धी
भूषण	शिवराज भूषण (1673 ई.) शिवाबावनी छत्रसाल दशक	शिवाजी की प्रशस्ति एवं अलंकार निरूपण शिवाजी की प्रशस्ति छत्रसाल की प्रशस्ति
पद्माकर	पद्माभरण (1810 ई.) जगद्धिनोद (1803-21 ई.) प्रबोधपचासा (1803-21 ई.) गंगालहरी (1803-21 ई.) राम-रसायन (1803-21 ई.) हिम्मत बहादुर विरुदावली (1792 ई.) प्रताप सिंह विरुदावली (1803-21 ई.)	अलंकारों का विवेचन नवरस विवेचन, नायक-नायिका भेद संसार की जटिलता और क्षणभंगुरता का वर्णन गंगाजी पर स्तुति रामकथा पर आधारित ग्रन्थ आश्रयदाता हिम्मत बहादुर की वीरता का ओजपूर्ण वर्णन राज प्रताप सिंह की वीरता का वर्णन
मुरलीधर भूषण	छन्दोहृदय प्रकाश (1666 ई.)	विस्तृत एवं व्यवस्थित छन्द-विवेचन
कालिदास त्रिवेदी	वरवधू विनोद (1662 ई.)	नखशिख तथा नायिका-भेद विवेचन
कुमारमणि	रसिकरंजन (1708 ई.) रसिकरसाल (1719 ई.)	संस्कृत काव्य का सूक्ति संग्रह काव्यांग विवेचन
लाल कवि	छत्रप्रकाश	राजा छत्रसाल का जीवन-चरित्र (दोहा-चौपाई में)
दूलह	कविकुल कण्ठाभरण	115 अलंकारों का विवेचन
रसलीन	अंग दर्पण (1737 ई.) रसप्रबोध (1742 ई.)	नखशिख वर्णन रस के अंगों का विस्तृत वर्णन
रसिक गोविन्द	गोविन्दानन्दघन (1801 ई.) पिंगल	रस के लक्षण, नायक-नायिका भेद, गुण, दोष, अलंकार-विवेचन छन्द-विवेचन

रचनाकार	रचना/रचनाकाल	वर्ण्य विषय
जगत सिंह	साहित्य सुधानिधि	काव्य का सर्वांगनिरूपण
जनराज	कविता रस विनोद काम कल्पतरु (1891)	काव्य का सर्वांगनिरूपण आयुर्वेद से सम्बन्धित
गोप कवि	रामचन्द्रभूषण रामचन्द्राभरण	अलंकार-विवेचन ओरछा नरेश पृथ्वी सिंह के आश्रय में अलंकार निरूपण
प्रताप साही	व्यंग्यार्थ कौमुदी (1825 ई.) काव्य विलास (1829 ई.)	व्यंग्यार्थ महत्त्व, शब्द-शक्ति, अलंकार, नायक-नायिका भेद काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य भेद, शब्द-शक्ति, गुण-दोष निरूपण
ग्वाल कवि	साहित्यानन्द (1824 ई.) कवि दर्पण रसिकानन्द (1847 ई.) प्रस्तार प्रकाश यमुना लहरी (1822 ई.) गोपी पच्चीसी विजय विनोद हम्मीर हठ (1824 ई.) भक्त भावन (1862 ई.)	काव्य का सर्वांगनिरूपण काव्य-दोष नायक-नायिका भेद, रस विवेचन छन्द-निरूपण यमुना की स्तुति प्रबन्ध काव्य प्रबन्ध काव्य हम्मीर की वीरता का वर्णन भक्ति, शृंगार और नीति सम्बन्धी रचनाओं का संग्रह
बेनी प्रवीन	नवरस तरंग (1817 ई.)	नवरस विवेचन
अमीरदास	ब्रजविलास सतसई (1832 ई.) सभामंडन (1827 ई.) वृत्त चन्द्रोदय (1830 ई.) श्रीकृष्ण साहित्य सिन्धु	शृंगार, भक्ति, नीति विषयक 701 दोहों का संकलन काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य भेद, शब्दार्थ-वृत्ति, ध्वनि, भाव, रस, गुण, नायक-नायिका भेद 40 मात्रिक और 61 वर्णिक छन्दों का निरूपण पाँच तरंगों में काव्य स्वरूप, शब्द-शक्ति, ध्वनि भेद, रस, नायक-नायिका भेद, दोष, अलंकार आदि का निरूपण
याकूब खँ	शेर सिंह प्रकाश (1840 ई.)	पाँच शब्दालंकार और 65 अर्थालंकारों के विवेचन में शेरसिंह की प्रशस्ति
सूदन	रसभूषण (1812 ई.)	नायक-नायिका भेद, नवरस विवेचन
जोधराज	सुजानचरित	भरतपुर नरेश सुजान सिंह की वीर प्रशस्ति
हरिनाथ	हम्मीर रासो (1818 ई.)	महाराजा हम्मीर के चरित्र का छप्पय पद्धति में वर्णन
चन्द्रशेखर बाजपेयी	अलंकार दर्पण	86 दोहों में अलंकारों के लक्षण और 40 छन्दों में सभी लक्षणों के उदाहरण
माखन कवि	हम्मीर हठ रसिक विनोद (1886 ई.) नखशिख	हम्मीर की शौर्यगाथा नवरस विवेचन राधाजी के नख-शिख का रूप वर्णन
बिहारी	छन्द विलास (1702 ई.)	छन्द विवेचन
सेनापति	बिहारी सतसई (1662 ई.)	अलंकार, रस, भाव, नायिका भेद आदि को ध्यान में रखकर दोहों की रचना
रसनिधि	कवित्त रत्नाकर (1649 ई.)	श्लेष अलंकार, शृंगार, ऋतु वर्णन, रामचरित और रामभक्ति वर्णन। इसमें पाँच तरंग और तीन सौ चौरानवें छन्द हैं।
कृष्ण कवि	काव्यकल्पद्रुम	यह ग्रन्थ अप्राप्य है। अनेक विद्वान 'काव्यकल्पद्रुम' और 'कवित्त-रत्नाकर' को एक ही काव्यकृति मानते हैं।
नेवाज	रतन हजारा	बिहारी सतसई के अनुकरण पर शृंगार, भक्ति, नीति विषयक दोहे
हठीजी	सतसई की टीका (1725 ई.)	कवित्त सवैया छन्द में सतसई की टीका
द्विजदेव	शकुन्तला नाटक	यह नाटक न होकर काव्य ग्रन्थ है। इसमें भावों का मार्मिक चित्रण है।
घनानन्द	श्रीराधा सुधाशतक (1780 ई.)	राधा के वर्णन में राजसी ठाठ-बाट और विलास का वर्णन
	शृंगार लतिका	रस, अलंकार, नायिका भेद के लक्षणों को ध्यान में रखकर उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं। वसन्त पर रचित 33 पद्यों में हृदय की अन्तर्दशाओं का मार्मिक उद्घाटन रस, अलंकार, नायिका भेद के लक्षणों को ध्यान में रखकर उदाहरण प्रस्तुत किए गए हैं, शृंगार एवं प्रकृति वर्णन।
	सुजानहित इश्कलता वियोगवेलि प्रीतिपावस यमुनायश	कवित्त-सवैयाओं में लौकिक शृंगार-वर्णन पंजाबी और उर्दू शब्दों का आधिक्य, प्रेम के उदात्त रूप का वर्णन, विषय-विप्रलम्भ, शृंगार एवं वियोग शृंगार की सभी अवस्थाओं का चित्रण वर्षा-वर्णन यमुना महात्म्य



रचनाकार	रचना/रचनाकाल	वर्ण्य विषय
	वृन्दावनसत प्रेम-पत्रिका सरसवसन्त पदावली कृष्णकौमुदी	वृन्दावन महात्म्य श्रीकृष्ण के नाम पद्यबद्ध पत्र एक लम्बी कविता है। श्रीकृष्ण-विनय-भक्ति के पद, गो-चारण, वंशीवादन, होली, रास सम्बन्धी पद श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन
आलम	माधवानलकामकन्दकला आलमकेलि श्यामसनेही सुदामाचरित	प्रेमाख्यानक प्रबन्ध काव्य लौकिक प्रेम की भावनात्मक और परम्परामुक्त अभिव्यक्ति। इसका मूल वर्ण्य शृंगार और भक्ति है। प्रबन्ध काव्य, रुक्मिणी के विवाह का वर्णन कृष्णभक्तिपरक काव्य
बोधा	विरहवारीश विरही सुभान दम्पति विलास (इश्कनामा)	माधवानल कामकन्दला की प्रेमकथा बोधा और सुभान के संवाद के रूप में है। प्रेम विषयक मुक्तक-संग्रह
ठाकुर	ठाकुर ठसक ठाकुर शतक	प्रेम के पंथ को वर्ण्य विषय बनाकर उसका स्वच्छन्द वर्णन प्रेम का स्वच्छन्द वर्णन
गिरिधर कविराय	कुण्डलियाँ (1743 ई.)	नीति विषयक कुण्डलियाँ
वृन्द	वृन्दसतसई (1704 ई.) भावपंचशिका (1680 ई.) बारहमासा (1668 ई.) शृंगार शिक्षा (1691 ई.) नयनपचीसी (1686 ई.) पवनपचीसी (1691 ई.) यमकसतसई (1706 ई.)	नीतिपरक दोहे शृंगार के विभिन्न भावों के अनुसार सरस छन्द बारह महीनों का सुन्दर वर्णन आभूषण और शृंगार के साथ नायिका वर्णन नेत्रों द्वारा विभिन्न भावों का चित्रण षड्भक्तियों का स्वरूप और प्रभाव शृंगार और भक्तिपरक छन्दों में यमक अलंकार का विवेचन
रामसहाय दास	रामसतसई	‘बिहारी सतसई’ के अनुकरण पर सतसई ग्रन्थ
दीनदयाल गिरि	अन्योक्तिकल्पद्रुम अनुराग बाग दृष्टान्त तरंगिणी	लौकिक विषयों पर अन्योक्तियाँ कृष्ण वियोग में श्लेषमय षड्भक्तियों का वर्णन पंचतन्त्र पर आधारित नीतिपरक छन्द
बैताल	विक्रमसतसई	नीतिपरक कुण्डलिया
रहीम	बरवै नायिका-भेद नगरशोभा	बरवै छन्द में नायिका भेद विभिन्न जाति की नायिकाओं का वर्णन
विश्वनाथ सिंह रघुराज सिंह	आनन्द रघुनन्दन रामस्वयंवर	ब्रजभाषा का प्रथम नाटक रामकथा पर आधारित प्रबन्ध-काव्य

## आधुनिक काल

1850 ई. से अब तक के समय को आधुनिक काल माना जाता है। हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल भारत के इतिहास के बदलते हुए स्वरूप से प्रभावित था। इस काल को छः भागों में बाँटा जाता है—भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावादी युग, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविताएँ। इस काल के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ निम्नलिखित हैं

### आधुनिक काल

लेखक	रचनाएँ
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	प्रेममालिका, प्रेम सरोवर, गीत गोविन्दानन्द, वर्षा विनोद, प्रेम विनय पचासा, प्रेम फुलवारी, वेणुगीत आदि
श्रीधर पाठक	भारतोत्थान, भारत प्रशंसा, जॉर्जवन्दना, बालविधवा, वनाष्टक (1912), कश्मीर सुषमा (1904), देहरादून (1915), भारतगीत (1928) गोखले गुनाष्टक (1915), धन विनय (1900), गुनवंत हेमंत (1900)
अयोध्यासिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’	प्रियप्रवास (1914), पद्यप्रसून (1925), रसकलश (1931), चुभते चौपदे, चोखे चौपदे (1932), बोलचाल, वैदेही वनवास (1940)
मैथिलीशरण गुप्त	रंग में भंग (1905), जयद्रथ वध (1910), भारत-भारती (1912), पंचवटी (1925), झंकार (1929), साकेत (1931), यशोधरा (1932), द्वापर (1936), जयभारत (1952), विष्णुप्रिया (1957)
रामनरेश त्रिपाठी	मिलन (1917), पथिक (1920), मानसी (1927), स्वप्न (1929)
मुकुटधर पाण्डेय	पूजा-फूल (1916), शैलबाला (1916), लच्छमा (1917), परिश्रम (1917), हृदयदान (1918)
जगन्नाथ दास रत्नाकर	उद्धवशतक (1929), गंगावतरण (1923), शृंगार लहरी, हरिश्चन्द्र, हिंडोला (1894), रत्नाष्टक, गंगालहरी, विष्णुलहरी
बालकृष्ण शर्मा ‘नवीन’	उर्मिला (1957), कुंकुम (1939), अपलक, रश्मि रेखा, क्वासि, हम विषपायी जनम के
सुभद्रा कुमारी चौहान	‘त्रिधारा’ और ‘मुकुल’ (1930) में कविताएँ संकलित हैं, ‘वीरों का कैसा हो वसन्त’ और ‘झाँसी की रानी कविता’ अति प्रसिद्ध हैं, ‘मेरा नया बचपन’, ‘बालिका का परिचय’ और ‘इसका रोना’ कविताओं में घरेलू जीवन के मनोरम दृश्य हैं।

लेखक	रचनाएँ
जयशंकर प्रसाद	उर्वशी (1909), वनमिलन (1909), प्रेमराज्य (1909), अयोध्या का उद्धार (1910), शोकोच्छवास (1910), वभ्रुवाहन (1911), कानन कुसुम (1913), प्रेम-पथिक (1913), करुणालय (1913), महाराणा का महत्व (1914), झरना (1918), आँसू (1925), लहर (1933), कामायनी (1935)
सुमित्रानन्दन पन्त	छायावादी-गिरजे का घण्टा (1916), उच्छ्वास (1920), ग्रन्थि (1920), वीणा (1918), पल्लव (1926), गुंजन (1932) प्रगतिवादी-युगान्त (1936), युगवाणी (1939), ग्राम्या (1940) अध्यात्मवादी या दार्शनिक-स्वर्णकिरण (1947), स्वर्णधूलि (1947), युगान्तर (1948), उत्तरा (1949), रजत शिखर (1951), शिल्पी (1952), अतिमा (1955), सौवर्ण्य (1957), वाणी (1958), कला और बूढ़ा चाँद, लोकायतन (1964)
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	अनामिका (1923), परिमल (1929), तुलसीदास (1934), गीतिका (1936), कुकुरमुत्ता (1942), अणिमा (1943), बेला (1943), अपरा (1946), नए पत्ते (1946), अर्चना (1950), आराधना (1953), गीतगुंज (1954), सांध्य-काकली (मरणोपरान्त) 1954 से 1958 तक की रचनाओं का संकलन। राम की शक्ति पूजा, शिवाजी का पत्र, वन बेला, सरोज-स्मृति लम्बी कविताएँ हैं। मास्कोडायलाग्स, गर्म पकौड़ी, प्रेम संगीत व्यंग्य कविताएँ हैं। 'तुलसीदास', 'खण्ड काव्य' तथा 'पंचवटी प्रसंग' काव्य नाटक हैं।
महादेवी वर्मा	नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1935), संध्यागीत (1936), यामा (1936), दीपशिखा (1942), सप्तपर्णा (1960)
माखनलाल चतुर्वेदी	हिमकिरीटिनी (1943), हिमतरंगिनी (1949), माता (1951), युगचरण (1956), समर्पण, वेणु लो गूँजे धरा (1960), मरण-ज्वार (1963), बीजुरी काजल आँज रही आदि कविता संग्रह हैं।
रामधारी सिंह 'दिनकर'	रेणुका (1935), हुंकार (1938), सामधेनी (1947), कलिंग विजय, मेरे स्वदेश, रसवन्ती, द्वन्द्वगीत, कुरुक्षेत्र, उर्वशी, रश्मिरथी, परशुराम की प्रतीक्षा, इतिहास के आँसू, धूप और धुआँ, दिल्ली, नीम के पत्ते, नील कुसुम, नए सुभाषित, कोयला और कवित्व, हारे को हरिनाम इत्यादि।
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	भग्नदूत (1933), चिन्ता (1942) 'प्रयोगवादी-इत्यलम्' (1946) 'सावनमेघ, हरी-घास पर क्षणभर (1949), बावरा अहेरी (1954), इन्द्रधनुष रौंदे हुए ये (1957), अरी ओ करुणा प्रभामय (1959), आँगन के पार द्वार (1961), कितनी नावों में कितनी बार (1967), सागर मुद्रा, क्योंकि मैं उसे पहले जानता हूँ, पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ, महावृक्ष के नीचे, नदी की बांक पर छाया इत्यादि, असाध्यवीणा (अज्ञेय की लम्बी कविता है।)
गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	चाँद का मुँह टेढ़ा है (1964), भूरी-भूरी खाकधूल (1980) अन्धेरे में, ब्रह्मराक्षस, चम्बल की घाटी, उपकृत हूँ, नक्षत्र खण्ड, मेरे मित्र मेरे सहचर, ओ काव्यात्मन् फणिधर, एक अरुण शून्य के प्रति, विक्षुब्ध बुद्धि के मारक स्वर, एक नीली आग, जिन्दगी बुरादा तो बनेगी ही, लाल सलाम, क्रान्ति, सूखे कठोर नंगे पहाड़ इत्यादि चर्चित कविताएँ हैं।
नागार्जुन	युगधारा (1953), सतरंगे पंखों वाली (1959), प्यासी पथराई आँखें (1962), तालाब की मछलियाँ (1975), खिचड़ी, विप्लव देखा हमने (1980), तुमने कहा था (1980), पुरानी जूतियों का कोरस (1983), भस्मांकुर (1971), हजार-हजार बाँहों वाली (1981) इत्यादि।
नरेश मेहता	मुक्तक काव्य-दूसरे सप्तक में संकलित कविताएँ, बनपाँखी सुनो (1954), बोलने दो चीड़ को (1962), मेरा समर्पित एकान्त (1963), उत्सव, तुम मेरा मौन हो (1982), अरण्या (1985) खण्ड काव्य-संशय की एक रात (1962), महाप्रस्थान (1965), प्रवाद-पर्व (1977), शबरी, प्रार्थना पुरुष (1986)
भवानी प्रसाद मिश्र	गीत फरोश (1930-45), चकित है दुःख (65 कविताएँ), अँधेरी कविताएँ (1968), गाँधी पंचशती (1969), बुनी हुई रस्सी (1971), खुशबू के शिलालेख (1973), व्यक्तिगत (1974)
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	काठ की घंटियाँ (1949-57), बाँस का पुल (1958-63), एक सूनी नाव (1963-66), गर्म हवाएँ (1966-69), कुआनो नदी (1969-73), जंगल का दर्द (1974-76), खूंटियों पर टँगे लोग (1976-81), कोई मेरे साथ चले (1985)
सुदामा प्रसाद पाण्डेय 'धूमिल'	संसद से सड़क तक (1972), कल सुनना मुझे (1976), सुदामा पाण्डेय का जनतन्त्र इनके काव्य संकलन हैं। बीस साल बाद, अकाल दर्शन, मोचीराम, कवि (1970), कुत्ता, मुनासिब कार्रवाई, प्रौढ़ शिक्षा, मकान, भाषा की रात, पटकथा, शहर का व्याकरण, सच्ची बात, हमारी-सम्भावनाओं के बीच इनकी ख्याति प्राप्त कविताएँ हैं।
धर्मवीर भारती	अन्धा युग (1954), कनुप्रिया (1959), ठण्डा लोहा (1946), सात गीत वर्ष (1996)
हरिवंश राय 'बच्चन'	मधुशाला (1935), मधुबाला, मधुकलश, निशा निमन्त्रण (1938), एकान्त संगीत, आकुल अन्तर, सतरंगिनी, नीड़ का निर्माण फिर फिर, आज कितनी, प्रणय-पत्रिका (1955), वासनामय चाँदनी है, बंगाल का अकाल (1946), खादी के फूल, सूत की माला, बुद्ध और नाचघर (1958), त्रिभंगिमा (1961), चार खेमे चौंसठ खूँटे, रंग बरसे भीगे चुनरवाली।
केदारनाथ अग्रवाल	फूल नहीं रंग बोलते हैं (1965), आग का आईना (1970), देश-देश की कविताएँ (1978), गुलमेहँदी (1978), पंख और पतझर (1979), हे मेरी तुम (1981), मार प्यार की थापें (1981), कहें केदार खरी-खरी (1983), बम्बई का रक्त स्नान (1983), जमुनजल तुम (1984), अपूर्वा (1984), बोल-बोल अबोल (1985), जो शिलाएँ तोड़ते हैं (1985)
शमशेर बहादुर सिंह	'दूसरा सप्तक' में संकलित (21 कविताएँ), कुछ कविताएँ (1959), कुछ और कविताएँ (1961), चुका भी नहीं हूँ मैं (1975), बात बोलेगी (1981), इतने पास अपने (1985), काल तुझसे होड़ है मेरी (1988)
गिरिजाकुमार माथुर	मंजीर (1941), भाषा और निर्माण (1946), धूप के धान (1956), शिलापंख चमकीले (1961), जो बँध नहीं सका (1968), छाया मत छूना मत (1978), जन्म-कैद (रेडियो काव्य नाटक 1957), पृथ्वीकल्प आदि।
रघुवीर सहाय	सीढ़ियों पर धूप में (1960), आत्महत्या के विरुद्ध (1967), हँसो जल्दी हँसो (1975), बड़ी हो रही है लड़की, काला नंगा पैदल बच्चा, आज का पाठ है, लोग भूल गए हैं (1982), कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ (1989), एक समय था (1994)
विजयदेव नारायण साही	मछलीघर (1966), साखी (1983), संवाद तुमसे (1990), आवाज हमारी जाएगी। (1995)

लेखक	रचनाएँ
कुँवर नारायण	चक्रव्यूह (1956), परिवेश: हम-तुम (1961), आत्मजयी (आख्यानक खण्डकाव्य 1965), कोई दूसरा नहीं (1993)
केदारनाथ सिंह	जमीन पक रही है, यहाँ से देखो, अकाल में सारस, बाघ, रोटी या बैल
डॉ. रामदरश मिश्र	पक गई धूप, कन्धे पर सूरज, दिन तक नदी बन गया
आलोक धन्वा	जनता का आदमी, गोली दागो पोस्टर
मंगलेश डबराल	घर का रास्ता, पहाड़ पर लालटेन

### आधुनिक काल के प्रमुख निबन्ध

लेखक	रचनाएँ
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	कश्मीर कुसुम, बादशाह दर्पण, उदयपुरोदय, तदीय सर्वस्व, सूर्योदय, ईश्वर बड़ा विलक्षण है, एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न, स्वर्ग में सभा विचार
प्रतापनारायण मिश्र	निबन्ध नवनीत, प्रताप पीयूष, खुशामद, माता का स्नेह, आँसू, लक्ष्मी, कालचक्र का चक्कर, आत्मगौरव इत्यादि।
महावीरप्रसाद द्विवेदी	म्युनिसिपैलिटी के कारनामे, आत्म निवेदन, प्रभात, सुतापराधे जनकस्य दण्ड, रसज्ञरंजन, संचयन, साहित्य सीकर, विचार-विमर्श, कवि और कविता
सरदार पूर्णसिंह	आचरण की सभ्यता, मजदूरी और प्रेम, सच्ची वीरता, कन्यादान, पवित्रता इत्यादि।
बाबू श्यामसुन्दर दास	समाज और साहित्य, कला का विवेचन, कर्तव्य और सभ्यता, साहित्यालोचन
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	भय और क्रोध, ईर्ष्या, घृणा, उत्साह, श्रद्धाभक्ति, करुणा, लज्जा और रलानि, लोभ और प्रीति इत्यादि, चिन्तामणि (तीन भागों में संकलित)
गुलाब राय	ठलुआ क्लब, फिर निराश क्यों, मेरी असफलताएँ, मन की बातें, मेरा मकान, मेरे नपिताचार्य, मेरी दैनिकी का एक पृष्ठ, प्रीति-भोज इत्यादि
पदुमलाल पुन्नलाल बख्शी	अतीत स्मृति, उत्सव, श्रद्धांजलि के दो फूल आदि।
माखनलाल चतुर्वेदी	अमीर इरादे गरीब इरादे (1960), साहित्य देवता
रामवृक्ष बेनीपुरी	माटी की मूरतें (1941-45), वन्दे वाणी विनायकौ (1953-54), गेहूँ और गुलाब (1950) आदि।
इलाचन्द्र जोशी	साहित्य सर्जना (1938), विवेचना (1943), विश्लेषण (1953), साहित्य चिन्तन (1934), देखा-परखा (1957)
यशपाल	न्याय का संघर्ष (1940), बात-बात में बात (1950), देखा-सोचा-समझा (1951) आदि।
हजारीप्रसाद द्विवेदी	अशोक के फूल (1948), कल्पलता (1951), मध्यकालीन धर्मसाधना (1952), विचार और वितर्क (1957), विचार प्रवाह (1959), कुटज (1964), साहित्य सहचर (1965), आलोकपर्व (1972) इत्यादि।
जैनेन्द्र	प्रस्तुत प्रश्न (1936), जड़ की बात (1945), पूर्वोदय (1951), साहित्य का श्रेय और प्रेय (1953), मन्थन (1953), सोच-विचार (1953), काम, प्रेम और परिवार (1953), इतस्ततः (1963), समय और हम (1964), परिप्रेक्ष्य (1977), साहित्य और संस्कृति (1979)
आचार्य नन्ददुलारे बाजपेयी	हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी (1942), आधुनिक साहित्य (1950), नया साहित्य नए प्रश्न (1955), राष्ट्रभाषा की समस्याएँ (1961), नई कविता (1976), रस सिद्धान्त (1977), हिन्दी साहित्य का आधुनिक युग (1978), आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा (1978), रीति और शैली (1979)
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	नई पीढ़ी नए विचार (1950), जिन्दगी मुस्कुराई (1954), बाजे पायलिया के घुँघरू (1957), माटी हो गई सोना (1957), महकें आँगन चहकें द्वार, क्षण बोले कण मुस्काए, अनुशासन की राह में, जिन्दगी लहलहायी
महादेवी वर्मा	शृंखला की कड़ियाँ (1942), क्षणदा (1957), साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबन्ध (1964), सम्भाषण (1975), भारतीय संस्कृति के स्वर (1984), संकल्पिता (1968)
रामधारी सिंह 'दिनकर'	मिट्टी की ओर (1946), अर्द्धनारीश्वर (1952), रेती के फूल (1954), हमारी सांस्कृतिक एकता (1956), वेणुवन (1958), उजली आग (1956), राष्ट्रभाषा और राष्ट्रीय एकता (1956), धर्म नैतिकता और विज्ञान (1959), वटपीपल (1961), साहित्यमुखी (1968), आधुनिकता बोध (1973)
अज्ञेय	त्रिशंकु (1945), सबरंग कुछ राग (1956), आत्मनेपद (1960), आलबाल (1971), लिखि कागद कोरे (1972), अद्यतन (1977), जोग लिखी (1977), स्रोत और सेतु (1978), युग सन्धियों पर (1982), धार और किनारे (1982), कहाँ है द्वारका (1982), छाया का जंगल (1984), स्मृति छन्दा (1989), अरे यायावर रहेगा याद।
डॉ. रामविलास शर्मा	प्रगति और परम्परा (1949), साहित्य और संस्कृति (1949), भाषा साहित्य और संस्कृति (1954), प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ (1954), लोक जीवन और साहित्य (1955), स्वाधीनता और राष्ट्रीय साहित्य (1956), आस्था और सौन्दर्य (1961), साहित्य-स्थायी मूल्य और मूल्यांकन (1981), भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा (1985), परम्परा का मूल्यांकन (1981), भाषा युगबोध और कविता (1981), कथा विवेचन और गद्यशिल्प (1982), विरामचिह्न (1985)
डॉ. विजयेन्द्र स्नातक	चिन्तन के क्षण (1966), विचार के क्षण (1970), विमर्श के क्षण (1979)
डॉ. नगेन्द्र	विचार और अनुभूति (1949), आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ (1951), विचार-विश्लेषण (1955), विचार और विवेचन (1959), अनुसन्धान और आलोचना (1961), आलोचक की आस्था (1966), आस्था के चरण (1968)
प्रभाकर माचवे	सन्तुलन (1954), खरगोश के सींग (1951), बेरंग (1955)

लेखक	रचनाएँ
हरिशंकर परसाई	पगड़ड़ियों का जमाना (1966), जैसे उनके दिन फिरे (1963), सदाचार का ताबीज (1967), अपनी-अपनी बीमारी (1972), वैष्णव की फिसलन (1976), विकलांग श्रद्धा का दौर (1980), बेईमानी की परत (1983), आकारा भीड़ के खतरे (1998), पाखण्ड का अध्यात्म (1998), ठिटुरता हुआ गणतन्त्र (1970)
नामवर सिंह	बकलमखुद (1951), वाद-विवाद संवाद (1989), छायावाद (1955), दूसरी परम्परा की खोज (1982)
विद्यानिवास मिश्र	छितवन की छाँह (1953), हल्दी दूब (1955), कदम की फूली डाल (1956), तुम चन्दन हम पानी (1957), आँगन का पंछी और बंजारा मन (1963), मेरे राम का मुकुट भीग रहा है (1974), कौन तू फुलवा बीननिहारि (1980), नैरन्तर्य और चुनौती (1988), भाव पुरुष श्रीकृष्ण (1990), सोऽहम् (1991), पीपल के बहाने (1994), भारतीय चिन्तनधारा (1995), लोक और लोक का स्वर (2000), थोड़ी-सी जगह दें (2004)
धर्मवीर भारती	ठेले पर हिमालय (1958), पश्यन्ती (1969), कहनी-अनकहनी (1970), कुछ चेहरे कुछ चिन्तन (1995), शब्दिता (1997)
विवेकी राय	किसानों का देश (1956), गाँवों की दुनिया (1957), त्रिधारा (1958), फिर बैतलवा डाल पर (1962), जुलूस रुका है (1977), गँवई गन्ध गुलाब (1980), नया गाँव नाम (1984), आम रास्ता नहीं है (1988), आस्था और चिन्तन (1991), जगत तपोवन सो कियो (1995), वनतुलसी की गन्ध (2002), जीवन अज्ञात गणित है (2004)
शिवप्रसाद सिंह	शिखरों के सेतु (1962), कस्तूरी मृग (1972), चतुर्दिक (1972), मानसी गंगा (1986), किस-किस को नमन करूँ (1987), क्या कहूँ कुछ कहा न जाए (1995), खालिस मौज में (1998)
कुबेरनाथ राय	प्रिया-नीलकण्ठी (1968), आखेटक (1970), गन्धमादन (1972), विषाद योग (1973), निषाद बाँसुरी (1974), पर्ण मुकुट (1978), महाकवित की तर्जनी (1979), कामधेनु (1980), मन पवन की नौका (1982), किरात नदी में चन्द्रमधु (1983), दृष्टि अनिसार (1984), मराल (1993), उत्तर कुरु (1994), वाणी का क्षीर सागर (1998), अन्धकार में अग्नि शिखा (1998), आगम की नाव (2002)
डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र	बेहया का जंगल (1981), मकान उठ रहे हैं (1990), सम्बुद्धि (1997), आँगन की तलाश (1999)
रमेश चन्द्र शाह	रचना के बदले (1967), शैतान के बहाने (1980), आड़ू का पेड़ (1984), सबद निरन्तर (1987), भूलने के विरुद्ध (1990), पढ़ते-पढ़ते (1990), स्वाधीन देश में (1995), स्वधर्म और कालगति (1996)
रवीन्द्रनाथ त्यागी	खुली धूप में नाव पर (1963), भित्तिचित्र (1966), मल्लिनाथ की परम्परा (1969), कृष्णवाहन की कथा (1971), देवदारु के पेड़ (1973), इतिहास का शव (1993), पूरब खिले पलाश (1998), कबूतर, कौए और तोते (2001)
शरद जोशी	जीप पर सवार इल्लियाँ (1971), हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे (1971), रहा किनारे बैठ (1972), तिलस्म (1973), दूसरी सतह (1975), यत्र तत्र सर्वत्र (2000)
नरेन्द्र कोहली	एक और लाल तिकोन (1970), जगाने का अपराध (1973), आधुनिक लड़की की पीड़ा (1978), परेशानियाँ (1987), गणतन्त्र का गणित (1997)
गोपाल चतुर्वेदी	अफसर की मौत (1985), दुम की वापसी (1987), फाइल पढ़ि-पढ़ि (1991), दाँत में फँसी कुर्सी (1996), राम झरोखा बैठि कै (2001), भारत और भैंस (2003), फार्म हाउस के लोग (2004), जुगाड़पुर के जुगाड़ू (2005)
ज्ञान चतुर्वेदी	दंगे में मुर्गा (1998), प्रेत कथा, बिसात बिछी है, खामोश/नंगे हमाम में हैं (2003), जो घर फूँके (2006)

### आधुनिक काल के प्रमुख नाटक

लेखक	रचनाएँ
महाराज विश्वनाथ सिंह	आनन्द रघुनन्दन (1833-45 के मध्य)
अमानत	इन्दरसभा (1853)
गिरिधर दास	नहुष (1857)
राजा लक्ष्मण सिंह	शकुन्तला (1862)
श्रीनिवास दास	तप्तासंवरण, (1883) रणधीर प्रेममोहिनी (1878), संयोगिता स्वयंवर (1885)
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	अनूदित नाटक-विद्यासुन्दर (1868), रत्नावली, पाखण्ड विडम्बन (1872), धनंजय-विजय (1837), कर्पूरमंजरी (1875), भारत-जननी (1877), मुद्राराक्षस (1878), दुर्लभबन्धु (1880) मौलिक नाटक-वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (1883), सत्य हरिश्चन्द्र, श्रीचन्द्रावली (1876), विषय-विषमौषधम् (1876), भारत-दुर्दशा (1880), नीलदेवी (1881), अन्धेर नगरी (1881), सती प्रताप (1883), प्रेम-जोगिनी (1875)
प्राणचन्द चौहान	रामायण महानाटक
शीतला प्रसाद त्रिपाठी	जानकीमंगल (प्रथम अभिनीत नाटक)
राधाकृष्ण दास	दुःखिनीबाला (1880), महारानी पद्मावती (1882), धर्मात्मा (1885), महाराणा प्रताप (1897)
किशोरीलाल गोस्वामी	मयंक मंजरी (१८९९), प्रणयिनी-प्रणय
शिवनन्दन सहाय	कृष्ण-सुदामा नाटक
प्रतापनारायण मिश्र	संगीत शाकुन्तल

लेखक	रचनाएँ
बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	भारत सौभाग्य (1889)
बालकृष्ण भट्ट	दमयन्ती स्वयंवर (1892), नल-दमयन्ती (1897), जैसा काम वैसा परिणाम (1877), आचार विडम्बन
अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	प्रद्युम्न विजय (1893), रुक्मिणी परिणय (1894)
राधाचरण गोस्वामी	अमरसिंह राठौर (1895)
देवकीनन्दन खत्री	सीताहरण, रामलीला (1879)
नारायणप्रसाद 'बेताब'	कृष्ण-सुदामा, गोरखधन्धा, मीठा जहर, रामायण नाटक, सम्पूर्ण नाटक, महाभारत
आगा हश्र कश्मीरी	अछूता दामन, असीरे हिर्स, खूबसूरत बला, चण्डीदास नाटक, जहरी साँप, भीष्म प्रतिज्ञा, बिल्ब-मंगल, यहूदी की लड़की
आनन्द प्रकाश कपूर	कलियुग नाटक (1912), संसार स्वप्न (1913), सुनहरा विष (1919)
माखनलाल चतुर्वेदी	कृष्णार्जुन युद्ध (1918)
जयशंकर 'प्रसाद'	सज्जन (1910), कल्याणी परिणय, प्रायश्चित्त (1913), करुणालय (1913), राज्यश्री (1914), विशाख (1921), अजातशत्रु (1922), कामना (1927), जनमेजय का नागयज्ञ (1926), स्कन्दगुप्त (1928), एक घूँट (1930), चन्द्रगुप्त (1931), ध्रुवस्वामिनी (1933)
हरिकृष्ण 'प्रेमी'	स्वर्ण विहान (1930), रक्षाबन्धन (1934), पाताल विजय (1936), प्रतिशोध (1937), शिवसाधना (1937), आहुति, स्वप्नभंग, विषपान
लक्ष्मीनारायण मिश्र	अशोक (1927), संन्यासी (1929), मुक्ति का रहस्य (1932), राक्षस का मन्दिर (1932), राजयोग (1934), सिन्दूर की होली (1934), आधी रात (1934), अपराजित, चक्रव्यूह (1954), वितस्ता की लहरें (1953), गंगा द्वार (1974)
परिपूर्णानन्द वर्मा	वीर अभिमन्यु नाटक
वियोगी हरि	छद्मयोगिनी, प्रबुद्ध यामुन अथवा यमुनाचार्य चरित (1929)
सेठ गोविन्द दास	कर्तव्य (1936), कर्ण (1942), शशिगुप्त (1942), हिंसा और अहिंसा, स्नेह या स्वर्ग (1946)
किशोरीदास बाजपेयी	सुदामा (1934)
रामनरेश त्रिपाठी	सुभद्रा (1924), जयन्त (1934)
प्रेमचन्द	संग्राम (1922), कर्बला (1928)
उपेन्द्रनाथ 'अश्व'	अंजो दीदी (1954), अन्धीगली, पैतरे, सूखी डाली, तौलिए, कस्बे के क्रिकेट-क्लब का उद्घाटन, कैद, उड़ान, लौटता हुआ दिन, जय-पराजय, छठा बेटा, स्वप्न
विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	अत्याचार का परिणाम (1921), हिन्दू विधवा नाटक (1935)
गोविन्दबल्लभ पन्त	कंजूस की खोपड़ी (1923), नरमाला (1925), अंगूर की बेटा (1937), सुहाग बिन्दी (1940), ययाति (1951)
वेचन शर्मा 'उग्र'	चुम्बन (1937), डिकटेटर (1937)
मैथिलीशरण गुप्त	अनघ (1928), गीतिनाट्य
हरिकृष्ण प्रेमी	स्वर्ण विहान (1930), रक्षाबंधन (1934), पातालविजय (1936), शिवसाधना (1937), प्रतिशोध (1937)
भगवतीचरण वर्मा	तारा
उदयशंकर भट्ट	मत्स्यगन्धा (1937), विश्वामित्र (1938)
जी.पी. श्रीवास्तव	उलटफेर (1918), दुमदार आदमी (1919), मरदानी औरत (1920), विवाह विज्ञापन (1927), मिस अमेरिकन (1929), गड़बड़झाला (1919), नाक में दम उर्फ जवानी बनाम बुढ़ापा उर्फ मियाँ की जूती मियाँ के सिर (1926), भूलचूक (1928), चोर के घर छिछोर (1933), चाल बेदब (1934), साहित्य का सपूत (1934), स्वामी चौखटानन्द (1936)
विष्णु प्रभाकर	डॉक्टर (1958), समाधि, कुहासा और किरण (1915), अब और नहीं (1981), युगे-युगे क्रान्ति (1969), टूटते परिवेश (1974), श्वेत कमल (1984)
जगदीश चन्द्र माथुर	कोणार्क (1951), शारदीया (1959), पहला राजा (1969), दशरथ नन्दन (1974), रघुकुलरीति (1985)
धर्मवीर भारती	अन्धा युग (1955)
डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल	अन्धा कुआँ (1955), मादा कैक्टस (1959), तीन आँखों वाली मछली (1960), सुन्दर रस, सूखा-सरोवर (1960), रक्तकमल (1962), रातरानी (1962), दर्पण (1963), सूर्यमुख (1968), कलंकी (1969), मिस्टर अभिमन्यु (1971), कर्पूर (1972), अब्दुल्ला दीवाना (1973), राम की लड़ाई (1979), सगुन पक्षी (1977), पंच पुरुष (1978), गंगा माटी
मोहन राकेश	आषाढ़ का एक दिन (1958), लहरों के राजहंस (1963), आधे-अधूरे (1969)
अमृतराय	चिंदियों की एक झालर (1969), शताब्दी, हम लोग
सुमित्रानन्दन पन्त	रजतशिखर, शिल्पी, सौवर्ण
दुष्यन्त कुमार	एक कण्ट विषपायी (1963)

लेखक	रचनाएँ
चन्द्रगुप्त विद्यालंकार	अशोक (1935), रेवा (1935)
विनोद रस्तोगी	आजादी के बाद, नया हाथ, जनतन्त्र जिन्दाबाद
नरेश मेहता	सुबह के घण्टे, खण्डित यात्राएँ
मन्नू भण्डारी	बिना दीवार का घर (1965)
शिव प्रसाद सिंह	घाटियाँ गूँजती हैं
ज्ञानदेव अग्निहोत्री	नेफा की एक शाम, शुतुरमुर्ग
विपिन कुमार	तीन अपाहिज (1963)
गिरिराज किशोर	नरमेघ
सुरेन्द्र वर्मा	द्रौपदी (1970), सेतुबन्ध (1972), आठवाँ सर्ग (1976), छोटे सैयद बड़े सैयद (1982)
सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	बकरी (1974), लड़ाई, कल भात आएगा, अब गरीबी हटाओ
भीष्म साहनी	हानुश, कबिरा खड़ा बाजार में
मणिमधुकर	रसगन्धर्व (1975), बुलबुल सराय (1978), खेला पोलमपुर (1979), दुलारी बाई (1978), इकतारे की आँख (1980)
मुद्राराक्षस	मरजीवा, तेन्दुआ, तिलचट्टा, गुफाएँ, योर्स फेथफुली, आला अफसर (1979), संतोला (1980)
सुशील कुमार सिंह	सिंहासन खाली है, चार यारों की यार, नागपाश
शंकर शेष	एक और द्रोणाचार्य (1977), खजुराहो का शिल्पी, फन्दी, बन्धन अपने-अपने, घरोंदा (1978), अरे मायावी सरोवर (1980)
मृदुला गर्ग	एक और अजनबी (1978), जादू का कालीन (1939)
बृजमोहन शाह	त्रिशंकु
बलराज पण्डित	पाँचवाँ सवार
कमलेश्वर	अधूरी आवाज
शरद जोशी	एक था गधा उर्फ अलादाद खाँ (1980), अन्धों का हाथी (1980)
हमीदुल्ला	दरिन्दे, उत्तर उर्वशी
हबीब तनवीर	आगरा बाजार, राजा चम्बा और चार भाई, गाँव के नांव ससुरार मोर नांव दामाद, ख्याल ठाकुर पृथ्वीपाल सिंह, चरनदास चोर

### आधुनिक काल के प्रमुख एकांकी नाटक

लेखक	रचनाएँ
भुवनेश्वर	कारवाँ (1935), श्यामा, एक साम्यहीन साम्यवादी, शैतान, प्रतिमा का विवाह, स्ट्राइक, लॉटरी, ऊसर, पतित, तौबे के कीड़े, सिकन्दर, आजादी की नौद, रोशनी, आग तथा खामोशी
रामकुमार वर्मा	बादल की मृत्यु (1930), पृथ्वीराज की आँखें, औरंगजेब की आखिरी रात, रेशमी टाई, चारुमित्रा, रूपरंग, सप्तकिरण, कोमुदी महोत्सव, ऋतुराज, रजतरश्मि, दस मिनट, मयूरपंख, दीपदान, कामकंदला, बापू, इन्द्रधनुष
उपेन्द्रनाथ 'अश्क'	देवताओं की छाया में, चरवाहे, तूफान से पहले, कैद और उड़ान, अधिकार का रक्षक, स्वर्ग की झलक, साहब को जुकाम है, जॉक, पर्दा उठाओ : पर्दा गिराओ, सूखी डाली, भँवर, लक्ष्मी का स्वागत, पापी, बतसिया, जीवन साथी
उदयशंकर भट्ट	एक ही कब्र में (1936), आदिम युग, समस्या का अन्त, आज का आदमी, स्त्री का हृदय, पर्दे के पीछे, दस हजार
सेठ गोविन्ददास	स्पर्धा (1935), बुद्ध की शिष्या, नानक की नमाज, मैत्री, मानवमन, ईद और होली, हंगर स्ट्राइक, सच्चा कांग्रेसी कौन?
जगदीश चन्द्र माथुर	मेरी बाँसुरी (1936), भोर का तारा, कलिंग विजय, रीढ़ की हड्डी, मकड़ी का जाला, खण्डहर, कबूतरखाना
डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल	मड़वे का भोर, अन्धा कुआँ, ताजमहल के आँसू, पर्वत के पीछे, नाटक बहुरंगी और दूसरा दरवाजा
विष्णु प्रभाकर	लिपस्टिक की मुस्कान, दृष्टि की खोज, बीमार, साँप और सीढ़ी, सीमा-रेखा।
वृन्दावन लाल वर्मा	लो भाई पंचो लो, कश्मीर का काँटा
भगवतीचरण वर्मा	चौपाल, सबसे बड़ा आदमी
नरेश मेहता	सुबह के घण्टे
जैनेन्द्र कुमार	टकराहट
हरिकृष्ण 'प्रेमी'	मातृ मन्दिर, राष्ट्र मन्दिर, मान मन्दिर, न्याय मन्दिर, वाणी मन्दिर
धर्मवीर भारती	नदी प्यासी थी
मोहन राकेश	अण्डे के छिलके

## आधुनिक काल के प्रमुख उपन्यास

लेखक	रचनाएँ
श्रद्धाराम फुल्लौरी	भाग्यवती (1877 ई.)
श्रीनिवास दास	परीक्षागुरु (1882 ई.)
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	पूर्णप्रकाश, चन्द्रप्रभा
बालकृष्ण भट्ट	रहस्य कथा, नूतन ब्रह्मचारी (1886), सौ अजान एक सुजान (1892)
राधाकृष्ण दास	निःसहाय हिन्दू (1890)
देवदत्त	सच्चा मित्र
लोचन प्रसाद पाण्डेय	दो मित्र
लज्जाराम शर्मा	आदर्श दम्पति, धूर्त रसिक लाल (1890)
गोपाल राम गहमरी	अदभुत लाश (1896), गुप्तचर (1899), बेकसूर की फाँसी (1900), खूनी कौन (1900), मायाविनी (1901), जासूस की भूल (1901), चक्करदार चोरी (1901), किले में खून (1910), भोजपुर की ठगी (1911), गुप्तभेद (1913)
अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	अधखिला फूल, ठेठ हिन्दी का ठाठ
किशोरीलाल गोस्वामी	सौभाग्यश्री (1890), लवंगलता (1890), गुलबहार का आदर्श भ्रातृप्रेम, सुल्तान रजिया बेगमवा रंगमहल में हलाल, नवलखाहार, कनक-कुसुमवा मस्तानी, तारा व क्षत्रकुल कमलिनी, हीराबाई वा बेहया का बुर्का, लखनऊ के कब्र वा शाही महलसरा, सोना और सुगन्ध वा पन्नाबाई, तिलस्मी शीशमहल, राजकुमारी
देवकीनन्दन खत्री	चन्द्रकान्ता (1882), चन्द्रकान्ता सन्तति 24 भाग (1896), नरेन्द्रमोहिनी (1893), वीरेन्द्र वीर (1895), कुसुम कुमारी (1899), भूतनाथ (1906)
ठाकुर जगमोहन सिंह	श्यामास्वप्न (1888)
हरिकृष्ण जौहर	कुसुमलता, कमलकुमारी, भयानक खून, मयंक मोहिनी, निराला नकाबपोश
ब्रजनन्दन सहाय	सौन्दर्योपासक, राजेन्द्रमालती, अरण्यबाला
रामलाल वर्मा	पुतलीमहल (1908)
मुंशी प्रेमचन्द	सेवासदन (1918), प्रेमाश्रम (1922), रंगभूमि (1925), कायाकल्प (1926), निर्मला (1927), गबन (1931), कर्मभूमि (1933), गोदान (1935), वरदान (1921), प्रतिज्ञा (1929), कायाकल्प (1926), मंगलसूत्र (अपूर्ण)
जयशंकर 'प्रसाद'	कंकाल (1929), तितली (1934), इरावती (अपूर्ण)
विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'	माँ (1929), भिखारिनी (1929)
चतुरसेन शास्त्री	हृदय की परख (1918), व्यभिचार (1924), हृदय की प्यास (1932), अमर अभिलाषा (1933), आत्मदाह (1936), पूर्णाहुति, रक्त की प्यास, अपराजिता, वयंरक्षामः, वैशाली की नगरवधू, सोमनाथ, आलमगीर आदि।
शिवपूजन सहाय	देहाती दुनिया (1926)
बेचन शर्मा 'उग्र'	चन्द हसीनों के खतूत (1927), दिल्ली का दलाल (1927), बुधुवा की बेटि (1928), शराबी (1930), सरकार तुम्हारी आँखों में (1937), जीजाजी (1943), घण्टा (1945)
ऋषभचरण जैन	मास्टर साहब, गदर, चाँदनी रात, वेश्यापुत्र, मन्दिरदीप, चम्पाकली
भगवती प्रसाद बाजपेयी	मीठी चुटकी, अनाथ पत्नी, प्रेमपथ, लालिमा, पतिता की साधना, पिपासा, दो बहनें, त्यागमयी, निमन्त्रण, गुप्तधन, चलते-चलते, पतवार, यथार्थ के आगे, सूनी राह, उनसे कहना, दरार और धुआँ, टूटा टी सेट इत्यादि।
जैनेन्द्र कुमार	परख (1929), सुनीता (1935), त्यागपत्र (1937), कल्याणी, सुखदा, विवर्त, जयवर्धन, मुक्तिबोध
भगवतीचरण वर्मा	पतन (1927), चित्रलेखा (1934), तीन वर्ष (1936), टेढ़े-मेढ़े रास्ते, आखिरी दाँव, भूले-बिसरे चित्र (1959), सामर्थ्य और सीमा, रेखा, सबहि नचावत राम गुसाई
उपेन्द्रनाथ 'अशक'	गिरती दीवारें (1947), गर्म राख (1952), बड़ी-बड़ी आँखें (1954), पत्थर अल पत्थर (1957)
सुमित्रानन्दन पन्त	हार (1960)
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	अप्सरा (1931), अलका (1933), प्रभावती (1936), निरुपमा (1936)
सियारामशरण गुप्त	गोद (1932), अन्तिम आकांक्षा (1934), नारी (1937)
अज्ञेय	शेखर : एक जीवनी (1941), नदी के द्वीप (1951), अपने-अपने अजनबी (1961)
इलाचन्द्र जोशी	घृणामयी (1929), संन्यासी (1941), पर्दे की रानी (1941), प्रेत और छाया, निर्वासित (1946), मुक्तिपथ (1950), जिप्सी, जहाज का पंछी (1955), ऋतुचक्र, भूत का भविष्य (1973)
यशपाल	दादा कामरेड (1941), देशद्रोही (1943), पार्टी कामरेड (1946), मनुष्य के रूप (1949), झूठ-सच (दो भागों में 1958)
रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'	चढ़ती धूप (1945), नई इमारत (1946), उल्का (1947), मरुप्रदीप (1951)



लेखक	रचनाएँ
अमृतलाल नागर	नवाबी मसनद, सेठ बाँकेमल, महाकाल (1946), बूँद और समुद्र (1956), शतरंज के मोहरे (1959), सुहाग के नूपुर (1960), अमृत और विष (1966), एकदा नैमिषारण्य (1972), मानस का हंस (1972)
वृन्दावन लाल वर्मा	विराटा की पद्मिनी (1936), झाँसी की रानी (1946), कचनार (1948), मृगनयनी (1950), अहिल्याबाई (1955), माधोजी सिंधिया (1957), भुवनविक्रम (1957)
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	बाणभट्ट की आत्मकथा (1946), चारुचन्द्र लेख (1963), पुनर्नवा (1973), अनामदास का पोथा (1976)
राहुल सांकृत्यायन	सिंह सेनापति, जय यौधेय, वोल्गा से गंगा तक
रांगेय राघव	मुर्दों का टीला (1948), कब तक पुकारूँ (1957), मेरी भवबाधा हरो, विषादमठ, लखिमा की आँखें, देवकी का बेटा, यशोधरा जीत गई, अन्धेरे के जुगनू
मुक्तिबोध	विपात्र
नागार्जुन	बलचनमा (1952), रतिनाथ की चाची, नई पौध, बाबा बटेसर नाथ, दुःखमोचन, वरुण के बेटे, कुम्भीपाक, उग्रतारा
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	मैला आँचल (1954), परती परिकथा, दीर्घतपा, जुलूस, कितने चौराहे, कलंक-मुक्ति, पतिव्रता, पल्टू बाबू रोड
उदयशंकर भट्ट	सागर लहरें और मत्स्य (1956)
शानी	काला जल, साँप और सीढ़ी, नदियाँ और सीपियाँ
भैरव प्रसाद गुप्त	सती मैया का चौरा, मशाल, गंगा मैया
राही मासूम रजा	आधा गाँव, टोपी शुक्ला, नीम का पेड़, सीन-75, असन्तोष के दिन, ओस की बूँद, कटरा बी आरजू
शिवप्रसाद सिंह 'रुद्र'	अलग-अलग वैतरणी, बहती गंगा, गली आगे मुड़ती है
रामदरश मिश्र	पानी की प्राचीर, जल टूटता हुआ, सूखता हुआ तालाब
राजेन्द्र अवस्थी	जंगल के फूल, जाने कितनी आँखें, बीमार शहर
धर्मवीर भारती	गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा
देवराज	पथ की खोज, बाहर-भीतर, रोड़े और पत्थर, अजय की डायरी, मैं, वे और आप
मन्मथनाथ गुप्त	बहता पानी (1955)
काशीनाथ सिंह	अपना मोर्चा, काशी का अस्सी
अमृतराय	बीज, नागफनी का देश, हाथी के दाँत
लक्ष्मीनारायण लाल	मनवृन्दावन, धरती की आँखें, काले फूलों का पौधा, हरा समन्दर गोपी चन्दर, रूपाजीवा, प्रेम, बड़ी चम्पा छोटी चम्पा
राजेन्द्र यादव	उखड़े हुए लोग, प्रेत बोलते हैं, शह और मात, अनदेखे अनजाने पुल
मन्नु भण्डारी	आपका बंटी, महाभोज, एक ईच मुस्कान (सहयोगी लेखक राजेन्द्र यादव)
गिरिधर गोपाल	चाँदनी रात के खण्डहर
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	सोया हुआ जल, पागल कुत्तों का मसीहा, अँधेरे पर अँधेरा, उड़ते हुए रंग
नरेश मेहता	झूबते मस्तूल, प्रथम फाल्गुन, धूमकेतु, नदी यशस्वी है, यह पथ बन्धु था, उत्तरकथा
मोहन राकेश	अन्धेरे बन्द कमरे (1961), न आने वाला कल, नीली बाँहों की रोशनी में, काँपता हुआ दरिया, कई एक अकेले, अन्तराल
निर्मल वर्मा	लाल टीन की छत, रात का रिपोर्टर, वे दिन, एक चिथड़ा सुख
श्रीलाल शुक्ल	रागदरबारी, विश्रामपुर का सन्त, सीमाएँ टूटती हैं, आदमी का जहर, अज्ञातवास
भीष्म साहनी	तमस, झरोखे, कड़ियाँ, बसन्ती
गिरिराज किशोर	जुगलबन्दी, ढाई घर, यथा प्रस्तावित, चिड़ियाघर, साहब, मात्राएँ, पहला गिरमिटिया
कृष्णा सोबती	सूरजमुखी अँधेरे के, डार से बिछुड़ी, मित्रोमरजानी, यारों के यार, दिलोदानिश, हम हशमत, जिन्दगीनामा
उषा प्रियंवदा	पचपन खम्भे लाल दीवार
रमेश बख्शी	अठारह सूरज के पौधे
विष्णु प्रभाकर	निशिकान्त, तट के बन्धन, अर्द्धनारीश्वर, स्वप्नमयी
राजकमल चौधरी	मछली मरी हुई
श्रीकान्त वर्मा	दूसरी बार
महेन्द्र भल्ला	एक पति के नोट्स
जगदम्बा प्रसाद दीक्षित	मुरदाघर
देवराज	दोहरी आग की लपट
मुद्राराक्षस	अचला एक मनःस्थिति
कान्ता भारती	रेत की मछली



लेखक	रचनाएँ
मृदुला गर्ग	चितकोबरा, उसके हिस्से की धूप, वंशज, कठगुलाब, मैं और मैं
मधुकर सिंह	सबसे बड़ा छल
गोविन्द मिश्र	लाल-पीली जमीन
जगदीशचन्द्र	मुट्ठीभर कांकर
शरतचन्द्र	श्रीकान्त, देवदास, चरित्रहीन, गृहदाह, परिणीता
कमलेश्वर	डाक बँगला, काली आँधी, समुद्र में सोता हुआ आदमी, सुबह दोपहर शाम, एक सड़क सत्तावन गलियाँ
शैलेश मटियानी	आकाश कितना अनन्त है, मुठभेड़, सर्पगन्धा, डेरे वाले, बावन नदियों का संगम, चन्द औरतों का शहर, किस्सा नर्मदा बेन गंगूबाई, बोरीबली से बोरीबन्दर तक, उगते सूरज की कृपा
विमल मित्र	मुजरिम हाजिर है, कैसे-कैसे सच, मन क्यों उदास है, हम चाकर रघुनाथ के
ममता कालिया	बेघर (1971), नरक दर नरक (1975), प्रेम कहानी (1980), दुःखम-सुखम (2009)
प्रभा खेतान	आओ पैं पैं घर चलें (1990), तालाबन्दी (1991), छिन्नमस्ता (1993), अपने-अपने चेहरे (1993), पीली आँधी (1996)
नासिरा शर्मा	सात नदियाँ एक समुन्दर (1984), शाल्मली (1987), ठीकरे की मँगनी (1989), जिन्दा-मुहावरे (1993), अक्षयवट (2003), कुड़ियाँजान (2003)
मृणाल पाण्डेय	पटरंग पुराण (1983), रास्तों पर भटकते हुए (2000)
लता शर्मा	सही नाम के जूते (2009)
विभूतिनारायण राय	घर (1982), किस्सा लोकतन्त्र (1983), शहर के कफरू (1986), तबादला (2001), प्रेम की भूतकथा (2009)
अलका सरावगी	कलिकथा वाया बाईपास (1998), शेष कादम्बरी (2001)

### आधुनिक काल के प्रमुख कहानी

लेखक	रचनाएँ
इंशाअल्ला खॉं	रानी केतकी की कहानी (1872)
किशोरीलाल गोस्वामी	इन्दुमती (1900), गुलबहार, चन्द्रिका
माधवराव सप्रे	एक टोकरी भर मिट्टी (1901)
भगवान दास	प्लेग की चुड़ैल (1902)
रामचन्द्र शुक्ल	ग्यारह वर्ष का समय (1903)
गिरिजादत्त बाजपेयी	पंडित और पंडितानी (1903)
राजेन्द्रबाला घोष (बंग महिला)	दुलाईवाली (1907)
चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'	उसने कहा था (1915)
विश्वम्भर शर्मा 'कौशिक'	रक्षाबन्धन (1912), ताई, चित्रशाला, गल्पमन्दिर, मंगली, प्रेम प्रतिमा, मणिमाला कल्लोल
जयशंकर प्रसाद	ग्राम (1911), प्रतिध्वनि (1926), आकाशदीप (1929), आँधी (1931), इन्द्रजाल (1936), खण्डहर की लिपि, पत्थर की पुकार, उस पार का योगी, प्रतिमा, कला, देवदासी, मधुवा, सालवती, देवरथ, पुरस्कार, गुण्डा, विराम-चिन्ह, पाप की पराजय, स्वर्ग के खण्डहर, छोटा जादूगर, दासी, वृत्तभंग इत्यादि।
प्रेमचन्द	सौत (1815), पंचपरमेश्वर (1916), बलिदान (1918), आत्माराम (1920), बूढ़ी काकी (1921), विचित्र होली (1921), गृहदाह (1922), हार की जीत (1922), परीक्षा (1923), आपबीती (1923), उद्धार (1924), सवा सेर गेहूँ (1924), शतरंज के खिलाड़ी (1925), माता का हृदय (1925), कजाकी (1926), सुजान भगत (1927), इस्तीफा (1928), अलग्योझा (1929), पूस की रात (1930), तावान (1931), होली का उपहार (1931), ठाकुर का कुआँ (1932), बेटों वाली विधवा (1932), ईदगाह (1933), नशा (1934), बड़े भाई साहब (1934), कफन (1936), दिल की रानी, सारंगा सदावृक्ष, मैकू, नमक का दरोगा, मोटेराम शास्त्री
सुदर्शन	हार की जीत, तीर्थयात्रा, सुदर्शन सुधा, पुष्पलता, गल्पमंजरी, सुप्रभात, परिवर्तन, पनघट, कवि की स्त्री
चतुरसेन शास्त्री	दुखवा मैं कासों कहीं मोरी सजनी, प्रबुद्ध, आम्नपाली, भिक्षुराज, बावर्चिन, वाण-वधू, हल्दीघाटी में, ककड़ी की कीमत
पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'	चिनगारियाँ (1923), शैतान मण्डली (1924), इन्द्रधनुष (1927), बलात्कार (1927), चाकलेट (1928), दोजख की आग (1929), निर्लज्जा
जैनेन्द्र	खेल (1928), फाँसी (1929), वातायन (1930), नीलमदेश की राजकन्या (1933), एक रात (1934), दो चिड़ियाँ (1935), पाजेब (1942), जयसन्धि (1949)
यशपाल	पिंजरे की उड़ान (1939), ज्ञानदान (1939), अभिशप्त (1943), तर्क का तूफान (1944), भस्मावृत्त चिंगारी (1946), वो दुनिया (1948), फूलों का कुर्ता (1949), धर्मयुद्ध (1950), उत्तराधिकारी (1951), चित्र का शीर्षक (1951), उत्तमी की माँ (1955), सच बोलने की भूल (1962), खच्चर और आदमी (1965), भूख के तीन दिन (1968)
इलाचन्द्र जोशी	धूपरेखा (1938), दीवाली और होली (1942), रोमांटिक छाया (1943), आहुति (1945), खण्डहर की आत्माएँ (1948), डायरी के नीरस पत्र (1951), कैटीले फूलों के लजीले काँटे (1957)

लेखक	रचनाएँ
अज्ञेय	विपथगा (1937), परम्परा (1940), कोठरी की बात (1945), शरणार्थी (1948), जयदोल (1951), अमरबल्लरी (1954), ये तेरे प्रतिरूप (1961)
उपेन्द्रनाथ 'अश्व'	अंकुर, नासूर, डावी, पिंजरा, गोखरू (1933-36), छींटे (1949), सत्तर श्रेष्ठ कहानियाँ (1958), पलंग (1961), आकाशचारी (1966)
विष्णु प्रभाकर	धरती अब भी घूम रही है, साँचे और कला (1962), पुल टूटने से पहले (1977), मेरा वतन (1980), खिलौने (1981), एक और कुन्ती (1985), जिन्दगी एक रिहर्सल (1986)
भीष्म साहनी	भाग्यरेखा (1953), पहला पाठ (1957), भटकती राख (1966), पटरियाँ (1973), वाङ्मय (1978), शोभायात्रा (1981), निशाचर (1983), पाली (1989), डायन (1998), चीफ की दावत, अमृतसर आ गया है, ओ हरामजादे, वाङ्मय और त्रास
मुक्तिबोध	काठ का सपना (1967), सतह से उठता आदमी (1971)। 'नई जिन्दगी', 'जलना', 'पक्षी और दीमक', 'विपात्र'
भैरव प्रसाद गुप्त	मुहब्बत की राहें (1945), फरिश्ता (1946), बिगड़े हुए दिमाग (1948), इन्सान (1950), सितार के तार (1951), बलिदान की कहानियाँ (1951), मंजिल (1951), महफिल (1958), सपने का अन्त (1961), आँखों का सवाल (1965), मंगली की टिकुली (1982), आप क्या कर रहे हैं (1983)
अमरकान्त	जिन्दगी और जोंक, देश के लोग, मौत का नगर, मित्र मिलन, कुहासा, एक धनी व्यक्ति का बयान (1997), सुख और दुःख का साथ (2002)। 'दोपहर का भोजन', 'डिप्टीकलवटरी'
राजेन्द्र यादव	देवताओं की मूर्तियाँ (1952), खेल खिलौने (1954), जहाँ लक्ष्मी कैद है (1957), अभिमन्यु की आत्महत्या (1959), छोटे-छोटे ताजमहल (1962), किनारे-से-किनारे तक (1963), टूटना (1966), अपने पार (1968), ढोल और अन्य कहानियाँ (1972), हासिल तथा अन्य कहानियाँ (2006)
मोहन राकेश	इन्सान के खण्डहर (1950), नए बादल (1957), जानवर और जानवर (1958), एक और जिन्दगी (1961), फौलाद का आकाश (1966)
कमलेश्वर	राजा निरबंसिया (1957), कस्बे का आदमी (1958), खोई हुई दिशाएँ (1963), मांस का दरिया (1966), बयान (1973), आजादी मुबारक (2002)। खोई हुई दिशाएँ, जॉर्ज पंचम की नाक, अपना एकान्त, मानसरोवर के हंस, इतने अच्छे दिन, कितने पाकिस्तान।
धर्मवीर भारती	मुर्दों का गाँव (1946), स्वर्ग और पृथ्वी (1949), चाँद और टूटे हुए लोग (1955), बन्द गली का आखिरी मकान (1969), नई कहानी के दौर में, गुल्कीबन्नो
निर्मल वर्मा	परिन्दे (1960), जलती झाड़ी (1965), पिछली गर्मियों में (1968), बीच बहस में (1973), कव्हे और कालापानी (1983), सूखा तथा अन्य कहानियाँ (1995)
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	तुमरी (1959), आदिम रात्रि की महक (1967), अग्निखोर (1973), एक श्रावणी दोपहर की धूप (1984), अच्छे आदमी (1986)। इनकी ख्याति का आधार 'तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम' रही है। 'रसप्रिया', 'तुमरी', 'अग्निखोर', 'आदिम रात्रि की महक'
शिवप्रसाद सिंह	आर-पार की माला (1955), कर्मनाशा की हार (1958), इन्हें भी इन्तजार हैं (1961), मुरदासराय (1966), अन्धेरा हँसता है (1975), भेड़िये (1977)
गंगा प्रसाद विमल (अ-कहानी आन्दोलन के पुरस्कारकर्ता)	विध्वंस (1965), शहर में (1966), बीच की दरार (1968), अतीत में कुछ (1972), कोई शुरुआत (1973), खोई हुई थाती (1975)
रवीन्द्र कालिया (अ-कहानी आन्दोलन)	नौ साल छोटी पत्नी (1969), काला रजिस्टर (1972), गरीबी हटाओ (1976), चकैया नीम (1979)
शेखर जोशी	दाज्यू (1953), कोसी का घटवार (1957), अप्रतीक्षित (1958), सहयात्री (1959), प्रश्नवाचक आकृतियाँ (1961), समर्पण (1961), मृत्यु (1961), दौड़ (1965), रास्ते (1965), बदबू, साथ के लोग (1967), हलवाहा (1981), मेरा पहाड़ (1989), नौरंगी बीमार है (1990), डांगरी वाले (1994)
ज्ञान रंजन	फेन्स के इधर-उधर (1968), यात्रा (1971), क्षणजीवी (1977), सपना नहीं (1977)। आपकी 'घण्टा', 'बहिर्गमन' और 'अनुभव'
काशीनाथ सिंह (प्रगतिशील चेतना के प्रतिबद्ध लेखक)	लोग बिस्तरों पर (1968), सुबह का डर (1975), आदमीनामा (1978), नई तारीख (1979), कल की फटेहाल कहानियाँ (1980), सदी का सबसे बड़ा आदमी (1986)
दूधनाथ सिंह ('अ-कहानी' आन्दोलन के पक्षधर)	सपाट चेहरे वाला आदमी (1967), सुखान्त (1971), पहला कदम (1976), माई का शोकगीत (1992), नमो अंधकारः (1998), धर्म क्षेत्रे-कुरुक्षेत्रे (2002), निष्कासन (2002)। इनकी 'विजेता', 'कबन्ध', 'रीछ', 'सुखान्त' और 'प्रतिशोध'
गिरिराज किशोर	चार मोती बेआब (1963), नीम के फूल (1964), पेपरवेट (1967), शहर-दर-शहर (1976), हम प्यार कर लें (1980), वल्दरोजी (1989), गाना बड़े गुलाम अली खाँ का (1985), यह देह किसकी है (1990), आन्द्रे की प्रेमिका तथा अन्य कहानियाँ (1995)
रमेश चन्द्र शाह	जंगल में आग (1979), मुहल्ले का रावण (1982), मानपत्र (1992), थियेटर (1995)
गोविन्द मिश्र	नए-पुराने माँ-बाप (1973), अन्तःपुर (1976), रगड़ खाती आत्माएँ (1978), धाँसू (1978), अपाहिज (1980), खुद के खिलाफ (1981), खाक इतिहास (1984), पगला बाबा (1987), आसमान कितना नीला (1992), हवाबाज (1998), मुझे बाहर निकालो (2004)
महीप सिंह ('सचेतन कहानी' आन्दोलन के पुरस्कारकर्ता)	सुबह के फूल (1932), उजाले के उल्लू (1964), घिराव (1968), कुछ और कितना (1973), कितने सम्बन्ध (1979), दिल्ली कहाँ है (1985)
कामतानाथ	छुट्टियाँ (1977), तीसरी साँस (1977), सब ठीक हो जाएगा (1983), शिकस्त (1992), रिश्ते-नाते (1998)

लेखक	रचनाएँ
विवेकी राय	नयी कोयल (1975), गूँगा जहाज (1977), बेटे की बिक्री (1981), कालातीत (1982), चित्रकूट के घाट पर (1988), सर्कस (2005)
संजीव	‘अपराध’ (पुरस्कृत तथा चर्चित कहानी है), तीस साल का सफरनामा (1981), प्रेतमुक्ति (1991), दुनिया की सबसे हसीन औरत (1993), ब्लैकहोल (1997), खोज (1999), गति का पहला सिद्धान्त (2004), गुफा का आदमी (2006)
राकेश वत्स (‘सक्रिय कहानी’ आन्दोलन के पुरस्कारकर्ता)	अतिरिक्त तथा अन्य कहानियाँ (1970), अन्तिम प्रजापति (1975), अभियुक्त (1979), शुरुआत (1980), एक बुद्ध और (1986)
से.रा. यात्री (समान्तर कहानी आन्दोलन के समर्थ कहानीकार)	दूसरे चेहरे (1980), केवल पिता (1978), अकर्मक क्रिया (1981)
बादशाह हुसैन रिज़वी	टूटता हुआ भय (1986), पीड़ा गनेशिया की (1994), चार मेहराबों वाली दालान (2006)
बदी उज्जमाँ	अनित्य (1970), पुल टूटते हुए (1973), चौथा ब्राह्मण (1976)
अब्दुल बिस्मिल्लाह	टूटा हुआ पंख, कितने-कितने सवाल (1984), रैन बसेरा (1989), अतिथि देवो भव (1990), रफ-रफ मेल (2000)
नरेन्द्र कोहली	परिणति (1969), कहानी का अभाव (1977), दृष्टि देश में एकाएक (1979), सम्बन्ध (1980), शटल (1982)
उदय प्रकाश	दरियाई घोड़ा, तिरिछ (1989), और अन्त में प्रार्थना (1994), पाल गोमरा का स्कूटर (1997), पीली छतरी वाली लड़की (2001), दत्तात्रेय का दुःख (2002)
शिवमूर्ति	कसाईबाड़ा (1980), केसर कस्तूरी (1991)
शैलेन्द्र सागर	इस जुनून में (1989), मकान दह रहा है (1993), माटी (2000), आमीन (2002), प्रतिरोध (2009)
शिवानी	लाल हवेली (1965), पुष्पहार (1969), अपराधिनी (1972), रथ्या (1976), स्वयंसिद्धा (1977), रति विलाप (1977), पुष्पहार (1978)
कृष्णा सोबती	मित्रो मरजानी (लम्बी कहानी है। अतः इसे लघु उपन्यास भी कहा जा सकता है), बादलों के घेरे में (1980)
मन्नू भण्डारी	यही सच है (1966), मैं हार गई (1957), एक प्लेट सैलाब (1968), तीन निगाहों की एक तस्वीर (1968), त्रिशंकु (1978)
उषा प्रियंवदा	‘वापसी’ (कहानी ख्याति का आधार बनी), जिन्दगी और गुलाब के फूल (1961), फिर वसन्त आया (1961), एक कोई दूसरा (1966), कितना बड़ा झूठ (1972)
ममता कालिया	छुटकारा (1969), सीट नं. (1978), एक अदद औरत (1979), प्रतिदिन (1983), उसका यौवन (1985), बोलने वाली औरत (2000), मुखौटा (2000)
मृदुला गर्ग	कितनी कैदें (1975), टुकड़ा-टुकड़ा आदमी (1977), डिफोडिल जल रहे हैं (1978), ग्लेशियर से (1980), उर्फ सैम (1986), समागम (1996), मेरे देश की मिट्टी अहा (2001)
चित्रा मुद्गल	जहर ठहरा हुआ (1980), लाक्षागृह (1982), अपनी वापसी (1983), जगदम्बा बाबू गाँव आ रहे हैं (1992), जिनावर (1996), भूख (2001), लपटें (2002) आँवा।
राजी सेठ	अन्धे मोड़ के आगे (1979), तीसरी हथेली (1981), यात्रामुक्त (1987), दूसरे देशकाल में (1992), यह कहानी नहीं (1998), गमे हयात ने मारा (2006)
मैत्रेयी पुष्पा	चिन्हार (1991), ललमनियाँ (1996), गोमा हँसती है (1998)
मेहरुन्निसा परवेज	आदम और हब्बा (1972), टहनियों पर धूप (1977), फाल्गुनी (1978), गलत पुरुष (1978), अन्तिम चढ़ाई (1982), अम्मा (1997), समर (1999), लाल गुलाब (2006)
नासिरा शर्मा	शामी कागज, पत्थर गली (1986), संगसार (1993), इन्मेरियम (1994), सबीना के चालीस चोर (1997), खुदा की वापसी (1998), इन्सानी नस्ल (2001), दूसरा ताजमहल (2002)

## हिन्दी के प्रमुख आत्मकथा लेखक एवं उनकी कृतियाँ

आत्मकथा लेखक	कृतियाँ
दयानन्द सरस्वती	जीवन चरित्र (1860)
सत्यानन्द अग्निहोत्री	मुझमें देव जीवन का विकास (1910)
भवानी दयाल संन्यासी	प्रवासी की कहानी (1939)
श्यामसुन्दर दास	मेरी आत्म कहानी (1941)
गुलाबराय	मेरी असफलताएँ (1941)
हरिभाऊ उपाध्याय	साधना के पथ पर (1946)
राहुल सांकृत्यायन	मेरी जीवन यात्रा (1946)
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	आत्मकथा (1947)
बलराज साहनी	मेरी फिल्मी आत्मकथा (1947)
वियोगी हरि	मेरा जीवन प्रवाह (1948)
भारतेन्दु	कुछ आप बीती कुछ जग बीती
यशपाल	सिंहावलोकन (तीन खण्ड क्रमशः 1951, 1952, 1955)
स्वामी सत्यदेव परिव्राजक	स्वतन्त्रता की खोज में (1951)
गंगाप्रसाद उपाध्याय	जीवन चक्र (1954)
पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी	मेरी अपनी कथा (1958)
सेठ गोविन्ददास	आत्मनिरीक्षण (तीन भाग, 1958)
चतुरसेन शास्त्री	यादों की परछाइयाँ (1960), मेरी आत्म कहानी (1963)
देवराज उपाध्याय	बचपन के वो दिन, यौवन के द्वार पर
पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'	अपनी खबर (1960)
चतुरसेन शास्त्री	मेरी आत्मकहानी (1963)
उपेन्द्रनाथ अशक	ज्यादा अपनी कम परायी (1959), चेहरे अनेक (1977)
सन्तराम बीए	मेरे जीवन के अनुभव (1963)
डॉ. भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र	जीवन के चार अध्याय (1967)
हरिवंशराय बच्चन	क्या भूलूँ क्या याद करूँ (1969), नीड़ का निर्माण फिर (1970), बसेरे से दूर (1978), दशद्वार से सोपान तक (1985) (चार खण्डों में)
वृन्दावन लाल वर्मा	अपनी कहानी (1970)
रामावतार अरुण	अरुणायन (1974)
सूर्य प्रसाद दीक्षित	निराला की आत्मकथा (1970)
डॉ. राम विलास शर्मा	घर की बात (1983), अपनी धरती अपने लोग (तीन खण्डों में)
श्री विष्णु चन्द्र शर्मा	मुक्तिबोध की आत्मकथा (1984)
शिवपूजन सहाय	मेरा जीवन (1985)
अमृतलाल नागर	टुकड़े-टुकड़े दास्तान (1986)
डॉ. नगेन्द्र	अर्धकथा (1988)
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	तपती पगड़िड़ियों पर यात्रा (1989)
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	आत्मपरिचय (1988)
रामदरश मिश्र	सहचर है समय (1991), फुर्सत के दिन (2000)
कमलेश्वर	गर्दिश के दिन (1980), आत्मकथा (तीन खण्डों में जो मैंने किया (1992), यादों के चिराग (1997), जलती हुई नदी (1999)

आत्मकथा लेखक	कृतियाँ
मूलचन्द अग्रवाल	पत्रकार की आत्मकथा
गोपाल प्रसाद व्यास	कहो व्यास कैसी कटी (1994)
नागार्जुन	विषकीट (1999)
रवीन्द्र कालिया	गालिब छुटी शराब (2000)
भगवतीचरण वर्मा	कहि न जाय का कहिए (2001)
राजेन्द्र यादव	मुड़-मुड़ कर देखता हूँ (2001), देहरि भई विदेस (2005)
अखिलेश	और वह जो यथार्थ था (2001)
भीष्म साहनी	आज के अतीत (2003)
अशोक बाजपेयी	पाव भर जीरे में ब्रह्मभोज (2003)
स्वदेश दीपक	मैंने माण्डू नहीं देखा (2003)
विष्णु प्रभाकर	पंखहीन, मुक्त गगन में और पंछी उड़ गया (2004)
रवीन्द्रनाथ त्यागी	वसंत से पतझर तक (2005)
मिथिलेश्वर	पानी बिन मीन पियासी
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	दिनरैन (2014)
गोपीचन्द नारंग	सफ़र आशना (2014)
ए.पी.जे. अब्दुल कलाम	अग्नि की उड़ान टर्निंग पॉइण्ट्स (2015)
हंसराज रहबर	मेरे सात जन्म (तीन खण्डों में)

## महिला रचनाकारों की आत्मकथाएँ

आत्मकथा लेखक	कृतियाँ
अनीता राकेश	सतरें और सतरें
चन्द्रकान्ता	हाशिप की इबारतें
शिवानी	सुनहु तात यह अकथ कहानी (1998)
पद्मा सचदेव	बूँद बावड़ी (1999)
शीला झुनझुनवाला	कुछ कही कुछ अनकही (2000)
मैत्रेयी पुष्पा	कस्तूरी कुण्डल बसै (2002), गुड़िया भीतर गुड़िया (2012)
मन्नू भण्डारी	एक कहानी यह भी, कली यह भी (2007)
चन्द्रकिरण सौनरिकसा	पिंजरे में मैना (2010)
कृष्णा अग्निहोत्री	लगता नहीं है दिल मेरा (1997), और ... और ... औरत (2010)
प्रभा खेतान	अन्या से अनन्या (2010)
ममता कालिया	कितने शहरों में कितनी बार (2011)
जोहरा सहगल	करीब से (2013)
राजी सेठ	जहाँ से उजास (2013)
रमणिका गुप्ता	आपहुदरी (2014)
निर्मला जैन	जमाने में हम (2015)
जानकी देवी बजाज	मेरी जीवन यात्रा
प्रतिभा अग्रवाल	दस्तक जिन्दगी की, मोड़ जिन्दगी का
कुसुम अन्सल	जो कहा नहीं गया

## दलित लेखकों की आत्मकथाएँ

आत्मकथा लेखक	कृतियाँ
डी.आर. जाटव	मेरा सफर मेरी मंजिल
माता प्रसाद	झोंपड़ी से राजभवन (2002)
नवेन्दु महर्षि	इंसान से ईश्वर तक, मेरे मन की बाइबिल, रुकी हुई रोशनी (2011), मेरा बचपन मेरा संघर्ष (2012)
भालचन्द्र मुणगेकर	मेरी हकीकत (2010)
बराक ओबामा (अमेरिका के राष्ट्रपति)	पिता से मिले सपने (2009)
सुशीला टाकभौरे	शिकंजे का दर्द (2012)
तुलसीराम	मुर्दहिया (2012), मणिकर्णिका (2013)
बलवीर माधोपुरी	छंग्यारुख (2012)
कौशल्या वैसन्त्री	दोहरा अभिशाप
दया पवार	अछूत (2011)
भगवान दास	मैं भंगी हूँ (1981)
मोहनदास नैमिषराय	अपने-अपने पिंजरे' भाग-1 (1995), अपने-अपने पिंजरे भाग-2 (2000)
ओमप्रकाश वाल्मीकि	जूठन (1997)
सूरजपाल चौहान	तिरस्कृत (2002), संतप्त (2006)
रूपनारायण सोनकर	नागफनी (2005)
शयोराज सिंह बेचैन	मेरा बचपन मेरे कन्धों पर (2009)
डॉ. धर्मवीर	मेरी पत्नी और भेड़िया (2009)
शरण कुमार लिंबाले	अक्करमाशी
रमाशंकर आर्य	घुटन
लक्ष्मण गायकवाड़	उचक्का (2011)

## हिन्दी के प्रमुख जीवनीकार एवं उनकी जीवनियाँ

जीवनी लेखक	जीवनियाँ
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	बादशाह दर्पण, पंच पवित्रात्मा
रामविलास शर्मा	निराला की साहित्य साधना
अमृतराय	कलम का सिपाही (1962)
शान्ति जोशी	पन्त की जीवनी
विष्णु प्रभाकर	आवारा मसीहा (1974)
भगवती प्रसाद सिंह	मनीषी की लोकयात्रा
घनश्याम दास बिड़ला	बापू (1940), मेरे जीवन में गाँधी जी (1975)
काका कालेलकर	बापू की झाँकियाँ (1948)
सुमंगल प्रकाश	बापू के कदमों में (1950)
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	चम्पारन में महात्मा गाँधी (1919), बापू के कदमों में (1950)
रतनलाल बंसल	अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद (1946)
द्वारका प्रसाद शर्मा	भीष्म पितामह (1940)
जीवनलाल प्रेम	गुरु गोविन्द सिंह (1945)
चन्द्रबली त्रिपाठी	धर्मराज युधिष्ठिर
शिवरानी देवी (मुंशी प्रेमचन्द की पत्नी)	प्रेमचन्द घर में (1949)
मदनगोपाल	कलम का मजदूर (1965)
गंगाप्रसाद पाण्डेय	महाप्राण निराला
प्रतिभा अग्रवाल	प्यारे हरिश्चन्द्रजू (1997)

जीवनी लेखक	जीवनियाँ
सुलोचना रांगेय राघव	रांगेय राघव : एक-अंतरंग परिचय (1997)
मदनमोहन ठाकौर	'राजेन्द्र यादव-मार्फत मदनमोहन ठाकौर' (1999)
बिन्दु अग्रवाल	स्मृति के झरोखे में (1999) (भारत भूषण अग्रवाल के जीवन पर आधारित)
महिमा मेहता	उत्सव पुरुष : नरेश मेहता (2003)
कुमुद नागर	वटवृक्ष की छाया में (2004) (अमृतलाल नागर के जीवन पर आधारित)
जैनेन्द्र कुमार	अकाल पुरुष गाँधी (1968)
शिवकुमार कौशिक	प्रियदर्शिनी इन्दिरा गाँधी (1970)
शान्ति जोशी	सुमित्रानन्दन पन्त : जीवन और साहित्य
जगदीश चन्द्र माथुर	जिन्होंने जीना जाना (1954) (इसमें 12 प्रसिद्ध व्यक्तियों-सात साहित्यकारों, दो राजनेताओं, एक विचारक, एक कलाकार और एक अभिनेत्री का जीवन चरित्र प्रस्तुत किया गया है)
नाभादास	भक्तमाल (1585)
गोसाईं गोकुलनाथ	चौरासी वैष्णव की वार्ता, दो सौ वैष्णव की वार्ता
गोपाल शर्मा शास्त्री	दयानन्द दिग्विजय (1881)
रमाशंकर व्यास	नेपोलियन बोनापार्ट का जीवन चरित्र (1883)
कार्तिक प्रसाद खत्री	महाराज विक्रमादित्य (1883), अहिल्याबाई (1887), छत्रपति शिवाजी का जीवन चरित्र (1890), मीराबाई का जीवन चरित्र (1893)
राधाकृष्ण दास	श्री नागरीदास जी का जीवन चरित्र (1894), कविवर बिहारीलाल (1895), सूरदास (1900), भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का जीवन चरित्र (1904)
सम्पूर्णानन्द	महाराज छत्रसाल (1916), चेतसिंह और काशी का विद्रोह (1919), महादजी सिन्धिया (1920), सम्राट हर्षवर्द्धन (1920), सम्राट अशोक (1924), धर्मवीर गाँधी (1914)
मन्मथनाथ गुप्त	चन्द्रशेखर आजाद (1938), गुरुनानक (1938)
महावीर प्रसाद द्विवेदी	प्राचीन पण्डित और कवि (1918), सुकवि संकीर्तन (1924), चरितचर्चा (1929)
गौरीशंकर हीराचन्द ओझा	कर्नल जेम्स टॉड (1902)
बालमुकुन्द गुप्त	प्रतापनारायण मिश्र (1907)
बाबू श्यामसुन्दर दास	हिन्दी कोविद रत्नमाला (प्रथम भाग-1909, द्वितीय भाग-1914), हिन्दी के चालीस साहित्यकारों की जीवनियाँ
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	बाबू राधाकृष्ण दास (1913)
बनारसीदास चतुर्वेदी	कविरत्न सत्यनारायण जी की जीवनी (1926)
गणेश शंकर विद्यार्थी	श्री गाँधी (1931)
सीताराम चतुर्वेदी	महामना पण्डित मदनमोहन मालवीय (1937)
शिवरानी देवी	प्रेमचन्द घर में (1949)
छविनाथ पाण्डेय	नेताजी सुभाष (1946)
शिव प्रसाद सिंह	उत्तरयोगी : श्री अरविन्द (1972)
विष्णु चन्द्र शर्मा	अग्निसेतु (1954) (बांग्ला के विद्रोही कवि नजरुल इस्लाम के जीवन पर आधारित), समय साम्यवादी (1997) (राहुल सांकृत्यायन के जीवन पर आधारित)
शोभाकान्त	बाबूजी (1991) (नागार्जुन के जीवन पर आधारित)
तेज बहादुर चौधरी	मेरे बड़े भाई शमशेरजी (1995)
कमला सांकृत्यायन	महामानव महापण्डित (1955) (राहुल सांकृत्यायन के जीवन पर आधारित)

## रेखाचित्र

रचनाकार	रचना
पद्मसिंह शर्मा	पद्मपराग (1929)
श्रीराम शर्मा	बोलती प्रतिमा (1937), अतीत के चलचित्र (1941), स्मृति की रेखाएँ (1947), पथ के साथी (1956), मेरा परिवार (1972), स्मारिका (1971)
रामवृक्ष बेनीपुरी	माटी की मूरतें (1946), लालतारा (1941), गेहूँ और गुलाब (1950), मील के पत्थर (1957)
गुलाब राय	ठलुआ कलब
डॉ. रामविलास शर्मा	पंचरत्न
डॉ. नगेन्द्र	चेतना के बिम्ब (1967)
विनय मोहन शर्मा	रेखा और रंग (1955)
उपेन्द्रनाथ अशक	रेखाएँ और चित्र (1955)
देवेन्द्र सत्यार्थी	रेखाएँ बोल उठीं (1949)
जगदीश चन्द्र माथुर	दस तस्वीरें (1963)
शिवपूजन सहाय	वे दिन वे लोग (1965)
सेठ गोविन्द दास	स्मृतिकण (1959)
कृष्णा सोबती	हमहशमत (1977)
डॉ. रामविलास शर्मा	विराम चिह्न (1985)
प्रतापनारायण टण्डन	रेखाचित्र (1959)
विष्णु प्रभाकर	दहकती भट्टी

## संस्मरण

रचनाकार	रचना
महावीर प्रसाद द्विवेदी	अनुमोदन का अन्त (1905) सभा की सत्यता (1907) विज्ञानाचार्य वसु का मन्दिर
बालमुकुन्द गुप्त	हरिऔधजी के संस्मरण
राहुल सांकृत्यायन	मेरे बचपन की स्मृतियाँ (1955) मेरे असहयोग के साथी (1956)
उपेन्द्रनाथ अशक	मन्टो मेरा दुश्मन (1956) ज्यादा अपनी कम परायी (1959)
इलाचन्द्र जोशी	कुछ संस्मरण मेरे प्रारम्भिक जीवन की स्मृतियाँ
रामवृक्ष बेनीपुरी	जंजीरें और दीवारें (1957)
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	जिन्दगी मुस्कुराई (1953)
हरिवंशराय बच्चन	नए-पुराने झरोखे (1962)
भगवतीचरण वर्मा	अतीत के गर्त से
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	वन तुलसी की गन्ध (1984)
भगवती शरण सिंह	रस गगन गुफा में
काशीनाथ सिंह	याद हो कि न याद हो (1992)
अमृतराय	जिनकी याद हमेशा रहेगी (1992)
प्रकाशवती पाल	लाहौर से लखनऊ तक
दूधनाथ सिंह	लौट आओ धार
रवीन्द्र कालिया	सृजन के सहयात्री
विद्यानिवास मिश्र	चिड़िया रैनबसेरा
विष्णु प्रभाकर	कुछ शब्द: कुछ रेखाएँ (1965)

रचनाकार	रचना
हजारी प्रसाद द्विवेदी	मृत्युंजन रवीन्द्र
भगवत शरण उपाध्याय	मैंने देखा
अज्ञेय	आत्मनेपद अरे यायावर रहेगा याद गाँधी : कुछ स्मृतियाँ

## हिन्दी के प्रमुख लेखक एवं उनके यात्रावृत्त

लेखक	यात्रावृत्त
सत्यदेव परिव्राजक	मेरी कैलाश यात्रा (1915), मेरी जर्मन यात्रा (1926), मेरी पाँचवीं जर्मन यात्रा (1955)
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	सरयू पार की यात्रा, मेंहदावल की यात्रा, मेरी लखनऊ यात्रा
भगवतशरण उपाध्याय	कलकत्ता से पेकिंग (1953), वह दुनिया में (1952), सागर की लहरों पर (1959)
राहुल सांकृत्यायन	मेरी तिब्बत यात्रा (1937), मेरी लद्दाख यात्रा (1939), किन्नर देश में (1948), रूस में पच्चीस मास (1947), घुमक्कड़शास्त्र (1949), राहुल यात्रावली (1949), यात्रा के पन्ने (1952), एशिया के दुर्गम खण्डों में (1956), चीन में कम्यून (1959), चीन में क्या देखा (1960)
ओमप्रकाश मन्त्री	माओं के देश में पाँच साल (1968)
पण्डित सूर्यनारायण व्यास	सागर प्रवास (1940), आवारे की यूरोप यात्रा (1940)
डॉ. सत्यनारायण	यूरोप के झरोखे में (1940), युद्ध यात्रा (1940)
सेठ गोविन्द दास	सुदूर दक्षिण पूर्व (1951), पृथ्वी परिक्रमा (1954)
यशपाल	राहबीती (1956), लोहे की दीवार के दोनों ओर (1953)
स्वामी सत्यभक्त	मेरी अफ्रीका यात्रा (1955)
रामधारी सिंह दिनकर	देश-विदेश (1957), मेरी यात्राएँ (1970)
ब्रजकिशोर नारायण	नन्दन से लन्दन (1957)
भुवनेश्वर प्रसाद भुवन	आँखों देखा यूरोप
अज्ञेय	एक बूँद सहसा उछली (1960), अरे यायावर रहेगा याद (1953)
गोपालव्यास	अरबों के देश में (1960)
प्रभाकर माचवे	गोरी नजरों में हम (1969)
विष्णु प्रभाकर	हँसते निर्झर : दहकती भट्टी (1966), हिमालय (1982), हमसफर मिलते रहे (1996)
डॉ. नगेन्द्र	अप्रवासी की यात्राएँ (1972)
राजेन्द्र अवस्थी	सैलानी की डायरी (1977)
अनन्त गोपाल शेवड़े	दुनिया रंग-बिरंगी (1978)
गोविन्द मिश्र	धुन्ध भरी सुखी (1979)
शिवानी	यात्रिक (1980)
मुनि क्रान्ति सागर	खोज की पगड़िण्डियाँ, खण्डहरों का वैभव
प्रभाकर द्विवेदी	पार उतरि कहं जइ हौ
नासिरा शर्मा	जहाँ फव्वारे लहू रोते हैं (2003)
कृष्णा सोबती	बुद्ध का कमण्डल : लद्दाख (2013)
उर्मिलेश	क्रिस्टेनिया मेरी जान (2016)
डॉ. रघुवंश	हरी घाटी

लेखक	यात्रावृत्त
काका कालेलकर	हिमालय की यात्रा, सूर्योदय का देश
शंकर	ए पार बंगला ओ पार बंगला
कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी	बद्रीनाथ की ओर
निर्मल वर्मा	चीड़ों पर चाँदनी (1964)
मोहन राकेश	आखिरी चट्टान तक (1953)
ज्ञानरंजन	कबाड़खाना
पंकज बिष्ट	खरामा-खरामा
निर्मला जैन	दिल्ली : शहर-दर-शहर
इन्दु जैन	पत्रों की तरह चुप (1987)
कृष्णदत्त पालीवाल	जापान में कुछ दिन (2003)
नरेश मेहता	कितना अकेला आकाश (2003)
पद्मा सचदेव	मैं कहती हूँ आँखिन देखी (2014)
मधु कांकरिया	बुद्ध, बारुद और पहाड़

### रिपोर्टाज

रचनाकार	रचना
शिवदान सिंह चौहान	लक्ष्मीपुरा
रांगेय राघव	तूफानों के बीच
मदन्त आनन्द कौसल्यायन	वे लड़ेंगे हजारों साल, देश की मिट्टी बुलाती है
धर्मवीर भारती	युद्धयात्रा (1972)
कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	क्षण बोले कण मुस्काए
शमशेर बहादुर सिंह	प्लाट का मोर्चा
विवेकी राय	जुलूस रुका है (1977) ऋण जल धन जल (1977) नेपाली क्रान्ति (1978)
फणीश्वरनाथ 'रेणु'	श्रुत-अश्रुत पूर्व (1984)
प्रकाशचन्द्र गुप्त	बंगाल का अकाल अल्मोड़े का बाजार स्वराज्य भवन
जगदीश चन्द्र जैन	पेकिंग की डायरी
प्रभाकर माचवे	प्रभाकर जब पाताल गए
लक्ष्मीचन्द्र जैन	कागज की किशियाँ

### हिन्दी के प्रमुख डायरी लेखक एवं उनकी डायरियाँ

डायरी लेखक	डायरी
श्रीराम शर्मा	सेवाग्राम डायरी (1946)
घनश्यामदास बिड़ला	डायरी के पन्ने
डॉ. धीरेन्द्र वर्मा	मेरी कॉलेज डायरी (1954)
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	हिन्दी नई चाल में ढली (1873)
सियाराम शरण गुप्त	दैनिकी
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	एक बूँद सहसा उछली (1960) (इसमें बर्लिन की डायरी के कुछ अंश उद्धृत हैं)
हरिवंशराय बच्चन	प्रवास की डायरी (1971)
रामधारी सिंह दिनकर	दिनकर की डायरी (1973)
रघुवीर सहाय	दिल्ली मेरा परदेश (1976)

डायरी लेखक	डायरी
राजेन्द्र अवस्थी	सैलानी की डायरी (1976)
गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	एक साहित्यिक की डायरी (1964)
मोहन राकेश	मोहन राकेश की डायरी (1985)
रवीन्द्र कालिया	स्मृतियों की जन्मपत्री (1979)
रामविलास शर्मा	पंचरत्न (1980)
फणीश्वरनाथ रेणु	वनतुलसी की गन्ध (1984)
श्रीकान्त वर्मा	श्रीकान्त वर्मा की डायरी (1978)
जमनालाल बजाज	जमनालाल बजाज की डायरी (1966)
शान्ता कुमार	एक मुख्यमन्त्री की डायरी (1977)
जयप्रकाश नारायण	मेरी जेल डायरी (1975-77)
कमलेश्वर	देश-देशान्तर (1992)
डॉ. नामवर सिंह (सम्पादक)	मलयज की डायरी (2000)
बिशन टण्डन	आपातकाल की डायरी (भाग एक 2002, भाग-दो 2005)
डॉ. नरेश मोहन	साथ-साथ मेरा साया (2003)
विवेकी राय	मनबोध मास्टर की डायरी (1984)
कृष्ण बलदेव वैद	ख्वाब है दीवानों का (2005)
जाबिर हुसैन	डोला बीबी की मजार, जो आगे है, अतीत का चेहरा लोगों, एक नदी रेत भरी
मधु कांकरिया	बंजारा मन और बन्दिशें, शहर-शहर जादू
सुधा अरोड़ा	जिंदा जुनूनों का कॉलेज
देवराज	अजय की डायरी (डायरी शैली का उपन्यास)
राजेन्द्र यादव	शह और मात (डायरी शैली का उपन्यास)
जैनेन्द्र	जयवर्द्धन (डायरी शैली का उपन्यास)
श्रीलाल शुक्ल	मकान (डायरी शैली का उपन्यास)
रमेश चन्द्र शाह	अकेला मेला (2011), इस खिड़की से (2012), आज और सभी (2013), जंगल जूही (2014)
रामदरश मिश्र	आते जाते दिन
तेजिन्दर	डायरी सागा-सागा
श्री रामेश्वरम टाण्टिया	क्या खोया क्या पाया
सीताराम केसरिया	एक कार्यकर्ता की डायरी दो भाग
अजीत कुमार	अंकित होने दो
उपेन्द्रनाथ अशक	ज्यादा अपनी कम पराई

### आलोचना

आलोचक	रचनाएँ
भारतेन्दु	नाटक
कृष्ण बिहारी मिश्र	देव और बिहारी
बाबू गुलाबराय	काव्य के रूप, नवरस, सिद्धान्त और अध्ययन
बाबू श्यामसुन्दर दास	रूपक रहस्य, भाषा रहस्य, साहित्यालोचन
रामचन्द्र शुक्ल	भ्रमरगीत सार, तुलसीदास, जायसी ग्रन्थावली की भूमिका, रस-मीमांसा, काव्य में रहस्यवाद, कविता क्या है?
नन्द दुलारे बाजपेयी	हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नए प्रश्न, आधुनिक साहित्य



आलोचक	रचनाएँ
शान्तिप्रिय द्विवेदी	हमारे साहित्य निर्माता, कविता और काव्य, साहित्यिकी
निराला	पन्त और पल्लव, रवीन्द्र कविता कानन
हजारी प्रसाद द्विवेदी	कबीर, सूर साहित्य, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदि काल
इलाचन्द्र जोशी	साहित्य सर्जना, विवेचना, विश्लेषण, देखा-परखा
रामविलास शर्मा	भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा, नई कविता और अस्तित्ववाद
शिवदान सिंह चौहान	प्रगतिवाद, साहित्य की परख, हिन्दी साहित्य के अस्सी वर्ष, साहित्यानुशीलन, आलोचना के मान
नेमिचन्द्र जैन	अधूरे साहित्यकार, रंग परम्परा, जनान्तिक
अमृतराय	नई समीक्षा, सहचिन्तन, विचारधारा और साहित्य
डॉ. नामवर सिंह	छायावाद, इतिहास और आलोचना, कविता के नए प्रतिमान, दूसरी परम्परा की खोज, वाद-विवाद संवाद, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
डॉ. मैनेजर पाण्डेय	साहित्य और इतिहास दृष्टि, शब्द और कर्म, आलोचना और सामाजिकता
शम्भूनाथ	दिनकर : कुछ पुनर्विचार, साहित्य और जनसंघर्ष
गिरिजाकुमार माथुर	नई कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ
लक्ष्मीकान्त वर्मा	नए कविता के प्रतिमान
विजयदेव नारायण साही	छठवाँ दशक, साहित्य क्यों, लघुमानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस
रामस्वरूप चतुर्वेदी	हिन्दी नवलेखन, भाषा और संवेदना, कामायनी का पुनर्मूल्यांकन, कविता यात्रा, आधुनिक कविता यात्रा
मलयज	कविता से साक्षात्कार
परमानन्द श्रीवास्तव	नई कविता का परिप्रेक्ष्य, दूसरा सौन्दर्य शास्त्र क्यों
प्रभाकर श्रोत्रिय	कविता की तीसरी आँख
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	नए साहित्य का तर्कशास्त्र
अशोक बाजपेयी	कुछ पूर्वाग्रह कविता का गल्प, कवि कह गया है
नन्दकिशोर आचार्य	अज्ञेय की काव्य तितीर्षा, साहित्य का स्वभाव

### प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ और सम्पादक

पत्रिकाएँ	सम्पादक
उदन्त मार्तंड (1826)	जुगलकिशोर
बंगदूत (1829)	राजा राममोहन राय
बनारस अखबार (1854)	राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'
समाचार सुधावर्षण (1854)	श्यामसुन्दर सेन
प्रजाहितैषी (1855)	राजा लक्ष्मण सिंह
कविचन सुधा (1867)	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
हरिश्चन्द्र मैगजीन (1873)	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
बालाबोधिनी (1874)	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
हिन्दी प्रदीप (1877)	बालकृष्ण भट्ट
भारत-मित्र (1877)	बालमुकुन्द गुप्त
ब्राह्मण (1883)	प्रतापनारायण मिश्र
आनन्द कादम्बिनी (1881)	बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
नागरी नीरद (1893)	बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
भारतेन्दु (1883)	राधाचरण गोस्वामी

पत्रिकाएँ	सम्पादक
इन्दु (1883)	अम्बिका प्रसाद गुप्त, रूपनारायण पाण्डेय
प्रताप (1913)	गणेशशंकर विद्यार्थी
प्रभा (1913)	कालूराम, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखन लाल चतुर्वेदी
कर्मवीर (1919)	माखनलाल चतुर्वेदी
माधुरी (1922)	प्रेमचन्द
मतवाला (1923)	निराला
सुधा (1929)	दुलारे लाल भार्गव, निराला
हंस (1930)	प्रेमचन्द
हिन्दुस्तानी (1931)	रामचन्द्र टण्डन
जागरण (1932)	प्रेमचन्द
भारत (1933)	नन्ददुलारे वाजपेयी
साहित्य संदेश (1937)	बाबू गुलाब राय
रूपाम (1938)	सुमित्रानन्दन पन्त
हिन्दी अनुशीलन (1943)	धीरेन्द्र वर्मा
प्रतीक (1947)	अज्ञेय
कल्पना (1949)	आर्येन्द्र शर्मा
धर्मयुग (1950)	धर्मवीर भारती
आलोचना (1951)	शिवदान सिंह चौहान, चार सदस्यीय सम्पादक मण्डल (धर्मवीर भारती, रघुवंश, बृजेश्वर वर्मा, विजयदेव नारायण साही), नामवर सिंह
वसुधा (1953)	राजेश्वर प्रसाद गुरु, हरिशंकर परसाई
नए पत्ते (1953)	लक्ष्मीकान्त शर्मा
नई कविता (1954)	डॉ. जगदीश गुप्त
ज्ञानोदय (1955)	कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
निकष (1956)	धर्मवीर भारती
कृति (1958)	नरेन्द्र मेहता, श्रीकान्त वर्मा
समालोचक (1958)	डॉ. रामविलास शर्मा
पहल (1960)	ज्ञानरंजन
दस्तावेज (1978)	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
वर्तमान साहित्य (1984)	विभूति नारायण
हंस (पुनर्प्रकाशन) (1986)	राजेन्द्र यादव
वागर्थ (1995)	प्रभाकर श्रोत्रिय
साहित्य अमृत (1995)	विद्यानिवास मिश्र
कथादेश (1997)	हरिनारायण
तद्भव (1999)	अखिलेश
बहुवचन (1999)	अशोक बाजपेयी
कथाक्रम (2000)	शैलेन्द्र सागर
परख (2000)	कृष्ण मोहन
पुस्तकवार्ता (2001)	राकेश श्रीमान
नया ज्ञानोदय (2002)	रवीन्द्र कालिया
वाक् (2007)	सुधीश पचौरी
पाखी (2008)	अपूर्व जोशी
पुस्तक संस्कृति (2016)	बलदेव भाई शर्मा



## साहित्यकारों के आश्रयदाता

साहित्यकार	आश्रयदाता
<b>आदिकाल</b>	
अमीर खुसरो	बलबन
चन्दबरदायी	महाराज पृथ्वीराज चौहान
जगनिक	परमार्दिदेव (परमाल)
पुष्पदंत	कृष्णराज तृतीय (राष्ट्रकूट वंश के राजाधिराज), महामात्य नन्न
<b>भक्तिकाल</b>	
कुतुबन	बादशाह हुसैन शाह (जौनपुर)
<b>रीतिकाल</b>	
आलम	शाहजादा मुअज्जम (औरंगजेब का द्वितीय पुत्र)
केशवदास	इन्द्रजीत (ओरछा नरेश के भाई)
कुलपति मिश्र	रामसिंह (जयपुर नरेश के पुत्र)
करन कवि	महाराज हिन्दूपति सिंह (पन्ना नरेश)
गुमान मिश्र	राजा अकबर अली खाँ (पिहानी)
घनानन्द	मुहम्मदशाह रंगीला
चिन्तामणि	भोंसला राजा मकरंद शाह (नागपुर)
ठाकुर (बुन्देलखण्डी)	राजा केसरी सिंह राजा पारीछत
देव	आजमशाह, भवानीदत्त वैश्य, कुशल सिंह, राजा (सेठ) भोगीलाल, राजा उद्योत सिंह, अली अकबर खाँ, राजा मोतीलाल
पद्माकर	महाराजा रघुनाथ राव (नागपुर), हिन्दूपति सिंह (पन्ना), राजा प्रतापसिंह (जयपुर)
बैताल	राजा विक्रमसिंह (चरखारी)
बोध (बुद्धिसेन)	पन्ना नरेश महाराज खेत सिंह
ब्रह्मदत्त	बाबू दीपनारायण सिंह (काशी नरेश के अनुज)
बेनी प्रवीन	नवल कृष्ण उर्फ ललन
बेनी बंजीजन	महाराज टिकैतराय
भिखारीदास	हिन्दूपति सिंह
भूषण	छत्रपति महाराज शिवाजी महाराज छत्रसाल (पन्ना नरेश)
मतिराम	महाराज भावसिंह (बूँदी नरेश)
मण्डन	राजा मंगल सिंह
रतन कवि	राजा फतहसाही (श्रीनगर गढ़वाल)
लाल कवि (गोरेलाल)	महाराज छत्रसाल (बुन्देला)
वृंद कवि	महाराज जसवंत सिंह (जोधपुर), औरंगजेब, रूपसिंह (किशनगढ़)
‘रसलीन’ सैयद गुलाम नबी	सफदरजंग
सोमनाथ	प्रताप सिंह
सूदन	सुजान सिंह उर्फ सूरजमल (भरतपुर)
सुरति मिश्र	मुहम्मदशाह (दिल्ली)
हितवृन्दावन दास ‘चाचा’	बहादुर सिंह (महाराज नागरीदास जी के भाई)

## साहित्यकारों के उपनाम

वास्तविक नाम	उपनाम
अबुल हसन यमीनुद्दीन खुसरो	अमीर खुसरो, तोता-ए-हिन्द
आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	आत्माराम
आचार्य हेमचन्द्र	कलिकाल सर्वज्ञ
आनन्दीलाल	जैनेन्द्र
अवतार सिंह संधू	पाश
अब्दुरहीम खानखाना	रहीम
अम्बिकादत्त	व्यास
उदयनाथ (कालिदास त्रिवेदी के पुत्र)	कवीन्द्र
उपेन्द्रनाथ	अशक
इब्राहीम शाह	शेख फरीद
केशवदास	कठिन काव्य का प्रेत
कैलाश सक्सेना	कमलेश्वर
केदारनाथ अग्रवाल	केन का कवि
कान्तानाथ पाण्डेय	चोंच
कुमार विकल	धूमधर्मी कविताओं का कवि
कन्हैयालाल मिश्र	प्रभाकर
केदारनाथ मिश्र	प्रभात
कृष्णदेव प्रसाद गोड़	बेढ़ब बनारसी
कबीर	वाणी का डिक्टेटर
कृष्ण बलदेव	वैद
कुलदीप सिंह	शमशेर बहादुर सिंह
किशोरीदास बाजपेयी	हिन्दी का पाणिनि
गिरिजा कुमार माथुर	ऐन्द्रियता का कवि
गोपालराम	गहमरी
गिरधर दास	गोपालदत्त
गोरखनाथ	जहरपीर
गयाप्रसाद शुक्ल	त्रिशूल/सनेही
गोपालदास	नीरज
गोपाल सिंह	नेपाली
गिरिजा कुमार घोष	पार्वती नन्दन
गजानन माधन	मुक्तिबोध/फैंटसी का कवि
गोरेलाल पुरोहित	लाल कवि
गुलशेर खाँ	शानी
गौरांपत	शिवानी
गिरिधर शर्मा	नवरत्न
चन्द्रधर शर्मा	गुलेरी
चन्दबरदायी	चंद
चण्डीप्रसाद	हृदयेश
चन्द्रभूषण त्रिवेदी	रमई काका
जयशंकर प्रसाद	आधुनिक कविता के सुमेरु, कलाधर/प्रसाद
जगन्नाथ दास ‘रत्नाकर’	जकी/रत्नाकर
जनार्दन प्रसाद झा	द्विज

वास्तविक नाम	उपनाम
जगन्नाथ प्रसाद	मिलिन्द
जगदम्बा प्रसाद	हितैषी
जैनेन्द्र	हिन्दी का शरत
तुलसीदास	कवि शिरोमणि/मानस का हंस
तिरुमल्लै नम्बाकम् वीर राघवाचार्य (टी. एन. वी. राघवाचार्य)	रांगेय राघव
दुष्यंत कुमार	अनुरागी, गजल सम्राट, परदेशी
देवेन्द्र शर्मा	इन्द्र
दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर	काका कालेलकर
देवदत्त	देव
धनपत राय (प्रेमचन्द)	कथा/कहानी सम्राट, कलम का मजदूर/ सिपाही, नवाबराय/प्रेमचन्द, भारत का मैक्सिम गोर्की, उपन्यास सम्राट
निम्बार्क	आरुणि
नाथूराम शर्मा	कविता कामिनी कान्त/भारतेन्दु प्रज्ञेन्दु/शंकर
नन्ददास	जड़िया
नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार, नरेश कुमार	नकेल
नारायण दास	नाभादास
नरहरि बन्दीजन	महापात्र
नन्ददुलारे वाजपेयी	सौष्ठववादी/स्वच्छन्दतावादी आलोचक
पुष्पदंत	अपभ्रंश का भवभूति, अभिमानमेरू
पाण्डेय बेचन शर्मा	अष्टावक्र, उग्र
पूर्णशंकर शुक्ल	नरेश मेहता
पण्डित मदन मोहन मालवीय	मकरंद
पृथ्वी सिंह	रसनिधि
पुरुषोत्तम दास टण्डन	राजर्षि
प्रताप नारायण मिश्र	हिन्दी का एडीसन
पुरुषोत्तम टण्डन	हिन्दी का प्रहरी
फणीश्वरनाथ	रेणु
बालकृष्ण शर्मा	नवीन
बदरीनारायण चौधरी	प्रेमघन
बख्शी हंसराज श्रीवास्तव	प्रेमसखी
बालकृष्ण भट्ट	हिन्दी का स्टील/मोटॉन
बुलाकीराम	बुल्ला साहब
बुद्धिसेन	बोधा
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	कलियुग का कन्हैया
भिखारीदास	दास
भवानी प्रसाद मिश्र	सहजता का कवि
भूषण	हिन्दू जाति का प्रतिनिधि कवि
भगवानदीन	लाला
मध्वाचार्य	आनन्दतीर्थ
महादेवी वर्मा	आधुनिक युग की मीरा

वास्तविक नाम	उपनाम
माखनलाल चतुर्वेदी	एक भारतीय आत्मा
महेशदास भट्ट	कविराय/ब्रह्मा/बीरबल
मलिक मुहम्मद	जायसी
मैथिलीशरण गुप्त	दददा
महाराजा मानसिंह	द्विजदेव
महाराज सांवत सिंह	नागरीदास
मैथिलीशरण गुप्त	मधुप
मोटुरि सत्यनारायण	दक्षिण का टण्डन
मतिलाल	पुराने पथ का पथिक
महावीर प्रसाद द्विवेदी	भुजंगभूषण भट्टाचार्य/सुकवि किंकर
मनीराम	भूषण
महेन्द्र कुमारी	मन्नू भंडारी
मोहनलाल महतो	वियोगी
मदन वात्स्यायन	सिंदरी का कवि
यारमुहम्मद	यारी साहब
रामेश्वर शुक्ल	अंचल
रामधारी सिंह दिनकर	अधैर्य का कवि, अनल कवि, दिनकर
रसखान	अमृत की वर्षा करने वाला कवि
राजाराम शुक्ल	एक राष्ट्रीय आत्मा
रामवृक्ष बेनीपुरी	कलम का जादूगर
रामकुमार	कृषक
रामनाथ	ज्योतिषी
राजेन्द्रबाला घोष	बंग महिला
राजा गुरुदत्त सिंह	भूपति
रामप्रकाश शंखधर	मधुरेश
रमाशंकर शुक्ल	रसाल
रायदेवी प्रसाद	पूर्ण
रामचन्द्र शुक्ल	मुनि मार्ग के हिमायती
राजा शिवप्रसाद सिंह	सितारे-हिन्द
लोचन प्रसाद पाण्डेय	काव्य विनोद
लाला ठाकुरदास बुन्देलखण्डी	ठाकुर
लक्ष्मीनिवास सिंह	मदन वात्स्यायन
लक्ष्मीनारायण	सुधांशु
लक्ष्मीशंकर मिश्र	निशंक
लक्ष्मणसिंह बिष्ट	बटरोही
विश्वम्भर मिश्र	चैतन्य महाप्रभु
वासुदेव सिंह	त्रिलोचन
विद्यापति	कोकिल, अभिनव जयदेव, मैथिलकोकिल
विश्वम्भरनाथ शर्मा	कौशिक
वृन्दावन लाल वर्मा	बुन्देलखण्ड का चंदबरदायी
विद्यानिवास मिश्र	भ्रमरानन्द/परम्परा जीवी
वैद्यनाथ मिश्र	नागार्जुन/यात्री
वृन्दावन	वृन्द
शिव प्रसाद मिश्र	काशिकेय
श्यामलाल गुप्त	पार्षद

वास्तविक नाम	उपनाम
शाह कुंदन लाल	ललित किशोरी, ललित माधुरी
शिवमंगल सिंह	सुमन
शरतचन्द्र	अवारा मसीहा
श्यामसुन्दर दास	बाबू साहब
शिव प्रसाद मिश्र	रुद्र
शिवपूजन सहाय	भाषा का जादूगर, शिव
श्यामबिहारी, गणेशबिहारी और शुक्रदेव बिहारी (तीनों मिश्र)	मिश्रबन्धु
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन	अज्ञेय, कठिन गद्य का प्रेत, कुट्टित्वातन, निजता की सुरक्षा का प्रतिनिधि कवि
स्वयंभू	अग्रंश का वाल्मीकि/कालिदास
सेठ गोविन्द दास	कोशल केसरी
सुमित्रानन्दन पन्त	गोसाईं दत्त/पन्त, कल्पना का लाडला, प्रकृति का सुकुमार कवि
सुदामा पाण्डेय	धूमिल, संघर्ष का कवि
सूर्यकान्त त्रिपाठी	निराला/महाप्राण/गरगज सिंह वर्मा
सदासुख लाल	नियाज
सूरदास	पुष्टिमार्ग का जहाज, खंजन नयन/वात्सल्य सम्राट्
सत्यनारायण	ब्रजकोकिल/कविरत्न
सआदत हसन	मण्टो
सेवाराम यात्री	यात्री
सैयद इब्राहिम	रसखान
सैयद गुलाब नबी	रसलीन
हरिप्रसाद द्विवेदी	वियोगीहरि
हरिवंशराय बच्चन	क्षयीरोमांस का कवि/बच्चन, हालावादी कवि
हरनामदास	भदन्त आनन्द कौसल्यायन
डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी	व्योमकेश शास्त्री
हजरत अली मुहिब खाँ	प्रीतम
हजारी प्रसाद द्विवेदी	वैद्यनाथ द्विवेदी (बचपन का नाम)
हरिश्चन्द्र	भारतेन्दु/रसा
हरिकृष्ण	प्रेमी
श्रीकृष्ण तिवारी (बाल साहित्यकार)	राष्ट्रबन्धु
श्रीराम वर्मा	अमरकान्त
श्रद्धाराम	फुल्लौरी
श्रीनारायण चतुर्वेदी	भैया साहब

### हिन्दी प्रचारक संस्थाएँ

संस्था का नाम	स्थापना वर्ष
फोर्ट विलियम कॉलेज, कोलकाता	वर्ष 1801
विकटोरिया नाटक मण्डली, मुम्बई	वर्ष 1871
तदीय समाज	वर्ष 1873
भाषा संवर्धिनी सभा, अलीगढ़	वर्ष 1877
हिन्दी उद्धारिणी प्रतिनिधि मध्य सभा प्रयाग, इलाहाबाद	वर्ष 1884

संस्था का नाम	स्थापना वर्ष
इण्डियन प्रेस इलाहाबाद	वर्ष 1884
रामलीला नाटक मण्डली, इलाहाबाद	वर्ष 1889
नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी	वर्ष 1893
सरस्वती पत्रिका	वर्ष 1900
भारतेन्दु नाटक मण्डली, वाराणसी	वर्ष 1906
हिन्दी नाट्य परिषद्, कोलकाता	वर्ष 1906
हिन्दी नाट्य समिति, इलाहाबाद	वर्ष 1908
नागरी नाटक मंडली, वाराणसी	वर्ष 1908
हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, इलाहाबाद	वर्ष 1910
दक्षिण भारत हिन्दी प्रसार सभा, चेन्नई	वर्ष 1915
गुजरात शिक्षा परिषद्, भड़ौच	वर्ष 1917
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इन्दौर	वर्ष 1918
राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, मणिपुर	वर्ष 1918
अखिल भारतीय संगीत परिषद्	वर्ष 1919
गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद	वर्ष 1920
हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद	वर्ष 1927
हिन्दी विद्यापीठ देवघर, झारखण्ड	वर्ष 1929
उत्कल प्रान्तीय राष्ट्रभाषा प्रचार सभा, कटक	वर्ष 1933
ओडिशा राष्ट्रभाषा परिषद्, जगन्नाथपुरी	वर्ष 1933
नागरी लिपि सुधार समिति	वर्ष 1935
प्रगतिशील लेखक संघ, लखनऊ	वर्ष 1936
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा (महाराष्ट्र)	वर्ष 1936
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, एर्णाकुलम	वर्ष 1936
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा की शाखा, जम्मू-कश्मीर	वर्ष 1936
असम राष्ट्रभाषा समिति, गुवाहाटी	वर्ष 1938
दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, हैदराबाद	वर्ष 1938
बम्बई हिन्दी विद्यापीठ, मुम्बई	वर्ष 1938
ज्ञानलता मण्डल	वर्ष 1942
इण्डियन पीपुल्स थियेटर एसोसिएशन	वर्ष 1942
परिमल	वर्ष 1944
प्रकाशन विभाग	वर्ष 1944
राष्ट्रभाषा परिषद्, पुणे	वर्ष 1945
नागरी प्रचारिणी लिपि समिति	वर्ष 1945
देवनागरी लिपि सुधार समिति	वर्ष 1947
बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्	वर्ष 1947
फिल्म प्रभाग	वर्ष 1948
बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना	वर्ष 1950
हिन्दी साहित्य अकादमी	वर्ष 1953
संगीत नाटक अकादमी	वर्ष 1953
थियेटर यूनिट, मुम्बई	वर्ष 1954
राजभाषा आयोग	वर्ष 7 जून, 1955
अनामिका, कोलकाता	वर्ष 1955
पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली	वर्ष 1956
नेशनल बुक ट्रस्ट	वर्ष 1957
आकाशवाणी	वर्ष 1957
नया थियेटर, दिल्ली	वर्ष 1959
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली	वर्ष 1959
केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली	वर्ष 1960
वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली	वर्ष 1961

संस्था का नाम	स्थापना वर्ष
केन्द्रीय हिन्दी समिति, नई दिल्ली	वर्ष 1967
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली	वर्ष 1971
राजभाषा विभाग	वर्ष 1975
राजभाषा विधायी आयोग	वर्ष 1975
दूरदर्शन	वर्ष 1976
महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा	वर्ष 8 जनवरी, 1997
विश्व हिन्दी सचिवालय, मॉरिशस	वर्ष 12 नवम्बर, 2002

## हिन्दी साहित्य में सर्वप्रथम

- हिन्दी का प्रथम कवि सरहपाद (8वीं शताब्दी)
- हिन्दी की प्रथम रचना श्रावकाचार (देवसेन)
- हिन्दी का प्रथम मौलिक नाटक नहुष (गोपाल चन्द्र)
- हिन्दी का प्रथम उपन्यास परीक्षागुरु (श्रीनिवास दास)
- हिन्दी की प्रथम आत्मकथा अर्द्धकथानक (बनारसी दास जैन)
- हिन्दी की प्रथम जीवनी दयानन्द दिग्विजय (गोपाल शर्मा)
- हिन्दी का प्रथम रिपोर्टाज लक्ष्मीपुरा (शिवदान सिंह चौहान)
- हिन्दी का प्रथम यात्रा संस्मरण लन्दन यात्रा (महादेवी वर्मा)
- हिन्दी की प्रथम मौलिक कहानी इन्दुमती (किशोरी लाल गोस्वामी)
- हिन्दी की प्रथम वैज्ञानिक कहानी चन्द्रलोक की यात्रा (केशव प्रसाद सिंह)
- हिन्दी का प्रथम गद्य काव्य साधना (रायकृष्ण दास)
- हिन्दी खड़ी बोली का प्रथम काव्य ग्रन्थ एकांतवासी योगी (श्रीधर पाठक)
- हिन्दी की प्रथम अतुकान्त रचना प्रेमपथिक (जयशंकर प्रसाद)
- हिन्दी छायावाद का प्रथम काव्य-संग्रह झरना (जयशंकर प्रसाद)
- शुद्ध एवं परिमार्जित खड़ी बोली के प्रथम लेखक राम प्रसाद निरंजनी
- हिन्दी खड़ी बोली का प्रथम गद्य ग्रन्थ भाषा योगवशिष्ट
- हिन्दी खड़ी बोली के प्रथम प्रतिष्ठित कवि अमीर खुसरौ
- हिन्दी साहित्य का प्रथम महाकाव्य पृथ्वीराज रासो (चन्दबरदाई)
- हिन्दी का प्रथम बड़ा महाकाव्य पद्मावत (जायसी)
- हिन्दी खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य प्रियप्रवास (हरिऔध)
- हिन्दी खड़ी बोली गद्य की प्रथम रचना चन्द छन्द बरनन की महिमा (गंग कवि)
- दक्षिण भारत में हिन्दी खड़ी बोली में साहित्य-सृजन करने वाले प्रथम साहित्यकार मुल्ला वजही
- हिन्दी में 'प्रयोगवाद' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोगकर्ता नन्द दुलारे वाजपेयी
- हिन्दी का प्रथम गीतिनाट्य करुणालय (जयशंकर प्रसाद)
- हिन्दी में दोहा-चौपाई का सर्वप्रथम प्रयोगकर्ता सरहपाद
- हिन्दी रीतिकाव्य का प्रथम ग्रन्थ हिततरंगिणी (कृपाराम)
- हिन्दी का प्रथम अभिनीत नाटक जानकी-मंगल (शीतला प्रसाद त्रिपाठी)
- गीति काव्य शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'कुसुममाला' की भूमिका में (लोचन प्रसाद पाण्डेय)
- हिन्दी की प्रथम एकांकी 'एक घूँट' (जयशंकर प्रसाद)
- हिन्दी काव्यशास्त्र की प्रथम पुस्तक साहित्य लहरी (सूरदास)
- हिन्दी के प्रथम सूफी कवि असायत (कुछ कवि चन्दायन को भी मानते हैं)
- हिन्दी में सूफी प्रेमाख्यान का प्रथम काव्य 'चन्दायन' (मुल्ला दाऊद)
- हिन्दी में छन्दशास्त्र की प्रथम रचना छन्दमाला
- हिन्दी में रीति सिद्धान्त के प्रथम प्रस्तोता आचार्य केशवदास

- हिन्दी में प्रथम गीत रचनाकार विद्यापति
- प्रथम विश्व हिन्दी-सम्मेलन (वर्ष 1975, नागपुर)
- हिन्दी में 'स्वच्छन्दतावाद' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोगकर्ता मुकुटधर पाण्डेय
- हिन्दी में 'नई कविता' शब्द का सर्वप्रथम नामकरणकर्ता अज्ञेय
- हिन्दी का प्रथम रेखाचित्र संकलन 'पद्मपराग' (पद्मसिंह शर्मा)
- हिन्दी आलोचना की प्रथम पुस्तक हिन्दी कालिदास की आलोचना
- हिन्दी में प्रथम तुलनात्मक आलोचना बिहारी और सादी की तुलनात्मक आलोचना (पद्मसिंह शर्मा)
- हिन्दी के प्रथम मार्क्सवादी आलोचक डॉ. शिवदान सिंह चौहान
- प्रगतिशील लेखक संघ के प्रथम सभापति मुंशी प्रेमचन्द
- राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष बाल गंगाधर खरे
- हिन्दी का प्रथम साप्ताहिक पत्र उदन्त मार्तण्ड
- हिन्दी का प्रथम दैनिक पत्र समाचार सुधावर्षण
- हिन्दी की प्रथम पत्रिका संवाद कौमुदी
- हिन्दी साहित्य परिषद् के प्रथम अध्यक्ष पुरुषोत्तम दास टण्डन
- हिन्दी नाटक का प्रथम सैद्धान्तिक ग्रन्थ 'रूपक रहस्य' (श्यामसुन्दर दास)
- हिन्दी साहित्य के लिए प्रथम ज्ञानपीठ पुरस्कार सुमित्रानन्दन पन्त (चिदम्बरा)
- हिन्दी साहित्य के लिए प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार माखनलाल चतुर्वेदी (हिमतरंगिणी)
- हिन्दी साहित्य के लिए प्रथम व्यास सम्मान डॉ. रामविलास शर्मा (भारत के भाषा परिवार और हिन्दी)
- हिन्दी के लिए प्रथम सरस्वती सम्मान डॉ. हरिवंश राय बच्चन (आत्मकथा)
- मुंशी प्रेमचन्द का प्रथम उपन्यास प्रेमा (1907)
- मुंशी प्रेमचन्द की प्रथम कहानी पंच परमेश्वर (1916)
- जयशंकर प्रसाद की प्रथम कहानी ग्राम (1911)
- जयशंकर प्रसाद का प्रथम ऐतिहासिक नाटक राज्यश्री (1915)
- महादेवी वर्मा का प्रथम काव्य-संग्रह नीहार (1930)
- निराला की प्रथम काव्य रचना जूही की कली (1918)
- हिन्दी का प्रथम व्याकरण 'हिन्दुस्तानी ग्रामर' (1698)
- लेखक - जे.जे. कैटेलर (डच भाषा में)
- हिन्दी भाषा में लिखा गया प्रथम व्याकरण 'हिन्दी व्याकरण' (1827 ई.)
- लेखक-पादरी एम.टी. आदम
- हिन्दी का प्रथम व्यवस्थित व्याकरण 'भाषा चन्द्रोदय' (1855)
- लेखक-पं. श्रीलाल
- हिन्दी की प्रथम कवयित्री मीराबाई
- तार सप्तक की एक मात्र महिला कवयित्री शकुन्तला माथुर
- रामचन्द्र शुक्ल की प्रथम सैद्धान्तिक आलोचनात्मक कृति काव्य में रहस्यवाद
- जैनेन्द्र का प्रथम उपन्यास परख (1929)
- फणीश्वरनाथ 'रेणु' का प्रथम उपन्यास मैला आँचल
- अज्ञेय का प्रथम उपन्यास शेखर : एक जीवनी
- इलाचन्द्र जोशी का प्रथम उपन्यास घृणामयी
- अज्ञेय का प्रथम काव्य संग्रह भग्नदूत (1933)
- भगवती चरण वर्मा का प्रथम उपन्यास चित्रलेखा (1939)
- हिन्दी में साधारणीकरण के सम्बन्ध में प्रथम चिन्तनकर्ता रामचन्द्र शुक्ल

### अष्टछाप के कवि व उनके गुरु

कवि	गुरु	कवि	गुरु
सूरदास	बल्लभाचार्य	छीतस्वामी	विट्ठलनाथ
कुम्भनदास	बल्लभाचार्य	गोविन्दस्वामी	विट्ठलनाथ
परमानन्द दास	बल्लभाचार्य	चतुर्भुजस्वामी	विट्ठलनाथ
कृष्णदास	बल्लभाचार्य	नन्ददास	विट्ठलनाथ

### भक्ति सम्प्रदाय व उनके प्रवर्तक

सम्प्रदाय	प्रवर्तक
श्री सम्प्रदाय (रामानुज सम्प्रदाय)	रामानुज
सनक सम्प्रदाय	निम्बार्क
रुद्र सम्प्रदाय	विष्णुस्वामी
ब्राह्म सम्प्रदाय (द्वैत सम्प्रदाय)	मध्वाचार्य
रामावत सम्प्रदाय	रामानन्द
विश्नोई सम्प्रदाय	जम्भनाथ
उदासी सम्प्रदाय	श्रीचन्द
स्मार्त सम्प्रदाय	शंकराचार्य
राधावल्लभी सम्प्रदाय	हितहरिवंश
हरिदासी (सखी) सम्प्रदाय	स्वामी हरिदास
चैतन्य या गौड़ीय सम्प्रदाय	चैतन्य महाप्रभु
दास्यभावभक्ति या शरणागतिपरक भक्ति	रामानुजाचार्य
पुष्टि मार्ग	बल्लभाचार्य

### प्रमुख दर्शन व उनके प्रवर्तक

दर्शन	प्रवर्तक
अद्वैतवाद	शंकराचार्य
विशिष्टाद्वैतवाद	रामानुजाचार्य
द्वैतवाद	मध्वाचार्य
द्वैताद्वैतवाद	निम्बार्क
शुद्धाद्वैतवाद	बल्लभाचार्य
मीमांसा दर्शन	जैमिनी
सांख्य दर्शन	कपिलमुनि
योग दर्शन	पतंजलि
न्याय दर्शन	अक्षपाद गौतम
वैशेषिक दर्शन	कणाद
लोकायत/बार्हस्पत्य या चार्वाक दर्शन	चार्वाक
जैन दर्शन (स्यादवाद)	पार्श्वनाथ
संघातवाद (क्षणिकवाद)	गौतम बुद्ध
वेदान्त दर्शन या उत्तर मीमांसा	बादरायण

### प्रमुख गुरु-शिष्य

गुरु	शिष्य
गोविन्द योगी	शंकराचार्य
मत्स्येन्द्रनाथ/मछन्दरनाथ	गोरखनाथ
यादव प्रकाश	रामानुजाचार्य
नारद मुनि	निम्बार्काचार्य
राघवानन्द	रामानन्द

गुरु	शिष्य
रामानन्द	अनन्तादास, सुखानन्द, सुरसुरानन्द, नरहर्यानन्द, भावानन्द, पीपा, कबीर, सेना, धन्ना, रैदास, पद्मावती, सुरसरी
विष्णुस्वामी	बल्लभाचार्य
रैदास	मीराबाई
नरहरिदास (नरहर्यानन्द)	तुलसीदास
अग्रदास	नाभादास
शेख मोहिदी	जायसी
हाजी बाबा	उसमान
महावीर प्रसाद द्विवेदी	मैथिलीशरण गुप्त, प्रेमचन्द, निराला

### रीतिकालीन कवियों का वर्गीकरण

रीतिबद्ध कवि	केशवदास, चिन्तामणि, मतिराम, देव, रसलीन, मुबारक बिलग्रामी, जान (नियामत खाँ), तोष, यशवन्त सिंह, भूषण, कुलपति मिश्र, याकूब खाँ, पद्माकर, सुरति मिश्र, सोमनाथ, भिखारीदास, दूलह, ग्वाल, प्रताप साही इत्यादि।
रीतिसिद्ध कवि	सेनापति, बिहारी, बेनी, कृष्णकवि, रसनिधि, पजनेस, द्विजदेव इत्यादि।
रीतिमुक्त कवि	घनानन्द, आलम, शेख, ठाकुर बुन्देलखण्डी, बुद्धिसेन या बोधा इत्यादि।

### आधुनिक काव्य के कवियों का वर्गीकरण

भारतेन्दु युगीन कवि	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रतापनारायण मिश्र, राधाकृष्ण दास, अम्बिका दत्त व्यास आदि।
द्विवेदी युगीन कवि	महावीर प्रसाद द्विवेदी, श्रीधर पाठक, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', मैथिलीशरण गुप्त, नाथूराम शर्मा 'शंकर', जगन्नाथदास 'रत्नाकर', गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' इत्यादि।
छायावादी कवि	जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, रामकुमार वर्मा, उदयशंकर भट्ट 'वियोगी', लक्ष्मीनारायण मिश्र, जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज' इत्यादि।
राष्ट्रवादी सांस्कृतिक कवि	माखनलाल चतुर्वेदी, सियाराम शरण गुप्त, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर, बालकृष्ण शर्मा नवीन, सोहनलाल द्विवेदी, श्याम नारायण पाण्डेय आदि।
उन्मुक्त प्रेममार्गी कवि	हरिवंशराय बच्चन (हालावाद), भगवती चरण वर्मा, नरेन्द्र शर्मा, रामेश्वर शुक्ल अंचल (मांसलवाद)।
प्रगतिवादी कवि	केदारनाथ अग्रवाल, रामविलास शर्मा, नागार्जुन, रांगेय राघव, शिव मंगल सिंह 'सुमन', त्रिलोचन इत्यादि।

### तारसप्तक के कवि

तारसप्तक (1943)	गजानन माधव 'मुक्तिबोध', नेमिचन्द जैन, भारत भूषण अग्रवाल, प्रभाकर माधवे, गिरिजाकुमार माथुर, डॉ. रामविलास शर्मा और अज्ञेय
दूसरा सप्तक (1951)	रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, नरेश मेहता, शमशेर बहादुर सिंह, भवानी प्रसाद मिश्र, शकुन्तला माथुर और हरिनारायण व्यास
तीसरा सप्तक (1959)	कीर्ति चौधरी, प्रयाग नारायण त्रिपाठी, केदारनाथ सिंह, कुँवर नारायण, विजयदेव नारायण साही, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और मदन वात्स्यायन
चौथा सप्तक (1979)	राजेन्द्र किशोर, श्रीराम वर्मा, सुमन राजे, नन्दकिशोर आचार्य, स्वदेश भारती, राजकुमार अम्बुज और अवधेश कुमार
प्रपद्यवादी (नकेनवादी) कवि	नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार, नरेश कुमार
युयुत्सावादी कवि	शलभ श्रीराम
प्रतिबद्ध कविता के कवि	परमानन्द श्रीवास्तव

## साहित्य अकादमी पुरस्कार

क्र.	रचना	रचनाकार	वर्ष
1.	हिमतरंगिनी (काव्य)	माखनलाल चतुर्वेदी	1955
2.	पद्मावत संजीवनी व्याख्या	वासुदेवशरण अग्रवाल	1956
3.	बौद्धधर्म दर्शन	आचार्य नरेन्द्रदेव	1957
4.	मध्य एशिया का इतिहास	राहुल सांकृत्यायन	1958
5.	संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह 'दिनकर'	1959
6.	कला और बूढ़ा चाँद (काव्य)	सुमित्रानन्दन पन्त	1960
7.	भूले बिसरे चित्र (उपन्यास)	भगवतीचरण वर्मा	1961
8.	कलम का सिपाही (जीवनी)	अमृतराय	1963
9.	आँगन के पार द्वार (काव्य)	अज्ञेय	1964
10.	रससिद्धान्त (समीक्षा)	डॉ. नगेन्द्र	1965
11.	मुक्तिबोध (उपन्यास)	जैनेन्द्र	1966
12.	अमृत और विष (उपन्यास)	अमृतलाल नागर	1967
13.	दो चट्टानें (काव्य)	हरिवंशराय 'बच्चन'	1968
14.	रागदरबारी (उपन्यास)	श्रीलाल शुक्ल	1969
15.	निराला की साहित्य साधना (आलोचना)	डॉ. रामविलास शर्मा	1970
16.	कविता के नए प्रतिमान (आलोचना)	डॉ. नामवर सिंह	1971
17.	बुनी हुई रस्सी (काव्य)	भवानी प्रसाद मिश्र	1972
18.	आलोक पर्व (निबन्ध)	हजारी प्रसाद द्विवेदी	1973
19.	मिट्टी की बारात (काव्य)	शिवमंगल सिंह सुमन	1974
20.	तमस (उपन्यास)	भीष्म साहनी	1975
21.	तेरी मेरी उसकी बात (उपन्यास)	यशपाल	1976
22.	चुका भी नहीं हूँ मैं (काव्य)	शमशेर	1977
23.	उतना बस सूरज हूँ (काव्य)	भारत भूषण अग्रवाल	1978
24.	कल सुनना मुझे (काव्य)	धूमिल	1979
25.	जिन्दगीनामा जिन्दारुख (उपन्यास)	कृष्णा सोबती	1980
26.	ताप के ताप हुए दिन (काव्य)	त्रिलोचन	1981
27.	विकलांग श्रद्धा का दौर (व्यंग्य)	हरिशंकर परसाई	1982
28.	खूँटियों पर टँगे लोग (काव्य)	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	1983
29.	लोग भूल गए हैं (काव्य)	रघुवीर सहाय	1984
30.	कौवे और काला पानी (काव्य)	निर्मल वर्मा	1985
31.	अपूर्व (काव्य)	केदारनाथ अग्रवाल	1986
32.	मगध (काव्य)	श्रीकान्त वर्मा	1987
33.	अरण्य (काव्य)	नरेश मेहता	1988
34.	अकाल में सारस (काव्य)	केदारनाथ सिंह	1989
35.	नीला चाँद (उपन्यास)	शिवप्रसाद सिंह	1990
36.	मैं वक्त के हूँ सामने (काव्य)	गिरिजाकुमार माथुर	1991
37.	ढाई घर (उपन्यास)	गिरिराज किशोर	1992
38.	अर्द्धनारीश्वर (उपन्यास)	विष्णु प्रभाकर	1993
39.	कहीं नहीं वहीं (काव्य)	अशोक वाजपेयी	1994
40.	कोई दूसरा नहीं (काव्य)	कुँवर नारायण	1995
41.	मुझे चाँद चाहिए (उपन्यास)	सुरेन्द्र वर्मा	1996
42.	अनुभव के आकाश में चाँद (काव्य)	लीलाधर जगूड़ी	1997
43.	नए इलाके में (काव्य)	अरुण कमल	1998
44.	दीवार में एक खिड़की रहती थी (उपन्यास)	विनोद कुमार शुक्ल	1999
45.	हम जो देखते हैं (काव्य)	मंगलेश डबराल	2000
46.	कलिकथा : वाया बाईपास (उपन्यास)	अलका सरावगी	2001
47.	दो पंक्तियों के बीच (काव्य)	राजेश जोशी	2002
48.	कितने पाकिस्तान (उपन्यास)	कमलेश्वर	2003
49.	दुष्प्रक्र में स्रष्टा (काव्य)	वीरेन डंगवाल	2004

क्र.	रचना	रचनाकार	वर्ष
50.	क्याप (उपन्यास)	मनोहर श्याम जोशी	2005
51.	संशयात्मा (काव्य)	ज्ञानेन्द्रपति	2006
52.	इन्हीं हथियारों से	अमरकान्त	2007
53.	कोहरे में कैद रंग (उपन्यास)	गोविन्द मिश्र	2008
54.	हवा में हस्ताक्षर (काव्य)	कैलाश वाजपेयी	2009
55.	मोहनदास (महाकाव्यात्मक कहानी)	उदय प्रकाश	2010
56.	रेहन पर रघु (उपन्यास)	काशीनाथ सिंह	2011
57.	पत्थर फेंक रहा हूँ (कविता संग्रह)	चन्द्रकान्त देवताले	2012
58.	मिलजुल मन (उपन्यास)	मृदुला गर्ग	2013
59.	विनायक (उपन्यास)	रमेश चन्द्र शाह	2014
60.	आग की हँसी (काव्य)	राम दरश मिश्र	2015
61.	पारिजात (उपन्यास)	नासिरा शर्मा	2016
62.	विश्व मिथक सरित सागर (कोश)	रमेश कुंतल मेघ	2017
63.	पोस्ट बॉक्स नं. 203 नाला सोपारा (उपन्यास)	चित्रा मुद्गल	2018
64.	छीलते हुए अपनों को (कविता)	नंदकिशोर आचार्य	2019

## व्यास सम्मान

क्र.	रचना	रचनाकार	वर्ष
1.	भारत के भाषा परिवार और हिन्दी	डॉ. रामविलास शर्मा	1991
2.	नीला चाँद (उपन्यास)	शिवप्रसाद सिंह	1992
3.	मैं वक्त के हूँ सामने (काव्य)	गिरिजाकुमार माथुर	1993
4.	सपना अभी भी (काव्य)	धर्मवीर भारती	1994
5.	आत्मजयी (काव्य)	कुँवर नारायण	1995
6.	हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी	1996
7.	उत्तर कबीर व अन्य कविताएँ (काव्य)	केदारनाथ सिंह	1997
8.	पाँच आँगनों वाला घर (उपन्यास)	गोविन्द मिश्र	1998
9.	विश्रामपुर का सन्त (उपन्यास)	श्रीलाल शुक्ल	1999
10.	पहला गिरमिटिया (उपन्यास)	गिरिराज किशोर	2000
11.	आलोचना का पक्ष (आलोचना)	रमेश चन्द्र शाह	2001
12.	पृथ्वी का कृष्ण पक्ष (काव्य)	कैलाश वाजपेयी	2002
13.	आवाँ (उपन्यास)	चित्रा मुद्गल	2003
14.	कठगुलाब (उपन्यास)	मृदुला गर्ग	2004
15.	कथा सतीसर (उपन्यास)	चन्द्रकान्त	2005
16.	कविता का अर्थात् (आलोचना)	परमानन्द श्रीवास्तव	2006
17.	समय-सरगम (उपन्यास)	कृष्णा सोबती	2007
18.	एक कहानी यह भी (आत्मकथा)	मन्नु भण्डारी	2008
19.	इन्हीं हथियारों से (उपन्यास)	अमरकान्त	2009
20.	फिर भी कुछ रह जाएगा (काव्य)	विश्वनाथ तिवारी	2010
21.	आम के पत्ते (कविता संग्रह)	रामदरश मिश्र	2011
22.	न भूतो न भविष्यन्ति (उपन्यास)	नरेन्द्र कोहली	2012
23.	व्योमकेश दरवेश (संस्मरण)	विश्वनाथ त्रिपाठी	2013
24.	प्रेमचन्द की कहानियों का काल क्रमानुसार अध्ययन (आलोचना)	कमल किशोर गोयनका	2014
25.	क्षमा (काव्य)	सुनीता जैन	2015
26.	काटना शमी का वृक्ष: पद्यपंखुरी की धार से (उपन्यास)	सुरेन्द्र वर्मा	2016
27.	दुःखम-सुखम (उपन्यास)	ममता कालिया	2017
28.	जितने लोग उतने प्रेम (काव्य)	लीलाधर जगूड़ी	2018
29.	कागज की नाव (उपन्यास)	नासिरा शर्मा	2019



ज्ञानपीठ पुरस्कार  
(वर्ष 1984 के बाद से यह पुरस्कार लेखक के  
समग्र योगदान पर दिया जाता है)

क्र. रचना	रचनाकार	वर्ष
1. चिदम्बरा	सुमित्रानन्दन पन्त	1968
2. उर्वशी	रामधारी सिंह 'दिनकर'	1972
3. कितनी नावों में कितनी बार	अज्ञेय	1978
4. यामा	महादेवी वर्मा	1982
5. सम्पूर्ण साहित्य	नरेश मेहता	1992
6. सम्पूर्ण साहित्य	निर्मल वर्मा (पंजाबी लेखक गुरदयाल सिंह के साथ संयुक्त रूप से)	1999
7. सम्पूर्ण साहित्य	कुँवरनारायण	2005
8. सम्पूर्ण साहित्य	श्रीलाल शुक्ल और अमरकान्त (संयुक्त रूप से)	2009
9. अकाल में सारस	केदारनाथ सिंह	2013
10. मराठी साहित्य	भालचन्द्र नेमाडे	2014
11. गुजराती साहित्य	रघुवीर चौधरी	2015
12. सम्पूर्ण साहित्य	कृष्णा सोबती	2017
13. अंग्रेजी साहित्य	अमिताव घोष	2018
14. मलयालम साहित्य	अविक्रम अच्युथन नम्बूदरी	2019

## प्रमुख साहित्यिक सूक्तियाँ

### आदिकाल

- जहाँ मन पवन न संचरइ, रवि ससि नाहिं पवेस सरहपा
- अवधू रहिया हाटे वाटे रूप विरष की छाया।  
तजिया काम क्रोध लोभ मोह संसार की माया।। गोरखनाथ
- पुस्तक जल्हण हल्य दै, चलि गज्जन नृप काज चन्दबरदाई
- मनहु कला ससभान कला सोलह सो बनिय चन्दबरदाई
- बारह बरष लै कूकुर जीवै, अरु तेरह लै जिऐ सियार।  
बरस अठारह छत्री जिऐ, आगे जीवन को धिक्कार।। जगनिक
- देसिल बअना सब इन मिट्ठा तैसन जपऔ अवहट्ठा। विद्यापति
- गोरी सोवै सेज पर, मुख पर डारे केश।  
चल खुसरो घर आपने, रैन भई चहुँ देश।। अमीर खुसरो
- माधव हम परिनाम निरासा विद्यापति

### भक्तिकाल

- भक्ति द्राविडी ऊपजी, लाए रामानन्द।  
परकट किया कबीर ने, सात दीप नौ खण्ड।। कबीर
- मोको कहाँ ढूँढ़े बंदे मैं तो तेरे पास में कबीर
- दसरथ सुत तिहुँ लोक बखाना, रामनाम का मरम है आना। कबीर
- जाको राखै साइयाँ मारि सकै ना कोया। कबीर
- मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। कबीर
- साँच बराबर तप नहीं झूठ बराबर पाप। कबीर
- रस गगन गुफा में अजर झरै। कबीर

- हेत प्रीति से जो मिलै, तासों मिलिए धाय। कबीर
- करम गति टारे नाहिं टरे। कबीर
- प्रभुजी तुम चन्दन हम पानी। सन्त रैदास (रविदास)
- अजगर करै ना चाकरी पंछी करै न काम। मल्लूकदास
- निरगुन ब्रह्म को कियो समाधु, तब ही चले कबीरा साधू। सन्त दादूदयाल
- अपना मस्तक काटि कै बीर हुआ कबीर सन्त दादू
- मों सम कौन कुटिल खल कामी। सूरदास
- भरोसो दृढ़ इन चरनन केरो। सूरदास
- मानुस प्रेम भयउ बैकुंठी। जायसी
- हिन्दू मग पर पाँव न राखेउँ, को जो बहुतै हिन्दी भाखेउँ। नूरमोहम्मद
- होनहार बलवान इसे कोई मत मानो झूठी। नानकदेव
- करम प्रधान विश्व करि रखा। तुलसी
- परहित सरिस धरम नहिं भाई,  
परपीड़ा सम नहिं अधमाई। तुलसी
- केशव कहि न जाइ का कहिए। तुलसी
- गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग। तुलसी
- सब मम प्रिय सब मम उपजाए,  
सब ते अधिक मनुज मोहि भाए। तुलसी
- विक्रम धँसा प्रेम का बारा, सपनावती कहँ गयउ पतारा। मंझन (मधुमालती से)
- रुकमन पुनि वैसहि मरि गई, कुलवंती सत सो सति भई। कुतुबन
- जानत है वह सिरजनहारा, जो कछु है मन मरम हमारा। नूरमोहम्मद
- काह करौ बैकुण्ठइ जाय।  
जहँ नहिं नन्द, जहाँ न जसोदा,  
जहँ नहिं गोपी ग्वाल न गाय। परमानन्द दास
- सन्तन को काह सीकरी सो काम।  
आवत जात पनहियाँ टूटी, विसरी गयो हरिनाम। कुम्भनदास
- मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई। मीराबाई

### रीतिकाल

- भूषण बिनु न विराजई, कविता वनिता मित। केशवदास
- अविधा उत्तम काव्य है, मध्य लक्षणा लीन।  
अधम व्यंजना रस विरस, उलटी कहत नवीन।। देव
- अमिय हलाहल मद भरे, सेत स्याम रतनार।  
जियत मरत झुकि-झुकि परत, जेहि चितवत एक बार। रसलीन
- भले-बुरे हैं एक सम, जब लौ बोलत नाहिं।  
जानि परत हैं काक-पिक, ऋतु वसन्त के माहिं।। वृन्द
- अति सूधो सनेह को मारग है, जहँ नेकु सयानप बांक नहीं। घनानन्द
- काव्य की रीति सीखी सुकवीन सों,  
देखी सुनी बहु लोक की बातें। भिखारीदास

### आधुनिक काल

- निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।  
बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को शूल।। भारतेन्दु
- जामे रस कुछ होते हैं, ताहि पढ़त सब कोया।  
बात अनूठी चाहिए, भाषा कोऊ होया।। भारतेन्दु
- हा! हा! भारत दुर्दशा देखी न जाई। भारतेन्दु
- जो विषया सन्तन तजी, ताहि मूढ़ लपटाति। राधाकृष्ण दास

- कौन करेजो नहीं कसकत सुनि विपति बाल विधवन की। प्रताप नारायण मिश्र
- जैसे कंता घर रहे, तैसे रहे विदेश। प्रताप नारायण मिश्र
- हम दीवानों की क्या हस्ती हैं, आज यहाँ कल वहाँ चले। भगवतीचरण वर्मा
- दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात। जयशंकर प्रसाद
- अब अभिव्यक्ति के सारे खतरे उठाने ही होंगे।  
तोड़ने होंगे ही मठ और गढ़ सब। मुक्तिबोध
- दुःख सबको माँजता है। अज्ञेय
- मैंने उसको जब-जब देखा लोहा देखा  
लोहा जैसे तपता देखा, गलते देखा ढलते देखा। केदारनाथ अग्रवाल
- कर्म का भोग, भोग का कर्म, यही जड़ चेतन का आनन्द। जयशंकर प्रसाद
- वियोगी होगा पहला कवि, आह से उपजा होगा गान। सुमित्रानन्दन पन्त
- चार दिन सुखद चाँदनी रात और फिर अन्धकार अज्ञात। सुमित्रानन्दन पन्त
- मिलन के पल केवल दो-चार, विरह के कल्प अपार। सुमित्रानन्दन पन्त
- जो गहन भाव, सीधी भाषा सीधे छन्द में चाहता है, वह धोखेबाज है।  
निराला
- दुःख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज जो कही नहीं। निराला
- तोड़ दो यह क्षितिज, मैं भी देख लूँ उस ओर क्या है। महादेवी वर्मा
- पन्थ रहने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला महादेवी वर्मा
- तुमको पीड़ा में ढूँढा, तुममें ढूँढूँगी पीड़ा। महादेवी वर्मा
- मैंने आहुति बनकर देखा, यह प्रेम यज्ञ की ज्वाला है। अज्ञेय
- राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत भाग्य विधाता है।  
फटा सुथन्ना पहने जिसका गुन हरचरना गाता है। रघुवीर सहाय
- तू अब तक सोई है आली, आँखों में भरी विहाग री। जयशंकर प्रसाद
- आह! वेदना मिली विदाई। जयशंकर प्रसाद

## प्रमुख साहित्यिक कथन

- साहित्य जन-समूह के हृदय का विकास है। बालकृष्ण भट्ट
- हमारे मत में हिन्दी और उर्दू दो बोली न्यारी-न्यारी हैं। राजा लक्ष्मणसिंह
- खुश रहो अहले वतन, हम तो सफ़र करते हैं। प्रताप नारायण मिश्र
- प्रयोगवाद बैठे ठाले का धन्धा है। आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
- प्रसाद के काव्य में 'मानवीय भूमि', निराला के काव्य में 'बुद्धि तत्त्व' और पन्त के काव्य में 'कल्पना' की प्रधानता है। डॉ. नगेन्द्र
- छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है। डॉ. नगेन्द्र
- साहित्य दमित इच्छाओं की अभिव्यक्ति का उत्कृष्ट साधन है। फ़ॉयड
- हो जाने दो गर्क नशे में, मत पड़ने दो फर्क नशे में। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है। सरदार पूर्णसिंह
- बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है। रामचन्द्र शुक्ल

- निन्दा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। हरिशंकर परसाई
- परमात्मा की छाया आत्मा में पड़ने लगती है और आत्मा की छाया परमात्मा में, यही 'छायावाद' है। डॉ. रामकुमार वर्मा
- काव्य आत्मा की संकल्पनात्मक अनुभूति है। जयशंकर प्रसाद
- भक्ति आन्दोलन भारतीय चिन्तनधारा का स्वाभाविक विकास है।  
पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति धर्म का रसात्मक रूप है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- भाषा पर कबीर का जबरदस्त अधिकार था। वे वाणी के डिक्टेटर थे।  
पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी
- बुद्धदेव के बाद भारत के सर्वाधिक बड़े लोकनायक तुलसीदास हैं।  
जॉर्ज ग्रियर्सन
- हिन्दी रीति ग्रन्थों की परम्परा चिन्तामणि त्रिपाठी से चली, अतः रीतिकाल का आरम्भ उन्हीं से मानना चाहिए। रामचन्द्र शुक्ल
- ज्ञान राशि के संचित कोश का नाम साहित्य है। महावीर प्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का उद्देश्य दबे-कुचले हुए वर्ग की मुक्ति का होना चाहिए।  
प्रेमचन्द
- साहित्यकार देश भक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई भी नहीं, बल्कि उनके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है। प्रेमचन्द
- कबीर में जैसे सामाजिक विद्रोह का तीखापन और प्रणयानुभूति की कोमलता एक साथ मिलती है, कुछ वैसा ही रचाव मुक्तिबोध में है।  
डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
- कविता करने की प्रेरणा सबसे पहले मुझे प्रकृति निरीक्षण से मिली, जिसका श्रेय मेरी जन्मभूमि कूर्माचल प्रदेश को है। सुमित्रानन्दन पन्त
- भावों की मुक्ति छन्दों की भी मुक्ति चाहती है, यहाँ भाषा, भाव और छन्द तीनों स्वच्छन्द हैं। निराला
- मुझे प्रोफेसरों के बीच छायावाद सिद्ध करना पड़ेगा। निराला
- प्रगतिवाद समाजवाद की ही साहित्यिक अभिव्यक्ति है। डॉ. नगेन्द्र
- सुख-दुःख की भावावेशमयी अवस्था विशेष का गिने-चुने शब्दों में स्वर साधना का उपयुक्त चित्रण कर देना ही गीत है। महादेवी वर्मा
- आनन्द में विलीन हो जाना ही मानव जीवन का परम उद्देश्य है।  
डॉ. श्याम सुन्दरदास
- इंग्लैण्ड का पेट कभी यों ही खाली था, उसने एक हाथ से अपना पेट भरा और दूसरे हाथ से उन्नति के काँटों को साफ किया। भारतेन्दु
- हिन्दी नई चाल में ढली। भारतेन्दु
- संरचनावाद एक चक्रव्यूह है इसमें फँसकर समीक्षा तो मरती ही है, अपने साथ साहित्यिक कृति को भी ले डूबती है। बच्चन सिंह
- कविता के लिए शाब्दिक प्रतीक होना एक आधारभूत शर्त है, पर हर शाब्दिक प्रतीक 'कविता' नहीं होती। रामस्वरूप चतुर्वेदी
- छायावाद व्यक्तिवाद की कविता है, जिसका आरम्भ व्यक्ति के महत्त्व को स्वीकार करने और करवाने से हुआ। नामवर सिंह



# वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

1. सिद्ध साहित्य के अन्तर्गत चौरासी सिद्धों की वे साहित्यिक रचनाएँ आती हैं, जो (UGC NET 2018)

- (a) प्राकृत में लिखी गई हैं।  
(b) पैशाची अपभ्रंश में लिखी गई हैं।  
(c) पूर्ववर्ती अपभ्रंश में लिखी गई हैं।  
(d) तत्कालीन लोक-भाषा हिन्दी में लिखी गई हैं।

2. प्राणचन्द चौहान का सम्बन्ध भक्ति की किस शाखा से है? (UGC NET 2018)

- (a) रामभक्ति शाखा (b) कृष्णभक्ति शाखा  
(c) स्वसुखी शाखा (d) ज्ञानमार्गी शाखा

3. 'भँवर गीत' किसकी रचना है? (UGC NET 2018)

- (a) सूरदास (b) नन्ददास  
(c) चतुर्भुजदास (d) कृष्णदास

4. राजनीतिक रूप से रीतिकाल मुगलों के शासन के वैभव के (UGC NET 2018)

- (a) वरमोत्कर्ष का युग है।  
(b) उत्थान का युग है।  
(c) विस्तार का युग है।  
(d) वरमोत्कर्ष के बाद उत्तरोत्तर ह्रास और पतन का युग है।

5. कवि ठाकुर ने किस राजा के कटु वचन कहने पर म्यान से तलवार निकाल ली और कहा (UGC NET 2018)

- सेवक सिपाही हम उन रजपूतन के,  
दान जुद्ध जुरिबे में नेकु जे न मुरके।  
नीत देनवारे हैं मही के महीपालन को;  
हिए के विरुद्ध हैं, स्नेही साँचे उर के।  
ठाकुर कहत हम बैरी बेवकूफन के,  
जालिम दमाद हैं अदानियाँ ससुर के।  
चोजिन के चोजी महा, मौजिन के महाराज  
हम कविराज हैं, पै चाकर चतुर के।  
(a) अनूप गिरि उर्फ हिम्मत बहादुर  
(b) जगत सिंह  
(c) राजा पारीछत  
(d) महाराज उदितनारायण सिंह

6. राही मासूम रजा के द्वारा रचित उपन्यास नहीं है (UGC NET 2018)

- (a) दिल एक सादा कागज (b) टोपी शुक्ला  
(c) कटरा बी आर्जू (d) समर शेष है

7. "संस्कृत का कोई भी शब्द मनचाहे ढंग से तोड़-मरोड़कर 'तद्भव' नहीं बनाया जा सकता।"

उपरोक्त विचार किस विद्वान् का है? (UGC NET 2018)

- (a) रामविलास शर्मा (b) सुनीति कुमार चटर्जी  
(c) जॉर्ज ग्रियर्सन (d) नामवर सिंह

8. निम्नलिखित में से किस कवि ने सतसई की रचना नहीं की? (UGC NET 2018)

- (a) अमीरदास (b) मतिराम (c) चिन्तामणि (d) रामसहाय

9. भारत में अंग्रेजों के बढ़ते प्रभाव के प्रति ध्यान आकर्षित करते हुए पद्माकर ने किस राजा के दरबार में यह कवित्त पढ़ा था? (UGC NET 2018)

मीनागढ़ बम्बई समुन्द मन्दराज बंग,  
बन्दर को बन्द करि बन्दर बसावैगो।  
कहै पद्माकर कसकि कासमीर हू को,  
पिंजर सों घेरि के कलिंजर छुड़ावैगो।  
बाँका नृप दौलत अलीजा महाराज कबौं,  
साजि दल पकरि फिरंगिन दबावैगो।  
दिल्ली दहपट्टि, पटना हू को झपट्ट करि,  
कबहुँक लत्ता कलकत्ता को उड़ावैगो॥

- (a) दौलत राव सिन्धिया (b) जगत सिंह  
(c) अनूप गिरि (d) रघुनाथ राव

10. 'वटवृक्ष की छाया में' किस लेखक द्वारा स्मृति को सुरक्षित रखने के लिए लिखी गई है? (UGC NET 2018)

- (a) कमलेश्वर (b) अमृतलाल नागर  
(c) अमृतराय (d) हजारीप्रसाद द्विवेदी

11. 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक कौन थे? (UP सहायक अध्यापक 2019)

- (a) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला (b) महावीर प्रसाद द्विवेदी  
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) बालमुकुन्द गुप्त

12. सुमित्रानन्दन पन्त को किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला? (UPSSSC कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा 2016, UKSSSC VDO 2015)

- (a) लोकायतन (b) युगवाणी  
(c) चिदम्बरा (d) स्वर्णधूलि

13. आदिकालीन काव्य ग्रन्थों में कथा कहने की परम्परा को लक्ष्य करके 'पृथ्वीराज रासो' के सन्दर्भ में किस आलोचक ने लिखा है—“कथा की परीक्षा इतिहास की दृष्टि से नहीं, काव्य की दृष्टि से होनी चाहिए। पुरानी कथाएँ काव्य ही अधिक हैं, इतिहास वे एकदम नहीं हैं।” (UGC Net 2017)

- (a) मुनि जिनविजय (b) राहुल सांकृत्यायन  
(c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

14. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार चौदहवीं-पन्द्रहवीं शताब्दी के हिन्दुओं, मुसलमानों, सामन्तों, शहरों, सेना के सिपाहियों और लड़ाइयों का जीवन और यथार्थ वर्णन किस कृति में हुआ है? (UGC Net 2017)

- (a) हमीर काव्य (b) कीर्तिकौमुदी  
(c) कीर्तिपताका (d) कीर्तिलता

15. “आधुनिक नारी अब अपनी पूरी गरिमा, देह-सम्पदा और वास्तविक सम्मान के साथ आई है। औरतें अब औरतें हैं, वे झूठी सती या वेश्याएँ नहीं हैं, इसलिए नई कहानी खलनायिकाओं से शून्य है।”

नई कहानी के सम्बन्ध में उपरोक्त कथन किसका है? (UGC Net 2017)

- (a) कमलेश्वर (b) राजेन्द्र यादव  
(c) मोहन राकेश (d) निर्मल वर्मा

16. सिद्धों में प्रचलित 'महामुद्रा' शब्द का अभिप्राय है (UGC Net 2017)  
 (a) सिद्धि हेतु आसन का एक रूप  
 (b) सिद्धि हेतु की जाने वाली एक क्रिया  
 (c) सिद्धि प्राप्त हेतु स्त्री-संसर्ग  
 (d) सिद्धि प्राप्त हेतु स्त्री से विरक्ति
17. सूरदास की मृत्यु के बाद किसने कहा था—“पुष्टिमार्ग का जहाज जात है सो जाको कछु लेना हो सो लेउ।” (UGC Net 2017)  
 (a) सूरदास (b) नन्ददास  
 (c) छीत स्वामी (d) विट्ठलनाथ
18. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने आदिकाल को क्या संज्ञा दी है? (UP सहायक अध्यापक परीक्षा 2019)  
 (a) बीजवपनकाल (b) आदिकाल  
 (c) वीरगाथाकाल (d) चारणकाल
19. आगम वे अ पुराणे, पण्डित मान बहंति।  
 पक्क सिरिफल अलि अ जिम वाहेरित भ्रमयंति।।  
 ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं? (UGC Net 2016)  
 (a) सरहपा (b) कण्हापा (c) डोम्बिपा (d) कुक्कुरिपा
20. 'भ्रमरदूत' के रचनाकार हैं (UGC Net 2016)  
 (a) सत्यनारायण कविरत्न (b) लाला भगवानदीन  
 (c) जगन्नाथदास रत्नाकर (d) राय देवीप्रसाद 'पूर्ण'
21. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटककार सर्वाधिक नाटकों का रचयिता है? (UGC Net 2016)  
 (a) ज्ञानदेव अग्निहोत्री (b) लक्ष्मीनारायण लाल  
 (c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
22. “डिंगल कवियों की वीर-गाथाएँ, निर्गुणिया सन्तों की वाणियाँ, कृष्ण भक्त या रागानुमा भक्तिमार्ग के साधकों के पद, राम-भक्त या वैधी भक्तिमार्ग के उपासकों की कविताएँ, सूफी साधना से पुष्ट मुसलमान कवियों के तथा ऐतिहासिक हिन्दू कवियों के रोमांस और रीति-काव्य-ये छहों धाराएँ अपभ्रंश कविता का स्वाभाविक विकास हैं।”—यह कथन किसका है? (UGC Net 2016)  
 (a) रामचन्द्र शुक्ल (b) हजारीप्रसाद द्विवेदी  
 (c) रामविलास शर्मा (d) राहुल सांकृत्यायन
23. 'गुनाहों का देवता' के रचनाकार हैं (MPPSC Pre 2016)  
 (a) अमृतलाल नागर (b) मोहन राकेश  
 (c) कमलेश्वर (d) धर्मवीर भारती
24. निम्नलिखित में किशोरी लाल गोस्वामी रचित कहानी कौन-सी है? (UPSSSC Pre 2016)  
 (a) प्लेग की चुड़ैल (b) पण्डित और पण्डितानी  
 (c) इन्दुमती (d) ग्यारह वर्ष का समय
25. मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी से प्रकाशित 'अमृतस्य नर्मदा' पुस्तक के लेखक हैं (MP समग्र सुरक्षा विस्तार अधिकारी परीक्षा 2017)  
 (a) सुहास लिमये (b) अनिल माधव दवे  
 (c) हरिकृष्ण देवसरे (d) अमृतलाल बेगड़
26. 'कामरेड का कोट' कहानी के लेखक हैं (UGC Net 2016)  
 (a) विनोदकुमार शुक्ल (b) अखिलेश  
 (c) ज्ञानरंजन (d) संजय
27. इनमें से कौन-सा उपन्यास भीष्म साहनी द्वारा रचित नहीं है? (UGC Net 2016)  
 (a) झरोखे (b) कड़ियाँ (c) बसन्ती (d) पीढ़ियाँ
28. नागार्जुन द्वारा रचित मल्लुआरों के जीवन पर आधारित उपन्यास है (UGC Net 2016)  
 (a) बूँद और समुद्र (b) वरुण के बेटे  
 (c) सागर, लहरें और मनुष्य (d) डूब
29. “छोड़ द्रुमों की मृदु छाया तोड़ प्रकृति से भी माया बाले! तेरे बाल-जाल में कैसे उलझा दूँ लोचन?”  
 इन काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं (UGC Net 2016)  
 (a) रामनरेश त्रिपाठी (b) जयशंकर प्रसाद  
 (c) सुमित्रानन्दन पन्त (d) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
30. 'पूस की रात' कहानी का प्रमुख पात्र है (UGC Net 2016)  
 (a) माधव (b) अलगू (c) हल्कू (d) रग्घू
31. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के लेखक हैं (UGC Net 2016)  
 (a) धर्मवीर भारती (b) कमलेश्वर  
 (c) राजेन्द्र यादव (d) मोहन राकेश
32. “काम मंगल से मण्डित श्रेय सर्ग इच्छा का है परिणाम;  
 तिरस्कृत कर उसको तुम भूल बनाते हो असफल भवधाम।”  
 उपरोक्त काव्य पंक्तियाँ 'कामायनी' के किस सर्ग की हैं? (UGC Net 2016)  
 (a) वासना (b) काम (c) श्रद्धा (d) लज्जा
33. “सूरसागर में जगह-जगह दृष्टकूट वाले पद मिलते हैं। यह भी विद्यापति का अनुकरण है।”  
 सूरदास से सम्बन्धित उक्त विचार किस आलोचक का है? (UGC Net 2016)  
 (a) हजारीप्रसाद द्विवेदी (b) बृजेश्वर वर्मा  
 (c) रामचन्द्र शुक्ल (d) हरवंशलाल शर्मा
34. मृणाल किस उपन्यास की प्रमुख पात्र है? (UGC Net 2015)  
 (a) निर्वासित (b) परख (c) त्याग-पत्र (d) अन्तराल
35. बम्बई के मजदूर संगठनों के जीवन-संघर्ष पर आधारित उपन्यास है (UGC Net 2015)  
 (a) आवाँ (b) समरांगण (c) अनित्य (d) अन्तर्वशी
36. 'अंधा कुआँ' किसकी नाट्यकृति है? (UGC Net 2015)  
 (a) धर्मवीर भारती (b) लक्ष्मीनारायण लाल  
 (c) मोहन राकेश (d) सुरेन्द्र वर्मा
37. 'मल्लिक' किस नाटक की पात्र है? (UGC Net 2015)  
 (a) माधवी (b) सूर्य की अन्तिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक  
 (c) आषाढ़ का एक दिन (d) आठवाँ सर्ग
38. 'आधा गाँव' उपन्यास में चित्रित गाँव है (UGC Net 2015)  
 (a) गंगौली (b) शिवपाल गंज  
 (c) मेरीगंज (d) बेलारी
39. “बीती विभावरी जाग री।  
 अम्बर पनघट में डुबो रही, तारा-घट उषा-नागरी।”  
 उपरोक्त पंक्तियाँ जयशंकर प्रसाद के किस काव्य संग्रह में संकलित हैं? (UGC Net 2015)  
 (a) प्रेमपथिक (b) झरना  
 (c) कानन-कुसुम (d) लहर
40. 'एकान्त संगीत' किसकी रचना है? (UGC Net 2015)  
 (a) श्रीधर पाठक (b) हरिवंशराय बच्चन  
 (c) रामेश्वर शुक्ल अंचल (d) महादेवी वर्मा

41. 'सिने एक्सप्रेस' कहाँ से प्रकाशित हुई थी?  
(मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा 2017)  
(a) खाण्डवा (b) जबलपुर (c) अमरकण्टक (d) इन्दौर
42. 'साहित्य गुंजन' नामक साहित्यिक पत्रिका कहाँ से प्रकाशित हुई थी?  
(मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा 2017)  
(a) रतलाम (b) जबलपुर (c) नागौर (d) इन्दौर
43. "कहाँ हो ऐ हमारे प्राण प्यारे। किधर तुम छोड़कर हमको पधारे।।  
बुढ़ापे में यह दुःख भी देखना था। इसी को देखने को मैं बचा था।"  
ये काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?  
(UGC Net 2017)  
(a) प्रतापनारायण मिश्र (b) अम्बिकादत्त व्यास  
(c) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (d) उपाध्याय बद्रीनारायण चौधरी
44. भीष्म साहनी द्वारा रचित कहानी-संग्रह नहीं है  
(UGC Net 2017)  
(a) भाग्यरेखा (b) वाङ्मय (c) काठ का सपना (d) निशाचर
45. इनमें से कौन भक्तिकालीन कवि नहीं है?  
(UPSSSC कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा 2016)  
(a) सूरदास (b) कबीरदास (c) तुलसीदास (d) बिहारी
46. निम्नलिखित में से कौन-सा हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन नहीं है?  
(UPSSSC कनिष्ठ सहायक भर्ती परीक्षा 2016)  
(a) भक्तिकाल (b) रीतिकाल (c) संयुक्त काल (d) आधुनिक काल
47. निम्नलिखित में से जयशंकर प्रसाद का कौन-सा नाटक कल्हण की 'राजतरंगिणी' पर आधारित है?  
(UGC Net 2016)  
(a) राज्यश्री (b) विशाख  
(c) जनमेजय का नागयज्ञ (d) अजातशत्रु
48. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का निम्नलिखित रूपकों में से 'भाण' कौन-सा है?  
(UGC Net 2016)  
(a) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (b) विषय विषमौषधम्  
(c) भारत दुर्दशा (d) नीलदेवी
49. स्वामी अग्रदास का सम्बन्ध किस भक्ति-शाखा से है? (UGC Net 2016)  
(a) ज्ञानमार्गी शाखा (b) प्रेममार्गी शाखा  
(c) रामभक्ति शाखा (d) कृष्णभक्ति शाखा
50. "गिरा अरथ, जल बीची सम कहियत भिन्न न भिन्न।  
बंदों सीताराम पद जिनहि प्रिय खिन्ना।।"  
उक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?  
(UGC Net 2016)  
(a) केशवदास (b) तुलसीदास (c) ईश्वरदास (d) नागरीदास
51. 'विद्रोहिणी अम्बा' नाटक के रचयिता हैं  
(UGC Net 2016)  
(a) सेठ गोविन्ददास (b) चन्द्रगुप्त विद्यालंकार  
(c) गोविन्द वल्लभ पन्त (d) उदयशंकर भट्ट
52. मीराबाई की उपासना किस प्रकार की थी?  
(UGC Net 2017)  
(a) दास्य भाव (b) सख्य भाव (c) माधुर्य भाव (d) वात्सल्य भाव
53. "सखी हों स्याम रंग रंगी।  
देखि बिकाय गई वह मूरति, सूरत माहिं पगी।।"  
ये काव्य पंक्तियाँ किसकी हैं?  
(UGC Net 2017)  
(a) हितहरिवंश (b) गदाधर भट्ट (c) मीराबाई (d) जीव गोस्वामी
54. रासपंचाध्यायी किस छन्द में लिखी गई है?  
(UGC Net 2017)  
(a) इन्द्रवज्रा (b) उपेन्द्रवज्रा (c) रोला (d) मालिनी
55. 'सूरसागर' के पदों का भावानुसरण करते हुए किस कवि ने कृष्ण के जीवन का चित्रण किया है?  
(UGC Net 2017)  
(a) ब्रजवासीदास (b) रामचरणदास (c) मंचित (d) प्रेमसखी
56. "अच्युत-चरन तरंगिनी, शिव-सिर मालति-माल।  
हरि न बनायो सुरसरी, कीजो इंदव-भाल।।"  
इस दोहे के रचनाकार का नाम है  
(UGC Net 2017)  
(a) रहीम (b) रसलीन (c) रसखान (d) रामसहाय
57. 'शरीष के फूल' किसकी रचना है?  
(UKSSSC VDO 2015)  
(a) महादेवी वर्मा (b) हजारीप्रसाद द्विवेदी  
(c) जयशंकर प्रसाद (d) प्रेमचन्द
58. 'रानी केतकी की कहानी' के रचयिता हैं  
(UKSSSC VDO 2015)  
(a) ईशा अल्ला खॉं (b) प्रेमचन्द  
(c) अज्ञेय (d) जैनेन्द्र
59. 'कामायनी' महाकाव्य के रचयिता हैं  
(MPPSC Pre 2015)  
(a) मैथिलीशरण गुप्त (b) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला  
(c) जयशंकर प्रसाद (d) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
60. "उड़ गया गरजता यन्त्र-गरुड़  
बन बिन्दु, शून्य में पिघल गया पर साँप?"  
ये पंक्तियाँ 'अज्ञेय' की किस कविता से हैं?  
(UGC Net 2017)  
(a) पहचान (b) साँप  
(c) हरी घास पर क्षण भर (d) हवाई अड्डे पर विदा
61. 'ठण्डा लोहा' कविता-संग्रह के रचनाकार हैं  
(UGC Net 2017)  
(a) धर्मवीर भारती (b) भारतभूषण अग्रवाल  
(c) गिरिजा कुमार माथुर (d) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
62. निम्नलिखित में से कौन प्रपद्यवादी कवि नहीं है?  
(UGC Net 2017)  
(a) नलिन विलोचन शर्मा (b) केसरी कुमार  
(c) नरेश (d) गिरिजा कुमार माथुर
63. निम्नलिखित में से कौन-सा काव्य-संग्रह शमशेर बहादुर सिंह का नहीं है?  
(UGC Net 2017)  
(a) कुछ कविताएँ (b) कुछ और कविताएँ  
(c) आज अभी आँखों से (d) काल तुमसे होड़ है मेरी
64. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' किस काल के हिन्दी कवि हैं?  
(मध्य प्रदेश समग्र सुरक्षा परीक्षा 2017)  
(a) आदिकाल (b) भक्तिकाल (c) रीतिकाल (d) आधुनिक काल
65. शमशेर बहादुर सिंह हैं  
(मध्य प्रदेश समग्र सुरक्षा परीक्षा 2017)  
(a) उपन्यासकार (b) छायावादी कवि  
(c) प्रगतिवादी कवि (d) प्रयोगवाद और नई कविता के कवि
66. निम्न में कौन-सा समाचार-पत्र हिन्दी का नहीं है?  
(मध्य प्रदेश समग्र सुरक्षा परीक्षा 2017)  
(a) हिन्दुस्तान (b) नवभारत टाइम्स  
(c) पंजाब केसरी (d) अमृत बाजार पत्रिका
67. नायिका भेद पर आधारित ग्रन्थ 'रसमंजरी' के रचनाकार हैं  
(UGC Net 2014)  
(a) सूरदास (b) बिहारी (c) नन्ददास (d) विद्यापति
68. "भेजे मनभावन के ऊधव के आवन की सुधि ब्रज-गांवन मैं पावन जबै  
लगीं।।"  
उपरोक्त पंक्तियाँ किस काव्य कृति की हैं?  
(UGC Net 2014)  
(a) रसकलस (b) गंगावतरण (c) उद्धवशतक (d) भ्रमरगीत
69. 'खण्ड भाषा पुराणं च/कुराणं कथितं मया।' भाषा के सम्बन्ध में यह पंक्ति किस कवि की है?  
(UGC Net 2014)  
(a) जगनिक (b) नरपति नाल्ह  
(c) चन्दबरदाई (d) अब्दुल रहमान

70. 'कुवलयमाला कथा' के रचनाकार हैं (UGC Net 2014)  
 (a) रोड कवि (b) उद्यतन सूरि  
 (c) दामोदर शर्मा (d) ज्योतिरीश्वर

71. "साखी सबदी दोहरा कहि कहनी उपखान। भगति निसृपहिं अधम कवि निदहिं वेद पुरान।" किस कवि की पंक्तियाँ हैं? (UGC Net 2014)  
 (a) कबीरदास (b) भिखारीदास  
 (c) तुलसीदास (d) सूरदास

72. इनमें से कौन-सी रचना लल्लू लाल की नहीं है? (UGC Net 2014)  
 (a) सिंहासन बत्तीसी (b) बैताल पचीसी  
 (c) सुखसागर (d) लाल चन्द्रिका

73. 'उक्तिव्यक्तिप्रकरण' ग्रन्थ का विषय है (UGC Net 2014)  
 (a) पुराण (b) प्रेमकाव्य (c) भक्तिकाव्य (d) व्याकरण

74. 'लालचन्द्रिका' के रचनाकार हैं (UGC Net 2014)  
 (a) लल्लू लाल जी (b) सदल मिश्र  
 (c) गंगा प्रसाद शुक्ल (d) राजा शिवप्रसाद

75. सुमेलित कीजिए (UGC Net 2013)

सूची I (कहानीकार)	सूची II (कहानियाँ)
A. जैनेन्द्र कुमार	1. ग्रामोफोन
B. अज्ञेय	2. रोज
C. भीष्म साहनी	3. चीफ की दावत
D. मोहन राकेश	4. मिसपाल
	5. ठेस

कूट

A	B	C	D	A	B	C	D
(a) 2	5	1	3	(b) 1	4	5	2
(c) 4	2	1	5	(d) 1	2	3	4

76. निम्नलिखित में कौन-सा कहानी-संग्रह प्रेमचन्द का नहीं है? (UGC Net 2015)  
 (a) प्रेमपचीसी (b) प्रेमद्विदशी  
 (c) मुहब्बत की राहें (d) सप्त सरोज

77. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी-संग्रह फणीश्वरनाथ 'रेणु' का नहीं है? (UGC Net 2015)  
 (a) आदिम रात्रि की महक (b) अग्निखोर  
 (c) अच्छे आदमी (d) गरीबी हटाओ

78. "संदेसडउ सवित्थरउ पइ मइ कहणु न जाइ।  
 जे कालांगुलि मूंदडऊ सो बाँहडी समाइ।"  
 इन काव्य पंक्तियों के रचनाकार हैं (UGC Net 2015)  
 (a) विमल सूरि (b) अद्दहमाण  
 (c) हेमचन्द्र (d) दामोदर भट्ट

79. निम्नलिखित में से कौन-सी कहानी राजा सेठ की नहीं है? (UGC Net 2015)  
 (a) समान्तर चलते हुए (b) अपने दायरे  
 (c) गलत होता पंचतन्त्र (d) जाह्नवी

80. निम्न में से कौन शिशु-संवेदना की कहानी नहीं है? (UGC Net 2015)  
 (a) नादान दोस्त (b) चोरी  
 (c) कजाकी (d) दो सखियाँ

81. महापण्डित राहुल सांकृत्यायन ने इनमें से किस कवि को हिन्दी का पहला कवि माना है? (UGC Net 2015)  
 (a) स्वयंभू (b) सरहपाद (c) पुष्पदन्त (d) गोरखनाथ

82. निम्नलिखित में से 'ज्ञानदीप' का रचनाकार कौन है? (UGC Net/ JRF 2015)  
 (a) उस्मान (b) कासिमशाह  
 (c) नूर मुहम्मद (d) शेखनबी

83. गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग।  
 यह काव्य पंक्ति किसकी है? (UGC Net/ JRF 2015)  
 (a) गोरखनाथ (b) कबीरदास  
 (c) तुलसीदास (d) जायसी

84. भारतेन्दु ने अपने किस नाटक को नाट्य रासक व लास्य रूपक कहा है? (UGC Net/ JRF 2015)  
 (a) विषस्य विषमौषधम (b) नीलदेवी  
 (c) अँधेर नगरी (d) भारत दुर्दशा

85. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही क्रम है (UGC Net/ JRF 2015)  
 (a) जगनिक, खुसरो, श्रीधर, चन्दबरदाई  
 (b) खुसरो, श्रीधर, चन्दबरदाई, जगनिक  
 (c) चन्दबरदाई, जगनिक, खुसरो, श्रीधर  
 (d) श्रीधर, खुसरो, चन्दबरदाई, जगनिक

86. जन्मकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाकारों का सही क्रम है (UGC Net/ JRF 2015)  
 (a) चिन्तामणि, बिहारी, घनानन्द, मतिराम  
 (b) बिहारी, चिन्तामणि, मतिराम, घनानन्द  
 (c) मतिराम, बिहारी, घनानन्द, चिन्तामणि  
 (d) बिहारी, घनानन्द, मतिराम, चिन्तामणि

87. "आज मैं अकेला हूँ, अकेले रहा नहीं जाता  
 जीवन मिला है यह, रतन मिला है यह"  
 उपर्युक्त काव्य-पंक्तियाँ किस कवि की हैं? (UGC Net/ JRF 2015)  
 (a) त्रिलोचन (b) केदारनाथ  
 (c) नागार्जुन (d) रघुवीर सहाय

88. 'हिन्दी साहित्य की भूमिका' के लेखक कौन हैं? (UPSSSC (Pre) 2019)  
 (a) रामचन्द्र शुक्ल (b) डॉ. रामकुमार वर्मा  
 (c) हजारीप्रसाद द्विवेदी (d) रामविलास शर्मा

89. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित कृतियों का सही अनुक्रम है?  
 (a) दोहाकोष, श्रावकाचार, संदेशरासक, कीर्तिलता  
 (b) दोहाकोष, संदेशरासक, श्रावकाचार, कीर्तिलता  
 (c) संदेशरासक, दोहाकोष, कीर्तिलता, श्रावकाचार  
 (d) दोहाकोष, श्रावकाचार, कीर्तिलता, संदेशरासक

90. 'यामा' किसकी रचना है? (UKTET 2015)  
 (a) भवानी प्रसाद मिश्र (b) महादेवी वर्मा  
 (c) अज्ञेय (d) मुक्तिबोध

91. 'मानस का हंस' उपन्यास के लेखक कौन हैं? (UKTET 2015)  
 (a) यशपाल (b) आचार्य चतुरसेन  
 (c) अमृतलाल नागर (d) श्रीलाल शुक्ल

92. निम्नांकित में हजारीप्रसाद द्विवेदी की रचना कौन-सी है? (UKTET 2015)  
 (a) बाणभट्ट की आत्मकथा (b) चिन्तामणि  
 (c) कायाकल्प (d) अग्निरथ

93. 'राम की शक्तिपूजा' कविता के कवि कौन हैं? (UKTET 2015)  
 (a) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (b) सुमित्रानन्दन 'पन्त'  
 (c) महादेवी वर्मा (d) जयशंकर प्रसाद

94. निम्नलिखित में से कौन 'ब्रह्म सम्प्रदाय' का प्रवर्तक है? (UGC Net/JRF 2015)  
 (a) विष्णु स्वामी (b) निम्बार्काचार्य  
 (c) हित हरिवंश (d) मध्वाचार्य

95. निम्नलिखित में से कौन 'अष्टछाप' का कवि नहीं है?

(UGC Net/JRF 2015)

- (a) कुम्भनदास (b) कृष्णदास  
(c) छीतस्वामी (d) ध्रुवदास

96. 'प्रेमवाटिका' किसकी काव्यकृति है?

(UGC Net/JRF 2014)

- (a) रसखान (b) नागरीदास  
(c) आलम (d) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

97. इनमें से किस उपन्यास के लेखक अमृतलाल नागर नहीं है?

(UGC Net/JRF 2014)

- (a) सुहाग के नूपुर (b) मानस का हंस  
(c) भूले बिसरे चित्र (d) बूँद और समुद्र

98. तुलसीदास के गुरु थे

(UGC Net/JRF 2014)

- (a) रामानन्द (b) हनुमत् शास्त्री  
(c) नरहर्यानन्द (d) रामानुजाचार्य

99. 'छायावाद का पतन' पुस्तक के लेखक कौन है? (UGC Net/JRF 2014)

- (a) शान्तिप्रिय द्विवेदी (b) रामविलास शर्मा  
(c) नन्ददुलारे वाजपेयी (d) देवराज

100. 'विज्ञान गीता' किस आचार्य कवि की कृति है? (UGC Net/JRF 2014)

- (a) केशवदास (b) भिखारीदास  
(c) पद्माकर (d) सेनापति

101. 'बात बोलेगी/हम नहीं/भेद खोलेगी/बात ही'-काव्य-पंक्तियों के रचनाकार हैं

(UGC Net/JRF 2014)

- (a) शमशेर बहादुर सिंह (b) नागार्जुन  
(c) शिवमंगल सिंह सुमन (d) त्रिलोचन शास्त्री

102. निम्नलिखित पंक्तियों को उनके कवियों के साथ सुमेलित कीजिए

(UGC Net 2014)

सूची I	सूची II
A. जो बीत गई सो बात गई	1. बच्चन
B. मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में	2. अज्ञेय
C. दो पाटों के बीच पिस गया	3. मुक्तिबोध
D. रूप की आराधना का मार्ग आलिंगन नहीं तो और क्या है?	4. दिनकर
	5. नरेन्द्र शर्मा

कूट

A	B	C	D	A	B	C	D
(a) 5	1	2	4	(b) 4	2	3	5
(c) 3	5	4	2	(d) 3	4	1	2

103. रघुवीर सहाय की कृतियों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है

(UGC Net 2014)

- (a) आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए हैं, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ  
(b) हँसो-हँसो जल्दी हँसो, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, लोग भूल गए हैं, आत्महत्या के विरुद्ध  
(c) लोग भूल गए हैं, आत्महत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ  
(d) कुछ पते कुछ चिट्ठियाँ, लोग भूल गए हैं, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, आत्महत्या के विरुद्ध

104. सुमेलित कीजिए

(UGC Net 2014)

सूची I (काव्य-पंक्तियाँ)	सूची II (कवि)
A. विषम शिला संकुला पर्वतोभूता गंगा शशितारकहारा अभिद्रुता अतिशय पूता	1. त्रिलोचन
B. अर्ध विवृत जघनों पर तरुण सत्य के सिर धर लेटी थी वह दामिनी-सी रुचि गौर कलेवर	2. सुमित्रानन्दन पन्त
C. तुम मुझे प्रेम करो, जैसे मछलियाँ लहरों से करती हैं	3. कुँवर नारायण
D. अनन्त विस्तार का अटूट मौन मुझे भयभीत करता है	4. शमशेर बहादुर सिंह
	5. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

कूट

A	B	C	D	A	B	C	D
(a) 2	3	1	5	(b) 1	2	4	3
(c) 3	5	2	4	(d) 4	5	3	1

105. 'श्यामा स्वप्न' के लेखक कौन हैं?

(UGC Net 2013)

- (a) किशोरीलाल गोस्वामी (b) ठाकुर जगमोहन सिंह  
(c) ब्रजनन्दन सहाय (d) गोपालराम गहमरी

106. 'मेरी तेरी उसकी बात' के लेखक कौन हैं?

(UGC Net 2013)

- (a) भगवतीचरण वर्मा (b) यशपाल  
(c) अमृतलाल नागर (d) शिवप्रसाद सिंह

107. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना नागार्जुन की नहीं है? (UPSSSC 2019)

- (a) रतिनाथ की चाची (b) बाबा बटेसरनाथ  
(c) इमरतिया (d) दादा कामरेड

108. 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी साहित्य के किस काल में लिखा गया?

- (a) आदिकाल (b) भक्तिकाल (UPSSSC 2019)  
(c) रीतिकाल (d) आधुनिक काल

## उत्तरमाला

1. (d)	2. (a)	3. (b)	4. (d)	5. (a)	6. (d)	7. (a)	8. (c)	9. (a)	10. (b)
11. (b)	12. (c)	13. (c)	14. (d)	15. (a)	16. (c)	17. (d)	18. (a)	19. (b)	20. (a)
21. (b)	22. (b)	23. (d)	24. (c)	25. (d)	26. (c)	27. (d)	28. (b)	29. (c)	30. (c)
31. (a)	32. (c)	33. (c)	34. (c)	35. (a)	36. (b)	37. (c)	38. (a)	39. (d)	40. (b)
41. (d)	42. (d)	43. (c)	44. (c)	45. (d)	46. (c)	47. (b)	48. (b)	49. (c)	50. (b)
51. (d)	52. (c)	53. (b)	54. (c)	55. (b)	56. (c)	57. (b)	58. (a)	59. (c)	60. (d)
61. (a)	62. (d)	63. (c)	64. (d)	65. (d)	66. (d)	67. (c)	68. (c)	69. (c)	70. (b)
71. (c)	72. (c)	73. (d)	74. (a)	75. (d)	76. (d)	77. (d)	78. (b)	79. (d)	80. (d)
81. (b)	82. (d)	83. (c)	84. (c)	85. (c)	86. (a)	87. (a)	88. (c)	89. (a)	90. (b)
91. (c)	92. (a)	93. (a)	94. (d)	95. (d)	96. (a)	97. (c)	98. (c)	99. (d)	100. (a)
101. (a)	102. (d)	103. (a)	104. (b)	105. (b)	106. (b)	107. (d)	108. (a)		